Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत ने रचा इतिहास : टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बने

दीपांकर भट्टाचार्य ने चुनाव नतीजों को अस्वाभाविक और समझ से परे बताया

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, हस्त, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • रविवार • 16 नवम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 335 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,14,650	₹ 1,69,000

आज का इतिहास

2010 : भारतीय राजधानी नई दिल्ली में एक अपार्टमेंट इमारत के ढहने से कथित तौर पर 66 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि पीड़ितों की तलाश जारी है।

1524 : पुर्तगाल के विश्व विख्यात नाविक वास्को डी गामा का निधन हुआ। वास्को डी गामा ने अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर काट कर भारत तक पहुँचने में सफलता प्राप्त की थी।

न्यूज बाइट्स

पटना एयरपोर्ट पर दूसरा एयरोब्रिज चालू

पटना (नि.सं.)। पटना एयरपोर्ट पर करोड़ों की लागत से आधुनिक टर्मिनल भवन बनने के बाद अब दूसरे एयरोब्रिज को चालू कर दिया गया। इसे बोर्डिंग गेट नंबर 10 पर लगाया गया है। इसके लिए गुरुवार को ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी मिली थी। एयरपोर्ट के निदेशक चंद्र प्रताप द्विवेदी ने बताया कि एयरोब्रिज-2 के संचालित होने पर पहली उड़ान 2789 एवं 2790 एयर इंडिया की मुंबई-पटना-मुंबई के यात्रियों ने आवागमन किया। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा हुई। उन्होंने कहा कि पटना हवाई अड्डा निरंतर अवसंरचना विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यात्रियों को सुरक्षित, निर्बाध एवं कुशल सेवाएं प्रदान करता रहेगा। इसके साथ ही जहाज के पार्किंग नंबर 8 को भी चालू करने के लिए डीजीसीए से अनुमति मिल गई है। एयरपोर्ट पर पांच एयरोब्रिज लगना है। इसमें से एक एयरोब्रिज को हवाई जहाज के पार्किंग नंबर 7 में और दूसरे को पार्किंग नंबर 8 पर लगाया गया है। एयरोब्रिज लगने से यह होगी सुविधा एयरोब्रिज टनल नुमा होता है। जिसे एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में खड़े हवाई जहाज के मुख्य द्वार में लगा दिया जाता है।

फरीदाबाद से जब्त किया गया था विस्फोटक : परिक्षण के तहत रासायनिक प्रक्रिया दौरान से श्रीनगर थाने में धमाका

नौ पुलिसकर्मियों की मौत, 32 घायल

विस्फोट से कमरों की छतें गिर पड़ीं और आसपास खड़ी आधे दर्जन से अधिक गाड़ियां पलट गईं

निज सं. | श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर शुक्रवार की रात एक भीषण हादसे से दहशत में आ गई, जब नौगाम पुलिस स्टेशन में अचानक जोरदार धमाका हो गया। रात 11 बजकर 22 मिनट पर हुए इस विस्फोट ने पूरे थाना परिसर को हिला कर रख दिया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि थाने की दीवारें ध्वस्त हो गईं, कई कमरों की छतें गिर पड़ीं और आसपास खड़ी आधे दर्जन से अधिक गाड़ियां पलट गईं। धमाके की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी और आसपास के मोहल्लों में अफरातफरी मच गई। इस दुखद हादसे में ठीक मौके पर मौजूद 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। घायलों को तुरंत 92 आर्मी बेस हॉस्पिटल और एसकेआईएमएस सौरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम पूरी रात अलर्ट पर इलाज करती रही। अस्पताल प्रशासन ने अतिरिक्त बेड, सर्जिकल टीम और ब्लड बैंक तक को आपात स्थिति में लगा दिया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार यह धमाका तब हुआ जब पुलिस व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल मामले में हाल ही में जब्त किए गए विस्फोटक का सैंपल लेने की प्रक्रिया कर रही थी। विस्फोटक में अमोनियम नाइट्रेट की भारी मात्रा शामिल थी और रासायनिक प्रतिक्रिया के दौरान विस्फोट हो गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि फरीदाबाद से जब्त पूरे 360 किलो विस्फोटक को पुलिस स्टेशन में ही रखा गया था या परीक्षण के लिए उसका केवल एक हिस्सा लाया गया था। यह जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इतने खतरनाक पदार्थ को पुलिस स्टेशन में संभालने और जांच करने की पद्धति पर प्रश्नचिह्न लगना शुरू हो गया है।

वहीं पुलिस स्टेशन के पास रहने वाले जुनैद कहते हैं- मैं इसी कॉलोनी में रहता हूं। रात में 11 बजकर 20 मिनट पर ब्लास्ट हुआ। सब लोग घबरा गए। उस समय लगा कि कोई एयर ब्लास्ट तो नहीं हुआ। जब अपनी आंखों से देखा तो पता चला कि पास में धमाका हुआ।

नौगाम पुलिस थाने में हुए धमाके से पहले वहां की फोटोग्राफी करने के लिए अर्शीद अहमद शाह गए थे। धमाके में उनकी भी मौत हो गई। परिवार के लोगों का कहना है- काफी पहले अर्शीद के बड़े भाई की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। उसके बाद से अर्शीद ही घर का खर्चा उठा रहा था। वो घर का इकलौता कमाने वाला था। हमें आज उसकी मौत की खबर मिली और पूरा परिवार सदमे में है। अर्शीद के दो बच्चे भी हैं। पिता को हार्ट की बीमारी है।

धमाके से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द

एनएमसी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि नौगाम, श्रीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 162/2025 में कई संदिग्धों की भूमिका सामने आई थी। इसी मामले की जांच में तीन डॉक्टरों की संलिप्तता भी उजागर हुई। आदेश के अनुसार डॉक्टर मुजफ्फर अहमद (पंजीकरण संख्या 14680/2017), डॉक्टर अदील अहमद राठर (पंजीकरण संख्या 15892/2019) और डॉक्टर मुजमिल शकील (पंजीकरण संख्या 15130/2018), जो जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत थे, उन्हें जांच एजेंसियों द्वारा एकत्रित प्रमाणों के आधार पर इस गंभीर केस में शामिल पाया गया। एनएमसी ने कहा कि यह आचरण चिकित्सकीय पेशे की नैतिक मान्यताओं, ईमानदारी और जनता के भरोसे के पूरी तरह प्रतिकूल है।

बाहर निकले तो सड़क पर बिखरे पड़े थे शरीर के हिस्से : महिला प्रत्यक्षदर्शी

थाना परिसर के पास हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। तेज धमाके की गूंज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जबकि आसपास के घरों और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। विस्फोट के तुरंत बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर भागते दिखाई दिए। विस्फोट स्थल के बिल्कुल नजदीक रहने वाली एक प्रत्यक्षदर्शी महिला ने भयावह नजारा बयां करते हुए बताया कि रात के समय घर में सब लोग सो रहे थे, तभी अचानक इतना तेज धमाका हुआ कि पूरा मकान हिल गया और देखते ही देखते दीवारें टूटकर गिर पड़ीं। उन्होंने कहा कि धमाके से हमारा घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और हम बच्चों को लेकर तुरंत बाहर भागे।

यह कोई हमला नहीं बल्कि हादसा : डीजीपपी

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने बताया कि यह कोई हमला नहीं बल्कि हादसा था और इसमें आतंकियों द्वारा रिमोट एक्टिवेशन या टाइम डिवाइस का कोई संकेत नहीं मिला है। मृतकों में एक इंस्पेक्टर, फॉरेंसिक टीम के तीन सदस्य, क्राइम ब्रांच के दो फोटोग्राफर, राजस्व विभाग के दो कर्मचारी और एक दर्जी शामिल है, जो थाने के वर्दी संबंधी कार्यों के लिए मौजूद था। हादसे के समय कई विभागों के अधिकारी एक साथ मौजूद थे जिसकी वजह से हताहतों की संख्या अधिक हो गई। यह विस्फोटक हरियाणा के फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से बरामद किया गया था। , जहां से पुलिस ने दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुई कार ब्लास्ट की जांच के दौरान डॉ. मुजम्मिल गनई को गिरफ्तार किया था।

अमित शाह के आवास पर सियासी हलचल बिहार में नई सरकार के गठन के संकेत

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार में नई सरकार के गठन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। चुनाव परिणाम आने के बाद एनडीए गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में लौटने को तैयार दिख रहा है, और इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली में सियासी मीटिंगों की रफ्तार अचानक तेज हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर शनिवार को लगातार उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, जिसने सरकार गठन की पूरी प्रक्रिया को निर्णायक मोड़ दे दिया है। सूत्रों के अनुसार बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और सह-प्रभारी विनोद तावड़े ने अमित शाह से विस्तृत मुलाकात कर नतीजों की समीक्षा की और नई सरकार की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठकों का एजेंडा स्पष्ट था — शपथ ग्रहण से लेकर मंत्रिमंडल के प्रारंभिक स्वरूप तक, हर पहलू पर समन्वय बनाना। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि 22 नवंबर से पहले शपथ ग्रहण का कार्यक्रम तय किया जा रहा है और पटकथा लगभग तैयार है।

बैठकें केवल भाजपा नेताओं तक सीमित नहीं रहीं। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शाह के निवास पहुंचे। इन बैठकों को सरकार गठन के लिए अंतिम दौर का मंथन माना जा रहा है। माना जा रहा है कि नई सरकार में समन्वय, स्थिरता और तालमेल को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का फॉर्मूला लागू होगा। इस बार भाजपा और जेडीयू के बीच तालमेल पिछले चुनावों की तुलना में काफी सहज और परिपक्व दिखाई दे रहा है।

नीतीश कुमार सोमवार को देंगे इस्तीफा

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं, जिसके बाद नई सरकार बनाने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए शपथ ग्रहण समारोह की तारीख फाइनल होगी। पटना में प्रशासनिक हलचल बढ़ गई है और बीजेपी-जेडीयू दोनों ने अपने विधायकों को तुरंत राजधानी पहुंचने का निर्देश दे दिया है।

अगला सप्ताह होगा निर्णायक

सियासी कैलेंडर लगभग तय हो चुका है। अगले सप्ताह जेडीयू, भाजपा, हम और आरएलएम के विधायक दल की अलग-अलग बैठकें होंगी। इन बैठकों में नेता चुनने, नया समीकरण तय करने और सत्ता साझेदारी के खाके पर चर्चा होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास में एनडीए विधायक दल की संयुक्त बैठक होने वाली है, जिसमें औपचारिक रूप से नीतीश कुमार को नेता चुना जाएगा और सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

बिहार चुनाव में करारी हार के बाद लालू परिवार में गहरी दरार

लालू की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति, परिवार से भी तोड़ा नाता

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद राजद और लालू परिवार में गंभीर राजनीतिक और पारिवारिक संकट गहराता जा रहा है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा कि वह राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हैं। रोहिणी ने पोस्ट में यह भी कहा कि यह निर्णय उन्होंने संजय यादव और रमीज के कहने पर लिया है और वह पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले रही हैं।

संजय यादव, जो राज्यसभा सांसद हैं, तेजस्वी यादव के रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, रोहिणी द्वारा जिक्र किए गए रमीज यूपी के बलरामपुर के निवासी हैं और जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान जहीर के दामाद हैं। रमीज पर हत्या जैसे कई मुकदमे दर्ज हैं। यह दोनों व्यक्ति पार्टी में सोशल मीडिया और चुनावी कार्यों के संचालन में शामिल रहे हैं। उनकी पत्नी भी विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। इस साल मई में ही लालू

प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया था। तेजप्रताप ने इस कार्रवाई के लिए संजय यादव को जिम्मेदार ठहराया था। अब, बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम नतीजों में राजद को महज 25 सीटें मिली हैं, जबकि 2020 में पार्टी ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तेजप्रताप करीब 50 हजार मतों के अंतर से हार गए, जबकि तेजस्वी यादव अपनी सीट बचाने में सफल रहे।

चुनाव नतीजों के बाद लालू परिवार में संजय यादव को लेकर विवाद और गहरा गया है। तेजप्रताप ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि "जयचंदों ने राजद को खोखला किया।" इसके पहले रोहिणी आचार्य ने पार्टी और परिवार के सभी सदस्यों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था।

राजद और लालू परिवार के भीतर यह लगातार बढ़ता टकराव पार्टी की संगठनात्मक कमजोरियों को उजागर कर रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि रोहिणी का परिवार और राजनीति से दूरी लेना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि यह लंबे समय से चल रहे पारिवारिक और राजनीतिक संघर्ष का नतीजा भी है।

बिहार विधानसभा चुनाव में मिली इस हार और उसके बाद लालू परिवार के भीतर फैली खींचतान ने यह संकेत दे दिया है कि राजद को न केवल राजनीतिक रणनीति में बदलाव की जरूरत है, बल्कि परिवार के भीतर भी गंभीर रूप से संतुलन बनाए रखने की चुनौती सामने है।

झारखंड स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे

राज्यपाल एवं सीएम ने किया 8799 हजार करोड़ की 1087 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

निज संवाददाता | रांची

झारखंड के अलग राज्य बनने की ऐतिहासिक यात्रा आज 25 वर्ष पूरी कर चुकी है। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर बने इस राज्य ने संसाधन, संस्कृति और श्रम शक्ति के बल पर राष्ट्रीय परिदृश्य में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्य भर में चल रहे 18 दिवसीय उत्सव का मुख्य समारोह शनिवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित हुआ, जहां विकास योजनाओं की रिकॉर्ड श्रृंखला जनता को समर्पित की गई। समारोह के दौरान 209 परियोजनाओं का शिलान्यास और 878 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। कुल मिलाकर 8,799 हजार करोड़ रुपये की 1087 योजनाएँ राज्य को मिलीं, जिनमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, ग्रामीण–शहरी विकास, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का उत्सव केवल बीते 25 वर्षों की

खुशी तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले 25 वर्षों की दिशा तय करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ किसानों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों और हर नागरिक के कंधों पर है। उन्होंने 2050 के झारखंड की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के भविष्य को नई दृष्टि और नई ऊर्जा के साथ निर्मित करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड ने देश को जितना दिया है, उतना शायद ही किसी और प्रदेश ने दिया हो। यहां की खनिज संपदा से बड़े कारखानों की भट्टियां जली हैं और यहां के श्रमबल ने देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, इसलिए अब समय है कि देश भी झारखंड को सम्मान और अधिकार उसी अनुपात में दे, जिसका वह हकदार है।

मुख्यमंत्री के अनुसार झारखंड की पहचान केवल खनिजों तक सीमित नहीं है। इसकी प्राकृतिक समृद्धि, सांस्कृतिक विरासत और मानव संसाधन भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सरकार की नीतियों में बदलाव के संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि अब विकास मॉडल केवल खनन के इर्द-गिर्द नहीं घूमेगा, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक क्षमता को आधार बनाकर राज्य को नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की आधी आबादी को आधा प्रतिशत बजट से सशक्त बनाने की पहल देश भर में चर्चा का विषय है और कई प्रदेश इस मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। कुछ बाधाएँ हैं, लेकिन झारखंड अब पीछे नहीं रहेगा और बहुत जल्द तेज़ी से आगे बढ़ेगा।

स्थापना दिवस का मुख्य समारोह शुरू होने से पूर्व धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कोकर स्थित समाधि स्थल पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने पुष्पांजलि अर्पित की। बिरसा मुंडा पार्क और बिरसा चौक स्थित प्रतिमा पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। पूरे दिन राज्य में आदिवासी नायकों की विरासत को याद करने और सम्मान देने का सिलसिला जारी रहा।

सिर्फ 25 सीटों पर सिमटी राजद, तेजस्वी यादव का नेता प्रतिपक्ष बनना आसान नहीं

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को जोरदार झटका दिया है। मुख्यमंत्री बनने के लक्ष्य के साथ चुनावी मैदान में उतरे तेजस्वी यादव की पार्टी इस बार केवल 25 सीटों पर सिमट गई। यह प्रदर्शन आरजेडी के इतिहास में दूसरा सबसे खराब है। तेजस्वी यादव भले ही अपनी राघोपुर सीट बचाने में सफल रहे हों, लेकिन पार्टी के कई दिग्गज नेता पराजय का सामना कर गए, जिससे आरजेडी की राजनीतिक स्थिति गंभीर रूप से कमजोर दिखी। यह परिदृश्य वर्ष 2010 की याद ताजा कर देता है, जब आरजेडी को सिर्फ 22 सीटें मिली थीं और वह नीतीश कुमार की प्रचंड लहर में पूरी तरह पस्त हो गई थी। इतिहास एक बार फिर दोहराया गया है, लेकिन इस बार पैमाना और भी बड़ा रहा। 2020 के चुनाव में 75 सीटें जीतने

वाली आरजेडी 2025 में पीएम मोदी और सीएम नीतीश के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की सुनामी के सामने टिक नहीं पाई और 25 सीटों पर सिमटकर रह गई। ऐसे में राजनीतिक हलकों में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या तेजस्वी यादव अब नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर बैठ पाएंगे? नियमों के मुताबिक, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा प्राप्त करने के लिए किसी पार्टी के पास कुल सदस्यों की कम से कम 10 प्रतिशत सीटें होनी चाहिए। बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं और इस आधार पर नेता प्रतिपक्ष के लिए कम से कम 24 विधायकों की आवश्यकता होती है। आरजेडी के पास 25 विधायक हैं, यानी संख्या बल के आधार पर यह पद उसे मिलना चाहिए। साथ ही विपक्ष के अन्य दलों की तुलना में आरजेडी का आंकड़ा सबसे अधिक है, इसलिए सैद्धांतिक रूप से यह कुर्सी आरजेडी के लिए सुरक्षित मानी जा रही है।

हालाँकि हार का दायरा केवल आरजेडी तक सीमित नहीं रहा। महागठबंधन के अन्य दलों का प्रदर्शन भी बेहद कमजोर रहा। कांग्रेस केवल छह सीटें जीत सकी, जबकि वाम दलों और बाकी सहयोगियों को कुल मिलाकर महज चार सीटें प्राप्त हुईं। चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं के बड़े प्रचार अभियान, राहुल गांधी की चर्चित मछली पकड़ने वाली तस्वीर और प्रियंका गांधी की मौजूदगी भी सीटों में तब्दील नहीं हो सकी।

कांग्रेस के आरोपों पर चुनाव आयोग की सफाई

मतदाता संख्या बढ़ने पर मचा सियासी घमासान

बिहार की फाइनल वोटर लिस्ट में जुड़े तीन लाख नाम

निज संवाददाता | पटन

बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुका है और नतीजों में एनडीए की भारी जीत के साथ महागठबंधन का लगभग सफाया हो गया। चुनाव परिणामों पर राजनीतिक बयानबाजी अभी थमी भी नहीं थी कि अब मतदाता सूची को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। कांग्रेस ने बिहार की फाइनल वोटर लिस्ट पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि मतदान शुरू होने से पहले और मतदान के बाद जारी की गई मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है, जिसे स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

कांग्रेस ने अपने आरोप में कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 6 अक्टूबर को प्रेस नोट जारी करते

हुए बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ बताई थी, जबकि मतदान के बाद आयोग द्वारा जारी प्रेस रिलीज़ में मतदाताओं की संख्या 7.45 करोड़ दिखाई गई। कांग्रेस ने सवाल किया कि जब फाइनल वोटर लिस्ट 30 सितंबर को प्रकाशित की जा चुकी थी, तो चुनाव के दौरान तीन लाख अतिरिक्त मतदाता कैसे जुड़ गए? पार्टी ने संकेत दिया कि मतदाता वृद्धि पर गंभीर संदेह और जांच की जरूरत है।

डैम में पुलिस वाहन गिरा, तीन की मौत

रांची (नि.सं.)। रांची में शुक्रवार देर रात हुए भीषण हादसे ने पुलिस विभाग के साथ पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया। धुर्वा डैम के पास से गुजर रहा पुलिसकर्मियों का वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पानी में समा गया। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कार के भीतर मौजूद सभी तीनों पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में जमशेदपुर के प्रिंसिपल जिला जज के दो बॉडीगार्ड उपेंद्र कुमार सिंह और रोबिन कुजूर के साथ सरकारी ड्राइवर सतेंद्र सिंह शामिल थे। बताया जा रहा है कि सभी रात में धुर्वा डैम के रास्ते से गुजर रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन काफी तेज गति में था और अचानक मोड़ पर संतुलन बिगड़ने के बाद सीधे डैम में जा गिरा। पानी में गिरते ही कार गहरे हिस्से में धंस गई, जिससे तीनों को बाहर निकलने का कोई मौका ही नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही धुर्वा और नगड़ी थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

आरके सिंह, अशोक और उषा अग्रवाल भाजपा से निलंबित

निज संवाददाता | पटना

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और आरा के पूर्व सांसद आरके सिंह को पार्टी से निलंबित करते हुए उन्हें नोटिस थमाया है। इसमें उनसे पूछा गया है कि क्यों नहीं आपको पार्टी से निष्कासित किया जाए? उनपर पार्टी विरोधी गतिविधि में शामिल रहने का आरोप है। इसके साथ ही पार्टी ने विधानपार्षद अशोक अग्रवाल और कटिहार की मेयर उषा अग्रवाल को भी निलंबित कर दिया है। उन्हें भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। आरके सिंह ने पिछले दिनों पार्टी के साथ-साथ नीतीश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने बिजली घर निर्माण को लेकर गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था।

साथ ही बिजलीघर निर्माण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे। इसके अलावा उन्होंने पार्टी के उम्मीदवारों को लेकर भी कई सवाल उठाए थे। इससे पार्टी नाराज थी। इसी तरह कटिहार के विधानपार्षद अशोक अग्रवाल के पुत्र कटिहार से वीआईपी प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा। अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने उनका साथ दिया, जबकि वहां से पार्टी उम्मीदवार के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद चुनाव लड़ रहे थे। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने तीनों के लिए अलग-अलग पत्र जारी किया है। इसमें लिखा गया है कि आपकी गतिविधियां पार्टी के विरोध में हैं, जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आती हैं। पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है, क्योंकि इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। इसलिए आपको भाजपा से निलंबित करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। भाजपा ने तीनों नेताओं को एक सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए कहा है और पूछा है कि आपको पार्टी से क्यों न निष्कासित किया जाए?

संक्षिप्त समाचार

विभा देवी के जीत पर नारदीगंज प्रखंड में ख़ुशी की लहर

नारदीगंज (नवादा)। नवादा विधानसभा का चुनाव में एनडीए उम्मीदवार विधायक विभा देवी की जीत पर नारदीगंज प्रखंड क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में खुशी है। वही शुभकामनाएं देने वाले का सिलसिला जारी है। इस दौरान भाजपा पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व जिला पार्षद कृष्णदेव सिंह ,भाजपा नेता सह ओड़ो निवासी राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजाराम सिंह समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर व मिठाईयां को बांट कर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा एनडीए विधायक विभा देवी ने चुनाव के दौरान वायदा किये हैं। उसे पूरा करने की उम्मीद भी है । क्षेत्र का चहुमुंखी विकास की भी संभावना है । कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार के प्रति आभार जताया है। कार्यकर्ताओं ने कहा इस चुनाव में एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है। यह ऐतिहासिक जीत है। कहा कि इस बार भी पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

शिक्षकों ने निर्वाचित विधायक विमल राजवंशी और नवादा जिले के सभी नवनिर्वाचित विधायकों को दी बधाई

शिक्षकों की समस्याओं पर ध्यान देने का किया आग्रह

रजौली। रजौली विधान सभा चुनाव 2025 में लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के विमल राजवंशी जी के नवनिर्वाचित होने पर, रजौली प्रखंड के शिक्षकों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। रजौली शिक्षक नेता अजित कुमार ने यह बधाई संदेश देते हुए नवादा जिले के सभी निर्वाचित विधानसभा सदस्यों को भी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। शिक्षक नेता अजित कुमार ने सभी विजेता विधायकों से विनम्र आग्रह किया कि वे जनता की अपेक्षाओं को मजबूत करने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा, सभी दूसरे विजेता से भी आग्रह है कि जनता के अपेक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता है। सभी जनता के दुःख दर्द को अपनाकर अपने सामाजिक दायित्व को ईमानदारी से निभाने से ही आपके उद्देश्य का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने विशेष रूप से समाज के अग्रणी शिक्षकों की समस्याओं पर प्राथमिक स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।अजित कुमार ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि,मुझे विश्वास है कि आप सभी अपने क्षेत्र के शिक्षकों की समस्या को दूर करने का हमेशा प्रयास करेंगे। समस्यारहित शिक्षक आपके क्षेत्र में होंगे तो आपके क्षेत्र का संस्कार, संस्कृति, उनकी प्रतिभा देश-विदेश में प्रदर्शित होगी।विमल राजवंशी ने रजौली विधानसभा सुरक्षित सीट से राष्ट्रीय जनता दल की पिंकी भारती को 3953 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की है।शिक्षकों द्वारा दी गई यह बधाई और समस्याओं के समाधान का आग्रह अब नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए उनके चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है।

पुराने छठघाट पर ही नये छठघाट निर्माण कराने का मामला अब तूल पकड़ने लगा

तुरकौलिया। पुराने छठघाट पर नये छठघाट निर्माण कराने के मामले को लेकर डीएम को उपसरपंच अजमल कमाल ने आवेदन देकर इसकी शिकायत की है। जहां उसने बताया है कि ग्रामीणों का कहना है कि बैरिया उर्दू स्कूल के पास पुराने छठघाट पर ही घटिया सामग्री लगाकर रात में ही ढलाई करके आनन फानन में नये छठघाट का निर्माण कर दिया गया है। इसकी सूचना जेई और बीडीओ को दी गई है। लेकिन कोई कार्रवाई नही की गई है। रात में ढलाई करने का फोटो और वीडियो भी है। यह योजना तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के 15वीं वित्त आयोग से कराया गया है। जिसका प्राक्कलन राशि 14 लाख 22 हजार 8 सौ रुपए का है। पदाधिकारियों की मिलीभगत से उक्त योजना को सही ढंग से धरातल पर नही उतारा गया है। निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है। जबकि क्षेत्र के बड़े घाटों में यह शुमार होता है। दर्जनों गांवों के श्रद्धालु इस घाट पर छठ पूजा करने आते हैं। छठपूजा के अवसर काफी भीड़ होती है। काफी संख्या में बच्चे भी पहूंचते हैं। नदी किनारे बने इस घाट में घटिया सामग्री लगाकर निर्माण कराया गया है। इसकी जांच की जांच होनी चाहिए।

बाल दिवस पर बच्चों में बांटी गई पाठ्य पुस्तकें, खुश हुए नन्हें विद्यार्थी

पिपरासी। बाल दिवस के अवसर पर कल 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर ब्लॉक प्रमुख सह भाजपा जिला मंत्री विजया सिंह ने मधुबनी प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के बीच पाठ्य पुस्तकें और अध्ययन सामग्री वितरित की। इस अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक बाल दिवस मनाया।विजया सिंह ने कहा कि शिक्षा से बढ़कर कोई साधन नहीं है और बच्चों को उचित संसाधन उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया।पुस्तकें मिलने और कार्यक्रम आयोजित किए जाने से बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चे खुश नजर आए और उन्होंने बाल दिवस को हंसी-खुशी मनाया।कार्यक्रम में स्थानीय शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं और ग्रामीणों ने भी भाग लिया। सभी ने विजया सिंह के इस पहल की सराहना की।

जनगणना को लेकर पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के साथ बीडीओ ने की बैठक

दिए आवश्यक निर्देश

निज संवाददाता। रजौली

प्रखंड सभागार में प्रगणक व प्रशिक्षक

प्रखंड क्षेत्र में आगामी जनगणना-2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई है।शनिवार को बीडीओ संजीव झा के नेतृत्व में जनगणना में शामिल पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के साथ एक बैठक प्रखंड सभागार में की गई।बीडीओ ने बताया कि भारत सरकार जनगणना निदेशालय दिल्ली के आदेश के आलोक में जनगणना-2027 में पूरा किया जाना है।इस जनगणना के पूर्व रजौली प्रखंड के अंतर्गत 173 गणना ब्लॉक की जनगणना हेतु पूर्व परीक्षण किया जाना है,जिसके लिए सभी गणना ब्लॉक के प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई।प्रखंड क्षेत्र में 173 प्रगणक एवं 28 पर्यवेक्षक शामिल हैं।प्रशिक्षण का कार्य 17 नवंबर से 19 नवंबर तक किया जाना है बीडीओ ने बताया कि एक बैच में 40 की संख्या में प्रगणक शामिल रहेंगे,जिसके लिए पांच कमरों की आवश्यकता है।प्रगणकों के प्रशिक्षण को लेकर मध्य विद्यालय रजौली में पांच कमरों को चिन्हित किया गया।वहीं रजौली के सभी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण प्रखंड सभागार में किया जाना सुनिश्चित है।इस मौके पर गुलाम सरवर के अलावे दर्जनों प्रगणक एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

विस चुनाव में विकास के नाम पर एनडीए को मिला प्रचंड बहुमत

निज संवाददाता। मोहनियां

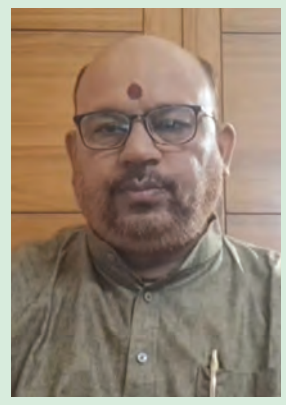

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने पर निर्भया सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व रेल मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य पंडित सतीश मिश्र बाबा ने खुशी जाहिर की है।

एनडीए व उसके घटक दल के नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि निःसंदेह यह जीत व प्रचंड बहुमत बिहार की जनता खास तौर से आधी आबादी की जीत है। देश की आधी आबादी के लिए संकल्पित व समर्पित निर्भया सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने एनडीए के पक्ष में मतदान करने का निर्णय लिया था। जिसके आलोक में निर्भया सेना परिवार से जुड़े हजारों लोगों ने एनडीए को मतदान किया था। जिससे आधी आबादी के लिए बेहतर करने वाली सरकार का कारवां आगे बढ़ता रहे। जीविका दीदियों को दस हजार रुपये सीधे खाते में भेजा गया था। पंडित बाबा ने सरकार से सभी श्रमिकों के खाते में दस -दस हजार रुपये भेजने का अनुरोध किया है। जिससे श्रमिक अपने व अपने परिवार के लिए कुछ रोजगार कर सके ।

पंडित बाबा ने कहा कि आज निर्भया सेना को प्रथम श्रेणी के अधिकारियों का संगठन कहा जाता है। लेकिन यह समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को भी सेना से जोड़कर उसे सशक्त बनाने व न्याय दिलाने में पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार ने नारी सशक्तिकरण का भरपूर प्रयास किया है।

नवादा में एनडीए की धमाकेदार जीत राजग को नई मजबूती - शमीम

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

विधायक अनिल सिंह का स्वागत करते शमीम उद्दीन एवं अन्य

नवादा जिले में एनडीए द्वारा चार विधानसभा सीटों पर दर्ज की गई प्रचंड जीत से राजग को नई मजबूती मिली है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जदयू के जिला महासचिव शमीम उद्दीन अंसारी ने कहा कि इस जीत से स्पष्ट होता है कि पूर्व मंत्री श्री राजबल्लभ प्रसाद यादव के सक्रिय नेतृत्व में राजग पहले की तुलना में अधिक मजबूत और संगठित हुआ है। हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से अनिल सिंह की विजय होने पर जिला महासचिव ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अनिल सिंह की जीत आम जनता के विश्वास और विकास की राजनीति की स्पष्ट झलक है। जनता ने जाति,धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर कार्य और नीतियों के आधार पर मतदान किया है। इस प्रचंड जीत पर जदयू के जिला महासचिव शमीम उद्दीन अंसारी, शेखपुरा पैक्स अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, मंजूर आलम सहित सैकड़ों लोग बधाई दिया। जिला महासचिव शमीम उद्दीन अंसारी ने कहा कि यह जनादेश नवादा की जनता के विश्वास और राजनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में जिले में विकास कार्यों की रफ़्तार और तेज़ होगी तथा सरकार जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरी उतरेगी।

बाल दिवस के अवसर पर नगर पालिका मध्य विद्यालय भभुआ में पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। कैमूर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कैमूर (भभुआ) के तत्वावधान में बाल दिवस के अवसर पर नगरपालिका मध्य विद्यालय भभुआ में जागरूकता कार्यक्रम एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाशक्ति को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया। पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने बाल अधिकार, खुशहाल बचपन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेशों पर आधारित चित्र बनाकर सभी को प्रभावित किया। आयोजन टीम ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कैमूर के सचिव सुमन सौरव ने बताया कि आगे भी बच्चों और समाज के हित में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे। बाल दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों के लिए यादगार बन गया, जिसने उनके कौशल को मंच देने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया। इस इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार कैमूर के पारा विधिक स्वयंसेवक शिवम कुमार एवं दीपक कुमार, विद्यालय प्रधानाचार्य नागेंद्र तिवारी, शिक्षक धर्मेंद्र कुमार प्रभाकर, सुदर्शन प्रसाद, रविता कुमारी व छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

कैमुर डीएम को मिला राष्ट्रीय जल मिशन प्रतिष्ठित पुरस्कार

कैमुर के जिला पदाधिकारी को राष्ट्रीय जल मिशन की ओर से प्राप्त हुआ प्रतिष्ठित पुरस्कार

निज संवाददाता। कैमूर

कैमूर जिले के लिए शनिवार का दिन गर्व का दिन है, क्योंकि जिला पदाधिकारी, कैमूर को जल संचय जन भागीदारी (JSJB) 1.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य हेतु राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान जल संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा जल सुरक्षा को बढ़ावा देने में जिले द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय जल मिशन की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक सुश्री अर्चना वर्मा, IAS द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में कैमूर सहित अन्य विजेताओं को हार्दिक बधाई दी गई है।

पत्र में उल्लेख है कि JSJB 1.0 अभियान के तहत विजेताओं की समर्पित कार्यशैली और जल सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को राष्ट्र स्तर पर सराहा गया है। इस सम्मान को प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह 18 नवम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली के प्लेनरी हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश की माननीय राष्ट्रपति तथा माननीय जल शक्ति मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।माननीय

राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

कार्यक्रम से संबंधित सभी व्यवस्थाएँ राष्ट्रीय जल मिशन द्वारा की जा रही हैं। कैमूर जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि को जिले की जनता, जल संरक्षण समितियों, पंचायतों, स्वयंसेवी समूहों और सभी संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया है। तो वहीं जिला पदाधिकारी ने कहा कि— "यह सम्मान कैमूर जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम भविष्य में भी जल सुरक्षा और संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते रहेंगे।" इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से कैमूर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर चमका है।

पोलिटेकनिक कालेज के खाने में कीड़ा मिलने पर छात्राओं ने काटा बवाल

निज संवाददाता। नवादा

जिले के नरहट प्रखंड क्षेत्र के खनवां में एकमात्र पोलिटेकनिक कालेज के महिला छात्रावास में रह रही छात्राओं के भोजन में कीड़े मिलने से आक्रोशित हो जमकर बवाल काटा। इस क्रम में छात्राओं ने प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

सूचना के आलोक में पहुंची पुलिस ने छात्राओं को समझा बुझाकर शांत कराया। उन्होंने छात्राओं को कार्रवाई का भरोसा दिलाया तथा दोषियों के विरुद्ध जांचोपरांत कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस मामले की तहक़ीक़ात में जुट गयी है।

फिलहाल परिसर में पत्रकारों को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है तथा छात्राओं का मोबाइल जप्त कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हो रही है। वैसे पोलिटेकनिक कालेज में यह कोई नयी बात नहीं है। इसके पूर्व भी की बार छात्राओं ने अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाती है, बावजूद हालात बद से बदतर होता जा रहा है।

विधानसभा क्षेत्र में एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है- देवा

निज संवाददाता। मोतिहारी

लोकतंत्र में जनता का जनादेश ही सर्वोपरी होता है। मोतिहारी की जनता ने जो जनादेश दिया है हम उसे स्वीकार करते है। चुनावी राजनीति में हार-जीत सिक्का के दो पहलू है। हम चुनाव जरूर हारे है लेकिन इससे हमारे हौसला में थोड़ी भी कमी नहीं आयेगी। हम एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते रहेंगे।

अब तक मोतिहारी में एक स्थायी विपक्ष नहीं रहा है। कभी बाहर से तो कभी दूसरे विधानसभा से तो कभी यहाँ के उम्मीदवार को दूसरे विधानसभा भेज दिया जाता था। हम मोतिहारी के बेटा एवं भाई है और मोतिहारी में ही टिके रहेंगे और विपक्ष की भूमिका में रहेंगे।मेरी यह हार जनता द्वारा दी गयी हार नहीं है। हम सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से हारे है। पिछले कई महीनों से जिस तरह से मुझें, मेरे परिवार और मेरे अपनों को सरकारी मशीनरी के जरिये केस-मुक़दमा करके परेशान किया जा रहा था उस से इस तरह का परिणाम अपेक्षित था।

मेरे सहयोगियों और मित्रों को झूठा मुक़दमा में फँसा कर जेल भेज दिया गया। हमारे नामांकन के बाद चुनाव का कार्य देख रहे हमारे बहुत सारे मेरे अपनों के घर पर छापा पर छापा कराया गया और नोटिस भेजकर, डरा धमका कर शहर से बाहर जाने पर मजबूर किया गया। चुनाव के समय हमारे ऊपर अन्य झूठे मुकदमा कराया गया। जिस वजह से जनसंपर्क करने में दिक़्क़त हुई और हम सभी लोगों तक नहीं पहुँच सके। मुझें मोतिहारी की लगभग 92,517 जनता का अटूट आशीर्वाद और प्यार मिला जिसके लिए आजीवन ऋणी रहेंगे। जनता जनार्दन के लिए देवा गुप्ता का दरवाज़ा हमेशा खुला रहेगा। पराजय से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है। हम दोगुनी ऊर्जा के साथ पाँच वर्ष जनता की सेवा करेंगे। हम हारे जरूर है पर हार नहीं मानेंगे, हम मोतिहारी के जनता के लिए और बदहाल व्यवस्था को बदलने के लिए चुनाव लड़े थे और लड़ते रहेंगे।

कैमुर में एनडीए की प्रचंड जीत के साथ ही हाथी ने दी दस्तक

निज संवाददाता। कैमूर

कैमूर में शुक्रवार को देर शाम तक हुए मतगणना के बाद चारों विधानसभा के नतीजे आ गए। हालांकि रामगढ़ विधानसभा के नतीजे देर रात आए लेकिन इस बार कैमूर ने रिकॉर्ड तोड़ मतदान करके जो इतिहास बनाया था उसका फलसफा सामने आ गया बताते चलें कि कैमूर की चारों विधानसभा सीटों पर कांटे की टक्कर चली, जिसमें मोहनिया में कमल खिला और संगीता कुमार निर्दलीय प्रत्याशी रवि पासवान को हरा कर एक बार फिर से विधायक चुनी गई। वही भभुआ में कई बड़े-बड़े दिग्गज प्रत्याशियों के होने के बावजूद फिर से कमल पर भरोसा जताया और भरत बिन्द ने दोबारा 24415 वोटो से विजय पताका फहराकर बाजी मारी।

हालांकि पिछला विधानसभा चुनाव भरतबिंद राष्ट्रीय जनता दल के सिंबल पर लड़े थे, इस वजह से कुछ उलट फेर की संभावनाओं पर अटकलें लग रही थी, लेकिन भभुआ विधानसभा की जनता ने एक बार फिर कमल पर भरोसा जताकर यह साबित किया कि मोदी का भभुआ आगमन का प्रभाव अभी तक गया नहीं है।

वही चैनपुर में भी कई दिग्गज किस्मत आजमा रहे थे जिसमें वर्तमान अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान एक बार फिर जदयू के सिंबल पर अपनी किस्मत आजमा रहे थे तो वही राष्ट्रीय जनता दल के सिंबल पर बिहार के पूर्व खनन मंत्री बृजकिशोर बिन्द अपनी किस्मत आजमा रहे थे। वर्तमान मंत्री और पूर्व मंत्री की लड़ाई में अंतत जमा खान की जीत हुई ।

वही सबसे दिलचस्प और कांटे का मुकाबला रामगढ़ विधानसभा सीट पर देखने को मिला जहां वर्तमान विधायक अशोक सिंह बीजेपी के सिंबल पर अपनी किस्मत आजमा रहे थे जबकि बहुजन समाज पार्टी के सतीश कुमार सिंह यादव एवं बिहार के पूर्व मंत्री जगदानंद सिंह एवं बक्सर के वर्तमान सांसद सुधाकर सिंह के भाई अजीत सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे थे इस आपाधापी में अंततः हाथी ने बाजी मारी और सतीश कुमार सिंह यादव 30 वोटो से विजय घोषित किए गए

बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान कैमूर में रामगढ़ सीट पर देर शाम तक काफी जद्दोजहद चलती रही। अंत में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी सतीश कुमार सिंह यादव अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के अशोक कुमार सिंह से 30 वोटो से विजय घोषित हुए। चुनाव में बसपा के प्रत्याशी को 72689 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा के अशोक सिंह को 72659 मत प्राप्त हुए थे। जिससे वह दूसरे स्थान पर मौजूद रहे। वही राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी अजीत कुमार सिंह 41480 वोटो के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद रहे। हालांकि देर शाम तक नतीजा संतुष्टीजनक ना आने के बाद बसपा समर्थकों ने हंगामा भी किया, लेकिन नतीजा क्लियर होने के बाद सब कुछ सही रहा।

संक्षिप्त समाचार

मसौढ़ी थाने में जप्त शराब नष्ट, अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी हुई प्रक्रिया

मसौढ़ी। पुलिस द्वारा पिछले कई महीनों के दौरान विभिन्न मामलों में जप्त की गई शराब को शनिवार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। थाना परिसर में आयोजित विनष्टीकरण अभियान के दौरान कुल 8.11 लीटर देशी शराब और 23.500 लीटर विदेशी शराब को नष्ट किया गया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार और अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में शराब विनष्टीकरण की पूरी कार्रवाई पूरी की गई। शराब को नष्ट करने से पहले टीम ने माप–तौल और जब्ती विवरण का मिलान किया, जिसके बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के अंतर्गत इसे नष्ट किया गया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिला पदाधिकारी के आदेश के आलोक में जप्त शराब को नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की गई है। अधिकारियों ने कहा कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन में पकड़ी जाने वाली हर खेप को आगे भी इसी तरह नष्ट किया जाएगा और इस अभियान में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

विधायक राजू तिवारी को लोजपा (आर) विधायक दल का नेता चुने जाने पर कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

केसरिया। लोजपा (आर) के जिला उपाध्यक्ष कुन्दन कुमार मिश्र, प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, मनीष पाठक, आनंद पाठक, राहुल आर. पांडेय, निलेश द्विवेदी समेत कई नेताओं ने गोविंदगंज के विधायक राजू तिवारी को लोजपा (आर) पार्टी के विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्री तिवारी के नेतृत्व से पार्टी को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। सभी ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

सेमराटोला गांव से किसान की बाइक चोरी, अज्ञात चोरों ने चुराया, पूर्व में भी इसी गांव से बाइक की हो चुकी है चोरी

तुरकौलिया। सेमराटोला गांव से अज्ञात चोरों ने घर के बरामदे में खड़ी हिरो कंपनी के स्पेलेंडर बाइक को चुरा लिया है। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 05 बीजे- 1485 है। करीब 11 माह पहले बाइक खरीदा गया था। इसे लेकर तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के सेमराटोला वार्ड नंबर 12 की जाउल हक की पत्नी नसीमा खातून ने थाना पर आवेदन देकर इसकी सूचना दी है। थाना पर दिये आवेदन में उसने बताया है कि उसके पति परदेस में रहते हैं। घर पर वह अकेली रहती है। बरामदे में बाइक लगी रहती है। रात में वह घर में सोने चली गई। जब सुबह तो जगी तो देखी कि बरामदे में खड़ी बाइक गायब है। बाइक की चारों तरफ खोजबीन की गई लेकिन कही कुछ अता-पता नही चला। इसी गांव से विगत साल भी मुजीबुल होदा की बाइक चोरी हुई थी। लेकिन आजतक उक्त बाइक का पता नही चल पाया है। ग्रामीणों का कहना था कि ठंडी का मौसम शुरू होते ही हर साल चोर भी सक्रिय हो जाते हैं। यही कारण है कि रात के अंधेरे में बाइक को निशाना बनाते रहते हैं। लोगों ने मांग किया है कि पुलिस को रात्रि गश्ती मुस्तैदी से करनी चाहिए। ताकि चोर दरवाजे पर खड़ी बाइक को चोर निशाना नही बना सके। गौरतलब है कि एक माह पहले बोरिंग चौक से आटो डीलर विकास कुमार और नया टोला से एक किसान की बाइक चोरी हो चुकी है। लेकिन आजतक बरामद नही हुआ है। दबे जुबान लोग पुलिसिया कार्रवाई पर उंगली भी उठा रहे हैं।

जन सुराज पार्टी बिहार में महाभारत की अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में अकेले ही लड़ाः दुष्यंत सिंह राजू

केसरिया। जन सुराज पार्टी के पूर्वी चम्पारण जिला उपाध्यक्ष दुष्यंत सिंह राजू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जिस तरह महाभारत के चक्रव्यूह में अभिमन्यु ने सभी महारथियों से अकेले लड़ने का साहस दिखाया था ठीक उसी तरह जन सुराज ने बिहार विधान सभा के सभी 243 सीटों पर अकेले लड़ने का साहस किया। झुंड बनाकर लड़ने वाले पार्टियों के कुछ कार्यकर्ता जन सुराज पर उंगली उठा रहे है। आप अपने पार्टी के आकाओं से पूछो कि अगर इतनी ही शक्तिशाली है तो एनडीए और महा गठबंधन बनाने की क्यों आवश्यकता पड़ी। अकेले-अकेले लड़ते तो सभी गलतफहमियां दूर हो जाती। बिहार के इस विधान सभा चुनाव में यदि रोजी रोजगार, शिक्षा और पलायन जैसी मुद्दों पर सभी पार्टियां बाते करने लगी थी तो ये जन सुराज के कारण ही संभव हो सका था। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम भले ही जन सुराज के पक्ष में नहीं आए, लेकिन यह हार हम जैसे जन सुराजियों के मनोबल को तोड़ नहीं सकता। जन सुराज की लड़ाई कभी किसी पद के लिए नहीं थी; यह संघर्ष उन लाखों बिहारवासियों की आशाओं, सपनों और एक ईमानदार व्यवस्था की चाहत के लिए था। चुनाव परिणाम क्षणिक होते हैं, लेकिन विचार और आंदोलन समय के साथ और मजबूत होते जाते हैं। यह हार अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। बिहार बदलेगा और हम सब बिहारवासी जन सुराज के साथ कदम से कदम मिलाकर बदलें।

देशी कट्टा एवं जिदां कारतुस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

मोतिहारी। फेनहरा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर एक व्यक्ति मधुरेन्द्र सिंह पिता ललित बिहारी सिंह ईब्बग्रहीमपुर परसौनी को अपने साथ अवैध हथियार लेकर घुम रहे है तथा कोई जघन्य कांड करने की फिराक में है। जिसकी सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पकडीदयाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम-गैबंधी के बलेश्वर पटेल, पिता- स्व० रामानंद पटेल के घर के इर्द-गिर्द प्राप्त सुचना के आधार पर छापामारी किया गया। छापेमारी के क्रम में मधुरेन्द्र सिंह उर्फ फुन्नु सिंह, सा०-ईब्राहीपुर परसौनी के पास 02 देशी कट्टा तथा 08 जिदां कारतूस बरामद किया गया।वही मधुरेन्द्र सिंह उर्फ फुन्नु सिंह को सशस्त्र बल के सहयोग से विधिवत गिरफ्तार किया गया। उक्त व्यक्ति से हथियार तथा गोली के संबंध में पूछताछ किया गया तो इनके द्वारा बताया गया कि ये हथियार तथा गोली गांव परसौनी के सुमित कुमार उर्फ छोटु कुमार पे० रंजीत सिंह से लिये है। इस संदर्भ में उक्त व्यक्ति के विरूध फेनहरा थाना कांड सं0-259/25 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

नौ दिवसीय श्रीरुद्र चण्डी महायज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

केसरिया। प्रखंड के पश्चिमी सुन्दरापुर के वृत्ति टोला स्थित कृष्णा चौक के समीप आयोजित नौ दिवसीय श्री रूद्र चण्डी महायज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। महायज्ञ स्थल पर धार्मिक माहौल से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत शिरोमणी श्री 108 श्री परमानन्द दास, टेगारी पीठाधीश्वर भुसौलवा ने शिरकत की। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि से स्वागत किया। वहीं आचार्य पंडित संजय कुमार पांडेय के सान्निध्य में पंडितों द्वारा पूरे वैदिक विधान से पूजा-अर्चना कराई जा रही है। आयोजक नागेंद्र सिंह ने बताया कि महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन भजन-कीर्तन, प्रवचन तथा धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। मौके पर पंडित चन्द्रभूषण मिश्रा, संजय मिश्र, राजु मिश्रा, नितेश मिश्रा, गोविंद पाठक, रंजन कुमार मिश्रा, प्रकाश कुमार भारद्वाज, रोहित कुमार पाठक समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिना लघु खनिज चालान के सफेद बालू लदे ट्रक को खनन विभाग ने किया जब्त

अररिया। शनिवार को क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान खान निरीक्षक,अररिया के द्वारा कुर्साकांटा थाना क्षेत्र के मवेशी हाट स्थित माँ तारा धर्मकांटा के पास एक 12 चक्का ट्रक रजिस्ट्रेशन नंबर BR11GE-5278 को बिना लघु खनिज चालान (सफेद बालू) के साथ परिवहन करते हुए पकड़ा गया। खान निरीक्षक ने बिना वैध कागजात एवं चालान के अवैध रूप से बालू लदे पाए जाने पर ट्रक को तत्काल जब्त कर लिया। जब्त ट्रक को अग्रेतर कार्रवाई हेतु कुर्साकांटा थाना परिसर में सुरक्षा के तहत रखा गया है। मामले से संबंधित आवश्यक विधिक कार्रवाई नियमानुकूल की जा रही है।

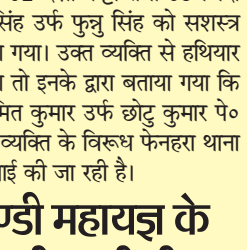

बिहार में अब राजग के सामने संकल्प-पत्र लागू करने का महाचैलेंज

निज संवाददाता। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) ने विपक्षी दलों के महागठबंधन को करारी शिकस्त दी है। राजग की प्रचण्ड जीत ने यह जता दिया है कि प्रदेशवासियों ने उनके संकल्प पत्र और दावों पर भरोसा किया है। ऐसे में महागठबंधन को चुनाव मैदान में धूल चटाने के बाद उसके सामने 'संकल्प-पत्र' को जमीन पर उतारने का महाचैलेंज भी होग। राजग ने अपने संकल्प पत्र में किसानों को हर महीने 3 हजार रुपये, 7 एक्सप्रेस वे, मुफ्त बिजली, इलाज, पक्का मकान और कर्पूरी ठाकुर सम्मान निधि सहित 25 वादे किए हैं।संकल्प पत्र में रोजगार सर्जन, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। बिहार के एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का वादा किया गया है। संकल्प पत्र में कृषि संबंधी बुनियादी ढांचे पर एक लाख करोड़ रूपये निवेश करने की बात भी कही गई है।

राजग ने 7 एक्सप्रेस वे के अलावा 3600 किलोमीटर रेलवे लाइन के आधुनिकीकरण का भी वायदा किया है। राज्य में उद्योगों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रूपये निवेश करने की भी घोषणा की गई है। राज्य के प्रत्येक जिले में आधुनिक विनिर्माण इकाइयां और दस नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। राज्य में गरीबों के कल्याण के लिए 125 यूनिट बिजली निशुल्क उपलब्ध कराने और पांच लाख रूपये तक की किफायती स्वास्थ्य सुविधा का भी वायदा किया गया है। राजग के संकल्प पत्र में 'केजी से पीजी' तक मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मिड-डे-मील के साथ पौष्टिक नाश्ता व स्कूलों में आधुनिक स्किल लैब की सुविधा देने का वादा किया गया है। आर्थिक विश्लेषक प्रो. विवेक निगम की मानें, तो संकल्प पत्र में किये गये वादों और योजनाओं के लिए भारी भरकम बजट की जरूरत है। चूंकि बिहार में शराबबंदी के चलते राजस्व का एक बड़ा स्त्रोत बंद है। ऐसे में वित्तीय दबाव को देखते हुए सरकार को नए स्त्रोतों से धन जुटाना होगा। राज्य सरकार 2015-16 में शराब की बिक्री से सालाना 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा रही थी।

सूत्रों की मानें, तो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे आने के साथ ही राज्य के वित्त विभाग में बजट और राजकोष के गणित की गुणाभाग की चर्चा तेज है। क्योंकि सरकार गठन के बाद राजग

की सरकार के सामने 'संकल्प-पत्र' में किए गए वादों को पूरा करने के लिए संसाधन भी जुटाने होंगे। दरअसल, संकल्प पत्र में किए वादों के मुताबिक, राज्य के 74 लाख किसानों, अनसूचित जाति के छात्रों के साथ-साथ अन्य लोगों को धनराशि देने होगी। इसके अलावा दो ग्रीनफील्ड शहरों (नया पटना और सीतापुरम्) के निर्माण और कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय भी करना होगा। हर युवा के सुनहरे भविष्य एवं एक करोड़ सरकारी नौकरी व रोजगार के लिए भी बड़े पूंजी की जरूरत होगी।

पिछले साल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 9.2 प्रतिशत के अनुमानित राजकोषीय घाटे और इस साल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 5.3 प्रतिशत के बजट वाले राज्य में, नीतीश कुमार की ओर से 2016 में लगाई गई शराबबंदी की समीक्षा की चर्चा हो रही है। राजग के लिए शराबबंदी वापस लेना या इस पर से प्रतिबंध हटाना आसान नहीं होगा, क्योंकि शराबबंदी समर्थक महिला मतदाताओं में इसकी अच्छी पकड़ है, लेकिन राजस्व की अपार संभावना है। आर्थिक विश्लेषक प्रो.राकेश तिवारी का कहना है कि 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत वर्तमान में नामांकित 1.5 करोड़ महिलाओं के लिए 10-10 हजार रुपये की चुनाव-पूर्व घोषणा पर 15,000 (पंद्रह हजार) करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, लगभग 4,000 (चार हजार) करोड़ रुपये 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली के लिए दिए जाने की संभावना है। इसके अलावा, 1.1 करोड़ बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों के लिए मासिक पेंशन बढ़ाकर 1,100 रुपये करने से लगभग 8,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। कॉलेजों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को 2,000 रुपये की सहायता और मछुआरों को सहायता देने का वादा भी किया गया है।

प्रो.राकेश तिवारी ने बताया कि प्रदेश में पहले से लागू योजनाओं के कारण अतिरिक्त 28,000 करोड़ रुपये के खर्च से आगे निकल जाएगा। नतीजतन, बिहार के लिए इस वर्ष राज्य सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत के बजटीय राजकोषीय घाटे के साथ वित्तीय वर्ष समाप्त करना संभव नहीं है, जब तक कि वह अन्य व्ययों में कटौती न कर सके या नए स्त्रोतों से संसाधन न जुटा सके।

बिहार की रणभूमि में कांग्रेस के पस्त होने के बाद भयानक भूचाल

निज संवाददाता। पटना

बिहार की रणभूमि में कांग्रेस के पस्त होने के बाद भयानक भूचाल महसूस होने लगा है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार अब आत्मनिरीक्षण नहीं बल्कि हक़ीक़त से रू-ब-रू होने का वक़्त आ गया है। बिहार की यह हार सिर्फ एक चुनावी पराजय नहीं, बल्कि एक संदेश, एक चेतावनी, और एक आईना है कि कांग्रेस को अब खुद को नए सिरे से गढ़ना होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों ने कांग्रेस की सियासी ज़मीन को जैसे झकझोर कर रख दिया है। महज़ 6 सीटों पर सिमट आई पार्टी न सिर्फ पराजय का स्वाद चख रही है, बल्कि इस नाकामी ने उसके भीतर गहरे असंतोष, आत्ममंथन और नेतृत्व की विफलताओं पर उठते सवालों को और भी तीखा कर दिया है। चुनावी अखाड़े में हार की यह पटकथा यूँ ही नहीं लिखी गई; यह वर्षों से चले आ रहे संगठनात्मक जड़त्व, रणनीतिक भूलों और सियासी हक़ीक़त से दूरी का नतीजा है।

वरिष्ठ नेता शशि थरूर की बातों में दर्द तो है, मगर चेतावनी भी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आत्मनिरीक्षण का समय नहीं, बल्कि यह देखने का वक़्त है कि कहाँ चूक हुई, किस मोर्चे पर संदेश कमजोर पड़ा और कहाँ संगठन बेदम साबित हुआ। थरूर का यह बयान कांग्रेस के भीतर पसरे उस धुँए की तरफ इशारा करता है जहाँ आग तो बहुत पहले लग चुकी थी, पर किसी ने उसकी तपिश महसूस करने की ज़हमत ही नहीं उठाई।

दूसरी ओर बिहार के पूर्व मंत्री शकील अहमद टटोलते हुए भी गहरी चोट कर जाते हैं। उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे को लेकर जो सवाल उठे, वित्तीय अनियमितताओं के जो आरोप लगे उनकी जांच ज़रूरी है। वरना पार्टी की हार सिर्फ शुरुआत होगी। उनकी यह टिप्पणी बताती है कि सियासी कुहासा महज़ चुनावी रणनीति में नहीं, बल्कि अंदरूनी तंत्र में भी गहरा पसरा है।

कांग्रेस नेता कृपानंद पाठक और पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार दोनों ही संगठन की जर्जर होती नसों पर उँगली रखते हैं। पाठक के शब्दों में शिकायतों की अनसुनी का ग़ुस्सा झलकता है, कृपानाथ पाठक ने कहा कि जिन सच्चाइयों को ऊपर तक पहुँचना चाहिए था, उन्हें दबा दिया गया। यह अनदेखी अब संकट बनकर सामने खड़ी है। निखिल कुमार की दृष्टि और भी स्पष्ट है , उन्होंने कहा कि बिना मज़बूत संगठन के चुनावी समर में उतरना मानो नंगी तलवार लेकर तूफ़ान में चल पड़ना है। नतीजे इसका प्रमाण हैं।

बिहार के मतदाताओं की परिपक्वता दक्षिण एशियाई लोकतंत्र के लिए बनी मिसाल

राजनीतिक प्रयोगशाला बिहार ने दुनिया को चौंकाया, सारे अनुमान ध्वस्त

निज संवाददाता। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 ने न सिर्फ देश, बल्कि दुनिया को चौंका दिया है। जिस राज्य को लम्बे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, जातीय समीकरणों और गठबंधन बदलावों की प्रयोगशाला कहा जाता रहा, उसी बिहार ने इस बार ऐसा नतीजा दिया, जिसने सभी राजनीतिक विश्लेषकों, एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अनुमान ध्वस्त कर दिए।

जब राजनीतिक पंडित 243 सीटों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और महागठबंधन को कितनी-कितनी सीटें मिलेंगी का अनुमान लगा रहे थे, कोई राजग का, तो कोई महागठबंधन की सरकार बना रहे थे। वहीं बिहार की जनता ने राजग को 202 सीटें देकर राजनीतिक पंडितों को संदेश दे दिया है कि उन्हें स्थिरता चाहिए और विकास के साथ जुड़ा नेतृत्व चाहिए। दुनिया के लिए आश्चर्य इसलिए भी कि बिहार ने हर उस पूर्वानुमान को गलत साबित किया, जिसमें मुकाबला कड़ी टक्कर और नीतीश बनाम तेजस्वी तक

सीमित माना जा रहा था।

राजनीतिक विश्लेषक एवं शिक्षाविद् प्रो. रविकांत पाठक के अनुसार, लोकतंत्र, सामाजिक संरचना और जनादेश पर नजर रखने वाली कई वैश्विक एजेंसियों ने माना कि बिहार के मतदाताओं ने जिस परिपक्वता के साथ वोट दिया, वह दक्षिण एशियाई लोकतंत्र के लिए एक मिसाल है। दुनिया को चौंकाने वाला यह जनादेश तीन बड़े संदेश देता है। जातीय राजनीति से ऊपर उठकर विकास का समर्थन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का असर और स्थिरता के लिए निर्णायक मतदान।

प्रो. रविकांत पाठक ने बताया कि विधानसभा चुनाव-2025 में बिहार ने पारंपरिक जातीय समीकरणों को झकझोर कर रख दिया। जनता ने साफ कहा है कि विकास सबसे बड़ा मुद्दा है। बिहार ने इस चुनाव में मोदी फैक्टर को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने भी कहा कि हम बिहार के लोगों का दिल चुराकर बैठे हैं। दुनिया के लिए यह हैरानी की बात थी कि जहां सत्ता बनाने के लिए 122 सीटें काफी थीं, वहां बिहार की जनता ने राजग की झोली में 202 सीटें डाल दीं। यह बताता है कि जनता किसी तरह का राजनीतिक अस्थिरता नहीं चाहती थी।

रविकांत पाठक ने कहा कि इस चुनाव ने वह कर दिखाया जो शायद वर्षों बाद किसी राज्य में दिखाई देता है। मतदाताओं ने भावनाओं, विकास और नेतृत्व के संयोजन को एक दिशा में ला दिया। नतीजों ने राजनीतिक दलों को नया संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इसे भारत के लोकतंत्र की परिपक्वता कहा है। भारत की राजनीति में बिहार ने फिर एक बार अपनी निर्णायक भूमिका दर्ज कराई है।

राजनीतिक विश्लेषक चन्द्रमा तिवारी ने कहा कि बिहार का यह जनादेश सिर्फ एक राज्य का चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि दुनिया को दिया गया एक बड़ा संकेत है कि भारतीय लोकतंत्र मजबूत है, जागरूक है और जब जनता तय कर लेती है, तो नतीजे इतिहास लिखते हैं। बिहार ने दुनिया को इसलिए चौंकाया, क्योंकि यहां जनता ने न सिर्फ सरकार बनाई, बल्कि एक नया राजनीतिक संदेश भी दिया। जनता से संदेश दिया कि विकास ही भविष्य है और भविष्य को हम मजबूती से चुनते हैं।

बिहार चुनाव : ओवैसी से समझौता न करना महागठबंधन को पड़ा भारी!

निज संवाददाता। पटना

सीमांचल में ओवैसी ने लहराया परचम, जीते पांच सीट

बिहार में एक बार फिर नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी सुपरहिट हो गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिला है। वहीं, तीसरी ताकत के रूप में पूरा जोर लगाने वाले प्रशांत किशोर (पीके) का खाता भी नहीं खुला। दिलचस्प यह है कि बिहार चुनाव में पीके से कम चर्चित रहे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) 5 और मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) 1 सीट जीतने में सफल रही।

बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने पांच सीटों पर आसान जीत दर्ज की और महागठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाया। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कुल 25 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। इनमें से 23 मुस्लिम उम्मीदवार थे। एआईएमआईएम मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र (किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार) में चुनाव लड़ रही थी।

एआईएमआईएम की ओर से जोकीहाट सीट से मोहम्मद मुर्शिद आलम, बहादुरगंज सीट से मो. तौसीफ आलम, कोचाधामन से मो. सरवर आलम, अमौर से अखतरुल ईमान और बायसी सीट से गुलाम सरवर ने जीत का परचम लहराया। एआईएमआईएम को कुल 9 लाख 30 हजार 504 (1.85 फीसदी) वोट मिले, जबकि राजद को 23 प्रतिशत वोट मिले हैं।

जोकीहाट विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने दूसरी बार बड़े-बड़े दिग्गजों को पटकनी देकर शानदार जीत दर्ज कर राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैला दी है। चुनावी मैदान में तीन पूर्व मंत्रियों को मुर्शिद आलम ने धूल चटा दी। मैदान में महागठबंधन के उम्मीदवार पूर्व मंत्री शाहनवाज आलम, पूर्व सांसद और जनसुराज के उम्मीदवार सरफराज आलम व जदयू से पूर्व मंत्री शाहनवाज आलम डटे थे, लेकिन ओवैसी फैक्टर ने मुस्लिम मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर सबों की मंशा पर पानी फेर दिया।

राजनीतिक विश्लेषक के.पी. त्रिपाठी कहते हैं कि ओवैसी ने सीमांचल की कई सीटों पर मजबूत मुस्लिम उम्मीदवार उतारे, जिससे सीधा मुकाबला हुआ। एआईएमआईएम ने मुस्लिम वोटों का एक बड़ा हिस्सा अपनी ओर खींच लिया, जिससे कई सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवार राजग के प्रत्याशियों के मुकाबले पिछड़ गए। एआईएमआईएम ने सीमांचल में अपनी गहरी पैठ बना ली है, यह समझने में महागठबंधन के रणनीतिकार चूके। कई सीटों पर एआईएमआईएम, राजद और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला। इसका सीधा फायदा राजग को मिला।

राजनीतिक व टिप्पणीकार सुशील शुक्ल कहते हैं कि राजद ने एआईएमआईएम के सभी विधायकों को तोड़ कर अपने साथ मिला लिया था, इससे पार्टी की साख खराब हुई थी। ओवैसी की पार्टी ने पांच साल जमीन पर मेहनत की और इस चुनाव में आखिरकार अपना बदला चुका लिया। यह प्रदर्शन तेजस्वी की उस रणनीति पर सवाल खड़े करता है,जिसके तहत महागठबंधन ने एआईएमआईएम को किनारे कर दिया था। जनसुराज की गतिविधियों का लाभ भी सीमांचल में ओवैसी के उम्मीदवारों को ही मिल गया।

2020 के बिहार चुनाव में भी ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के 5 प्रत्याशी जीते थे। चुनाव बाद अख्तरुल ईमान को छोड़कर बाकी के चार विधायक राजद में शामिल हो गए थे। 2020 के चुनाव में एआईएमआईएम ने अमौर, बहादुरगंज, बायसी, जोकीहाट और कोचाधामन सीट पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में एआईएमआईएम को 1.24 प्रतिशत मत मिला था, जबकि राजद के पक्ष में 23.11 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

गौरतलब है कि 2025 के चुनाव से पहले एआईएमआईएम ने राजद के साथ गठबंधन के लिए पूरी कोशिश की थी। अख्तरुल ईमान ढोल नगाड़े लेकर राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे थे। इसके बाद भी तेजस्वी यादव ने एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने से मना कर दिया था। इतना ही नहीं, तेजस्वी यादव ने एआईएमआईएम से आए चारों विधायकों के टिकट भी काट दिए थे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एआईएमआईएम का मजबूत प्रदर्शन महागठबंधन, खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के लिए वोट-कटवा साबित हुआ है। 2020 में भी यही हुआ था। बावजूद इसके महागठबंधन ने ओवैसी को कोई तवज्जो नहीं दी। यह रणनीति महागठबंधन को बहुत भारी पड़ गया। एआईएमआईएम का यह प्रदर्शन महागठबंधन के लिए एक बड़ा सबक भी है, वह यह कि ओवैसी की पार्टी से समझौता न करने की भारी कीमत महागठबंधन को चुकानी पड़ी है।

एससी,एसटी रेलवे एसोसिएशन, ने किया भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का आयोजन

दानापुर। एससी, एसटी रेलवे एसोसिएशन, दानापुर द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती हर्षोल्लास और एससी,एसटी रेलवे एसोसिएशन,दानापुर द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती गरिमामय माहौल में मनाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद मंडल अध्यक्ष बशिष्ठ कुमार ने उनके ऐतिहासिक योगदान और "जल, जंगल और जमीन" के संरक्षण हेतु किए गए आंदोलन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष हमें शिक्षित, संगठित और समाज के हित में समर्पित रहने का संदेश देता है। मंडल सचिव संतोष कुमार चौधरी ने एसोसिएशन एवं दानापुर मंडल को और अधिक एकजुट होकर मजबूती के साथ कर्मचारियों के हितों के लिए कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं उपमंडल सचिव विनय कुमार ने बिरसा मुंडा की प्रेरक जीवनी और उनकी सामाजिक चेतना को आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया। इस अवसर पर पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष चितरंजन जी, संतोष कुमार, चन्दन कुमार गौंड, फुल श्री उज्जवल, धर्मवीर पासवान, राजेश कुमार मंडल, प्रकाश कुमार, देवलाल टुडू, अनिल कुमार, संदीप कुमार, अनील कुमार चौधरी, मो. निजाम, राम प्रकाश पासवान, विरेंद्र कुमार, नीरज कुमार, प्रकाश जी सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

छापेमारी में पिकअप से गांजा बरामद

रोहतास। गुप्त सूचना के आधार पर चेनारी थानान्तर्गत ग्राम मल्हर स्थित सिंहासन पाण्डेय का मिट्टी का टूटा हुआ घर के पास ढलाईनुमा रोड पर एक रूई से लदा पीकअप गाड़ी खड़ी है, जिसके अन्दर भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम-1 के निर्देशन में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित छापामारी दल के द्वारा घटनास्थल पर पहुँचने के उपरान्त पिकअप गाड़ी रजि०नं0-JH-10CN2746 त्रिपाल से ढका हुआ लावारिश हालत में पाया गया। जिसके संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर उक्त वाहन को बीते रात से ही रोड पर खड़ा रहने एवं उसके मालिक या चालक के बारे में कुछ नहीं बताया गया। तत्पश्चात् उक्त वाहन को विधिवत् रूप से जाँच किए जाने पर वाहन के अन्दर छः प्लास्टिक का प्लास्टिक टेप से लपेटा हुआ बोरा पाया गया। जिसे खोलने पर प्रत्येक बोरा में 25 पैकेट गांजा, कुल मिलाकर 06 बोरा में 150 पैकेट गांजा पाया गया। जिसे वजन करने पर प्रत्येक बोरा में 26 कि०ग्राम० कुल 06 बोरा में गांजा की मात्रा 26x6=156 किलोग्राम पाया गया। जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 20 लाख रूपए हैं। इस संदर्भ में चेनारी थाना कांड सं0 442/2025 दिनांक 14.11.2025 धारा 8 (c)/20(b)(ii)(c)/22(c)/25/29 NDPS Act के अन्तर्गत उक्त वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

एनडीए की जीत विकास का जीत है राजेश्वर राज

काराकाट / रोहतास । भारतीय जनता पार्टी के नेता सह काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने बिहार विधानसभा 2025 में एनडीए सरकार की जीत पर आम जनता एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जो विकास की धारा प्रवाह किया है अंतिम प्रधान पर रहने वाले लोगों के पास विकास की रास्ता जो बनाया है उसी का परिणाम है कि बिहार में एनडीए सरकार रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीत महिला की सशक्तिकरण नौजवान के हाथों को कम हर गांव हर घर बिजली देवलय से लेकर शौचालय तक विकास करने का काम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने मिलकर जो किया है उसी का प्रतिफल है कि आज इतना बहुमत आ रहा है श्री राज ने कहा कि अब जनता जागरुक हो चुकी है और सही गलत करने की क्षमता है पैर रखने की क्षमता है जंगल राज का सफाया और विकास राज की स्थापना करके साबित कर दिया कि मोदी है तो मुमकिन है। श्री राज ने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास से ही इस ढंग का बिहार में रिजल्ट आया है और आगे भी आते रहेगा जनता को केवल विकास चाहिए किसी के चेहरे और मुखौटा देखकर के वोट नहीं मिलता बल्कि विकास को देखकर के वोट मिलता है जो बिहार की जनता ने साबित कर दिया ।

काराकाट विधानसभा के बिक्रमगंज प्रखंड की अंतर्गत घुसिया खुर्द शक्ति केंद्र पर खुशी का जश्न

बिक्रमगंज/ रोहतास। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने पर काराकाट विधानसभा के बिक्रमगंज प्रखंड की अंतर्गत घुसिया खुर्द शक्ति केंद्र पर खुशी का जश्न 14 नवंबर को मनाया गया। जीत की खुशी में लोगों ने एक दूसरे को अमीर गुलाल लगाया तथा मिठाइयां बांटी गई। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र शाह ने इस जीत को राष्ट्रवाद एवं विकासवाद को जीत बताई। लोगों ने एनडीए के बड़े नेताओं नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जितन राम मांझी ,उपेंद्र कुशवाहा को जिंदाबाद के नारा लगाया गया। जनता ने विरोधियों की नकारात्मक सोच को ना कर दिया। एनडीए स्टार प्रसारकों की भूरी भूरी प्रशंसा हुई। जनता ने सरकार की सेवा का अच्छा मजदूरी दी। जश्न में शामिल मंडल के उपाध्यक्ष नवनीत शाह, जदयू के प्रमोद चौधरी, डॉक्टर प्रोफेसर शंभू शरण चौधरी ,उमेश सिंह, सुनील सिंह, शिक्षक दिनेश सिंह, मुन्ना गुप्ता, संतोष गुप्ता, पीतांबर गुप्ता ,विनोद चौधरी, हरक पासवान ,श्री भगवान पासवान, जीविका दीदीयो कमला देवी, शिवकुमारी देवी, आशा देवी इत्यादि। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मालती कुशवाहा ने जश्न में शामिल होकर जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

रामगढ़ विस चुनाव की मतगणना को ले हुए बवाल मामले में दर्ज हुई प्राथमिकी

मोहनियां। शुक्रवार को मोहनियां के कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में रामगढ़ विधान सभा चुनाव की मतगणना को बवाल हुआ था। बसपा प्रत्याशी सतीश कुमार सिंह यादव के हजारों समर्थक मतगणना परिसर से दक्षिण दुर्गा मंदिर के समीप बने ड्राप गेट के समीप इकठ्ठा हुए थे। शाम को अंतिम चक्र की मतगणना का परिणाम शीघ्र घोषित नहीं किए जाने को ले उग्र हो गए। हंगामा और नारेबाजी करते हुए ड्राप गेट पर तैनात पुलिस के जवानों को धक्का देते हुए बाजार समिति के मुख्य द्वार तक पहुंच गए। पुलिस ने जब इन्हें रोकने का प्रयास किया तो समर्थकों की भीड़ उग्र होकर पथराव करने लगी। जिससे मोहनियां के डीएसपी प्रदीप कुमार सहित आधा दर्जन पुलिस के जवानों को चोट लगी। चार का सिर फट गया था। इस मामले में मोहनियां थाना में शनिवार को तीन प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं शनिवार की देर शाम दुर्गावती थाना क्षेत्र में बसपा समर्थकों द्वारा डहला गांव के समीप जीटी रोड को जाम किया गया था। इस मामले में दुर्गावती थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। कैमूर के पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ल ने शनिवार को मोहनिया थाना में डीएसपी प्रदीप कुमार,सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर सुनील कुमार निर्झर,थानाध्यक्ष आलोक कुमार से इस मामले से कार्रवाई से संबंधित जानकारी ली। उन्हें आवश्यक निर्देश दिया। डीएसपी ने बताया कि शुक्रवार की शाम कृषि उत्पादन बाजार समिति मोहनियां परिसर में चारो विधान सभा की मतगणना चल रही थी। इसी दौरान शाम को रामगढ़ विधान सभा क्षेत्र के बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी के समर्थकों ने मतगणना को ले बवाल कर दिया। पथराव में उनके साथ कई पुलिस के जवानों को चोट लगी। उपद्रवियों ने सरकारी वाहन फूंक दिया। मतगणना को ले जिला दंडाधिकारी द्वारा निषेधाज्ञा लागू की गई थी। इसके तहत मतगणना स्थल के समीप पांच से अधिक व्यक्तियों का एकत्रित होने प्रतिबंधित था। इसके बाद भी बसपा समर्थक हजारों की संख्या में एकत्रित हुए। मतगणना में व्यवधान पैदा किया। इस मामले में मोहनियां थाना में तीन प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें दो सौ नामजद व एक हजार से अधिक अज्ञात शामिल हैं। बसपा समर्थकों ने दुर्गावती में जीटी रोड को जाम किया। इस मामले में दुर्गावती थाना में प्राथमिकी दर्ज की है।

एनडीए की प्रचंड जीत के उपलक्ष में भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस

कैमूर। भभुआ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रामपुर प्रखंड में शनिवार को रामपुर मंडल अध्यक्ष अभय कुमार सिंह के अध्यक्षता में भाजपा को बिहार में प्रचंड जीत के उपलक्ष में भव्य जुलूस निकल गया जिसमें सभी कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, मंडल अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र के देवतुल्य जनता ने विकास को चुना है सबका साथ सबका विकास पर बटन दबाकर भारी बहुमत से भाजपा को जिताया इसलिए तमाम क्षेत्रीय जनता को हृदय की गहराइयों से बधाई देता हूं। वही कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा कि बिहार की जनता ने जंगल राज्य बनाने से रोका, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं नीतीश कुमार पर विश्वास जताया इसके लिए हम देवतुल्य जनता का आभार प्रकट करते हैं। मौके पर डॉक्टर महेंद्र सिंह चंद्रवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोवर्धन सिंह, अशोक पासवान, बलराम पांडे राघवेंद्र सिंह, जितेंद्र चौबे सहित सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल रहे।

नोखा सीएचसी में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक

परिवार नियोजन अभियान को सफल बनाने पर जोर

निज संवाददाता। नोखा, रोहतास

शनिवार को नोखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आशा कार्यकर्ताओं की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य फोकस परिवार नियोजन अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर रहा। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अजय प्रताप ने की। डॉ. अजय प्रताप ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे परिवार नियोजन अभियान के तहत सभी आशा कार्यकर्ताओं के लिए विशेष लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल सरकारी कार्य नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य, मातृ-शिशु सुरक्षा और जनसंख्या संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कार्यकर्ता निर्धारित लक्ष्य को पूरा नहीं करेंगी, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

बैठक में आशा प्रबंधक रिजवान आलम ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य अभियानों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ धरातल पर लागू करना हर आशा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा, बच्चों के टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच और पोषण संबंधी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर सीएचसी नोखा की पूरी टीम और बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई और आगामी दिनों में अभियान को और मजबूत बनाने के लिए रणनीतियाँ तैयार की गईं।

डॉ. अजय प्रताप ने बैठक का समापन करते हुए कहा कि परिवार नियोजन अभियान में आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से न केवल लक्ष्य प्राप्त होंगे, बल्कि समुदाय में स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे समाज में इस अभियान के महत्व को समझते हुए इसे पूरी लगन और समर्पण के साथ आगे बढ़ाएँ।

एनडीए की प्रचंड विजय पर बिक्रमगंज भाजपा कार्यालय में जश्न

अबीर–गुलाल और मिठाईयों से गुंजा माहौल

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

नगर के सासाराम रोड स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार की देर संध्या बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के बाद उत्सव का माहौल छा गया । कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाईयां खिलाकर और पटाखे छोड़कर खुशी का इजहार किया । कार्यालय परिसर देर रात तक जयकारों और विजयगीतों से गूंजता रहा । जश्न की अगुवाई भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य ने की । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाई खिलाई और कहा कि यह जीत बिहार की जनता द्वारा किए गए सुशासन और विकास के प्रति विश्वास का परिणाम है । उन्होंने एनडीए के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह जनादेश प्रदेश को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा । मौके पर मौजूद देवमुनी पांडेय,योग गुरु मनोज कुमार गुप्ता, सुनील कुशवाहा,भोला सिंह,संतोष पांडेय,हरेराम पांडेय,बद्री नारायण दुबे,रोहित यादव सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी भगवान समान मतदाताओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया । सभी ने कहा कि जिस उत्साह से जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया है,वह आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार को और मजबूती देगा । कार्यालय परिसर में रंग-बिरंगे गुलाल और मिठाइयों की सौगात के बीच जश्न देर शाम तक चलता रहा । कार्यकर्ताओं ने इसे प्रदेश के उज्जवल भविष्य का शुभ संकेत बताया। वहीं दूसरी ओर भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रोफेसर बलिराम मिश्रा,पूर्व विधायक राजेश्वर राज, राजेश्वर सिंह, प्रोफेसर सुरेश तिवारी, भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ मनीष रंजन, शिक्षाविद अखिलेश तिवारी, अमित शेखर, सुरेश गुप्ता, रितेश राज, नवीन चंद्र साह, मालती कुशवाहा, रविकांत मिश्रा सहित कई नेताओं ने इस जनादेश और एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व को आभार प्रकट किया है।

डीडीयू मंडल से आये हुए अधिकारियों द्वारा सासाराम स्टेशन का किया गया निरीक्षण

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

सासाराम स्टेशन का निरीक्षण डीडीयू मंडल से आये हुए अधिकारियों द्वारा किया गया ,जिसमे सहायक वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार ,मंडल पर्यावरण और गृह व्यवस्था प्रबंधक विराज कुमार, सहायक साकेतिक टेलीकॉम प्रबंधक रवि कुमार एवम सहायक मंडल अभियंता सुमन कुमार द्वारा सासाराम स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म एवम सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किये एवम जहां गंदगी दिखाई दी वहां पर तत्काल मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक रंजीत कुमार एवम स्टेशन प्रबंधक प्रवीण कुमार सिन्हा को उचित दिशा निर्देश दिए ,साथ ही प्लेटफॉर्म पर गंदगी फैलाने वालों के बिरुद्ध उचित जुर्माना करने का निर्देश दिये,एवम खान पान स्टाल को भी चेक किये एवम यात्रियों को उचित मूल्य पर सामान देने का निर्देश दिए एवम पहचान पत्र स्कैनर के साथ होना निश्चित किये।सौचालय पर गंदगी देख ठेकेदारों पर जुर्माना ठोका।ऊक्त निरीक्षण के दौरान आरपीएफ़ निरीक्षक संजीव कुमार,सीटीआई गौरव कुमार,सिग्नल अवम टेलीकॉम इंस्पेक्टर मोतीलाल सीआईटी नीरज कुमार, वरीय खंड अभियंता इलेक्ट्रिक रवि कुमार उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित विधायक नागेंद्र चंद्रवंशी ने निकाला विजय जुलूस, जनता ने दिया जोरदार समर्थन

निज संवाददाता। रोहतास

नोखा विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक नागेंद्र चंद्रवंशी ने शनिवार को विजय जुलूस निकाला, जिसमें जनता और समर्थकों ने उनका उत्साहपूर्ण स्वागत किया। दोपहर में नोखा नगर परिषद के बस स्टैंड पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जमा हुए, जिन्होंने विधायक को फूलों की माला पहनाई और उनके समर्थन में नारे लगाए। जुलूस की शुरुआत नोखा बस स्टैंड से हुई। इसमें भाजपा, लोजपा, जदयू, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और हम पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर गुलाल उड़ाते हुए विधायक का स्वागत किया। युवा वर्ग "मोदी-नीतीश की जोड़ी हिट हो गई" जैसे गीतों पर झूमता रहा, जिससे पूरे माहौल में उत्साह और उमंग का संचार हुआ।

इस अवसर पर भाजपा नेता एवं जिला संयोजक अभय कुमार उर्फ मुन्ना, अजय द्विवेदी, युवा नेता अनुराग सिंह, उमेश पासवान, तारानंद शाह, सुरजीत कुमार, चंदन कुमार, रामजी पासवान, आफताब आलम, मुन्ना सिंह, मुन्ना पांडे, जदयू नेता संजर खान और विजय सेठ, दीनानाथ राय सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने नागेंद्र चंद्रवंशी को जीत की बधाई दी और जुलूस में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विजय जुलूस बराव से होते हुए मुख्य मार्गों से गुजरते हुए नोखा पहुंचा। रास्ते भर जनता ने फूल-मालाओं और ताली-थाली के साथ नवनिर्वाचित विधायक का अभिवादन किया। लोग पहले से खड़े होकर उनका स्वागत कर रहे थे और उनके प्रति अपना समर्थन जताया।

नागेंद्र चंद्रवंशी ने खुली गाड़ी से पूरी यात्रा के दौरान जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि यह जीत जनता की जीत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में वे क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे। विधायक ने कहा कि नोखा विधानसभा में विकास का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है और वे हर संभव प्रयास करेंगे कि सभी बुनियादी ढांचे और विकास कार्य समय पर पूरे हों।

नवनिर्वाचित विधायक अरुण सिंह का बिक्रमगंज में स्वागत, जनता और समर्थकों ने जताई खुशी

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

जिले के काराकाट विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन समर्थित भाकपा माले के नवनिर्वाचित विधायक अरुण सिंह शनिवार को बिक्रमगंज पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें जोरदार स्वागत किया। विधायक के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर जुटे और उन्हें फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। स्वागत समारोह में लोगों ने विधायक के समर्थन में नारे भी लगाए, जिससे माहौल उत्साह और उमंग से भर गया। कार्यकर्ता और समर्थक पैदल चलकर विधायक के साथ तेंदुनी चौक तक पहुंचे, जहां सड़क के किनारे खड़े लोगों ने भी उन्हें अभिवादन किया। इस अवसर पर विधायक ने समर्थकों और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी जीत जनता की जीत है और यह सफलता लोगों के विश्वास और मेहनत का परिणाम है। विधायक अरुण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जनता ने उन पर जो जिम्मेदारी दी है, उसका वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि विधानसभा क्षेत्र के हर नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए वे सदन से सड़क तक लगातार संघर्ष करेंगे और क्षेत्र के विकास कार्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि काराकाट विधानसभा में जो भी विकास कार्य अधूरे रह गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण विकास, सड़क निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। विधायक अरुण सिंह के स्वागत समारोह में आदिल खान, बीरेंद्र सिंह, गुड्डू तिवारी, नंदकिशोर सिंह, अनिरुद्ध सिंह, सत्येन्द्र सिंह, अमन सिंह, अभय कुमार, प्रदीप कुमार, शंकर राम, त्रिलोकी सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने अपने नेता के साथ हाथ मिलाकर उन्हें समर्थन देने का वचन भी दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि अरुण सिंह की जीत ने न केवल जनता का विश्वास साबित किया है, बल्कि उन्हें उम्मीद भी दी है कि आने वाले दिनों में विधानसभा क्षेत्र में विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होगा।

एनडीए की जीत पर बिक्रमगंज में समर्थकों का जश्न

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

बिक्रमगंज,रोहतास। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत मिलने के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार जश्न मनाया। बिक्रमगंज शहर के तेंदुनी चौक के पास और आसपास के ग्रामीण इलाकों में समर्थक अबीर-गुलाल और मिठाइयों के साथ अपने उत्साह का इजहार कर रहे थे। कई स्थानों पर आतिशबाजी भी की गई और लोग सड़कों पर नारे लगाते हुए जीत का जश्न मनाते दिखे। भाजपा, जदयू, लोजपा, आरएलएम और हम सेक्युलर के कार्यकर्ताओं ने इस ऐतिहासिक जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं की जीत बताया। बिक्रमगंज में भाजयूमो के रोहतास जिलाध्यक्ष रितेश राज ने समर्थकों के साथ मिठाइयां बांटी और सभी को बधाई दी।

रितेश राज ने कहा कि रोहतास जिले की छह सीटों पर एनडीए की जीत ऐतिहासिक है और इसे राष्ट्रवाद व विकासवाद की जीत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस जीत ने यह साबित कर दिया है कि बिहार के लोग अमन-चैन और विकास के मार्ग को चुनते हैं, और यह केवल एनडीए सरकार के नेतृत्व में ही संभव है। जश्न के दौरान कार्यकर्ताओं ने न केवल जीत का आनंद लिया, बल्कि यह भी संकल्प लिया कि वे विकास और जनहित के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहेंगे। बिक्रमगंज में पंकज कुमार, सुदर्शन प्रसाद गुप्ता, अमर सिंह, विक्की चौबे, मोहन गुप्ता, शाश्वत राज, पप्पू सिंह, सनी सिंह, सत्यप्रकाश तिवारी और आर्यन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने पार्टी के साथ अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सौर ऊर्जा बढ़ावा देने को लेकर विद्युत विभाग सक्रिय

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने और लोगों के बिजली खर्च को कम करने के उद्देश्य से बिजली कम्पनी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ तेजी से लोगों तक पहुंचाने में जुटा है । विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया कि यह योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है । जिसके तहत आम लोगों को अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है । इसके लिए इच्छुक उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं । योजना का मुख्य उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देना और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता को कम करना है । उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से बिजली उत्पादन पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है,क्योंकि इसमें प्रदूषण नहीं होता । इससे न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन संभव होता है बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी आती है । यह उन परिवारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है,जिनके घरों में विद्युत की खपत अधिक होती है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज ने बताया कि यदि कोई उपभोक्ता 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाता है,तो उसे हर महीने लगभग 300 यूनिट बिजली लाभ मिलेगी । इससे उपभोक्ता को सालाना करीब 15 हजार रुपये की बचत होगी । जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल हर महीने 1800 से 2000 रुपये तक आता है,उनके लिए यह योजना बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है ।

गंगा किनारे कटाव रोकना पहली प्राथमिकता होगी

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ पीरपैंती से नवनिर्वाचित विधायक मुरारी पासवान बोले- प्रभावितों के मुद्दों को विधानसभा में उठाएंग

भागलपुर जिले की पीरपैंती विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान ने जीत हासिल की है। जीत के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में इसे जनता की जीत बताया और कहा कि वे जनता के भरोसे पर खरा उतरने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को पूरा करना अपनी पहली प्राथमिकता बताया। पासवान ने विशेष रूप से बटेश्वर स्थान से लेकर बाखरपुर तक गंगा कटाव की गंभीर समस्या का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में हर साल गंगा नदी के भीषण कटाव के कारण लोगों के घर, खेत और उपजाऊ जमीन नदी में समा जाती है, जिससे हजारों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। मुरारी पासवान ने कहा कि वे सबसे पहले इस मुद्दे को विधानसभा में मजबूती से उठाएंगे और कटाव रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करेंगे।

नवनिर्वाचित विधायक बोले- कटाव रोधी कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगाः उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही क्षेत्र में कटाव-रोधी कार्य शुरू कराया जाएगा। साथ ही, रिंग बांध के निर्माण के लिए भी सरकारी स्तर पर पहल की जाएगी, ताकि कटाव की समस्या से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि रिंग बांध बनने से बटेश्वर स्थान, बाखरपुर और आसपास के कई गांवों के लोगों को सुरक्षित भविष्य मिलेगा और उनकी खेती योग्य जमीन भी बचाई जा सकेगी। अपनी जीत पर खुशी जताते हुए मुरारी पासवान ने भाजपा नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और पीरपैंती की जनता का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें जो समर्थन दिया है, वह उनके लिए सम्मान की बात है, और वे हर हाल में इस भरोसे को निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अब काम करने का समय है और वे क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे। मुरारी पासवान ने यह भी कहा कि वे पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और हर समुदाय के लोगों तक पहुँचकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे। वे समाधान के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे, ताकि क्षेत्र को विकास की नई दिशा मिल सके।

रानीगंज राजद कार्यालय में नवनिर्वाचित विधायक का अभिनंदन

निज संवाददाता। अररिया

जिला के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के उम्मीदवार अविनाश मंगलम के ऐतिहासिक जीत पर राजद कार्यालय में शनिवार को राजद की ओर से एक समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। राजद जिलाध्यक्ष मंडल अविनाश आनंद ने नव निर्वाचित विधायक अविनाश मंगलम को फूल का माला पहना एवं मिठाई खिलाकर उन्हें जीत की बधाई दी।राजद जिलाध्यक्ष ने रानीगंज के जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त किया कि नव निर्वाचित राजद विधायक अविनाश मंगलम आमजनों के भरोसे पर खड़े उतरेंगे। नव निर्वाचित विधायक अविनाश मंगलम ने रानीगंज की जनता की ओर से मिले भरोसा पर खड़ा उतरने का भरोसा दिलाया और सच्चे सेवक के रूप में क्षेत्र के विकास में सकारात्मक सहयोग और भागीदार बनने की बात कही। राजद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष चंदन सिंह यादव ,जिला प्रधान महासचिव रामनारायण विश्वास,प्रखंड प्रधान महासचिव सरोज कुमार मेहता सहित काफी संख्या में राजद समर्थक मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सेल टैक्स ऑफिस के बिल्डिंग में लगी आग

भागलपुर। भागलपुर के सेल टैक्स ऑफिस में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहे लोगों ने बिल्डिंग से धुआं निकलते देखा। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया ऑफिस के अंदर रखे कंप्यूटर, फाइलें, महत्वपूर्ण दस्तावेज, टेबल, कुर्सियां और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर राख हो गए। हालांकि, सुबह का समय होने और ऑफिस बंद होने के कारण कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। सरकारी दस्तावेजों का नुकसान बड़ा माना जा रहा है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः अनुमंडल पदाधिकारी नागेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची थी। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि जांच के बाद ही सही कारणों की पुष्टि हो पाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर ऑफिस खुलने के बाद आग लगती, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। इस घटना ने एक बार फिर सरकारी भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लाईफ सेवियर परिवार को मिला माँ वैष्णो देवी सेवा सम्मान

अररिया। माँ वैष्णो देवी सेवा समिति एवं माँ ब्लड सेन्टर द्वारा पटना की धरती पर अररिया जिला में थैलेसीमिया पिडित बच्चों को हर पन्द्रह दिनो के अंतराल में ब्लड देकर जिन्दगी बचाने वाली संस्था लाईफ सेवियर फाउंडेशन बिहार के परिवार को माँ वैष्णो देवी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। पटना में जहां थैलेसीमिया पीडित बच्चों को इस रोग से मुक्त करने के लिये माँ वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा एचएलए कैंप लगया गया,जिसकी जांच के लिए के जर्मनी और सीएमसी वैल्लोर के चिकित्सकों की टीम आई हुई थी। कैम्प में सात सौ बच्चों का जांच किया गया।जिला सहित आसपास के थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त देकर जान बचाने को कार्यरत संस्था को मिले इस सम्मान से संस्था के सदस्य उत्साहित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। संस्था के सदस्य विजय प्रकाश, रजत रंजन आदित्य भगत,लक्ष्मी रंजन, डिम्पल साह, संतोषी भगत, संजय तालुकदार, राजा सरकार, सुजीत सिंह, सुजीत झा, रितेश राणा, पवन साह, आदित्य सिंह, ललन कुमार,राजा दास,कर्नल दास आदि ने सम्मान पर खुशी जाहिर की। डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह संस्था नही बच्चों के लिए वरदान है।वही डॉ अतहर ने संस्था को सम्मान पर बधाई देते हुए मानवीय सेवा की दिशा में किए जा रहे कार्य पर खुशी जाहिर करते हुए संस्था को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

कुतलुपुर में सुबह से गंगा का कटाव शुरू

मुंगेर। मुंगेर के सदर प्रखंड स्थित कुतलूपुर पंचायत के वार्ड संख्या 6 में शनिवार सुबह से गंगा नदी में भीषण कटाव शुरू हो गया है। तेज बहाव के कारण कटाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीण चिंतित हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गंगा का पानी घटने के बाद लगभग 100 एकड़ खेत में चना, गेहूं और अन्य रबी फसलें लगाई गई थीं। हालांकि, तेज कटाव के कारण ये फसल लगे खेत भी गंगा में समा गए हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

कटाव से 15 घरों पर खतराः वर्तमान में, लगभग 15 घर कटाव की चपेट में आ रहे हैं और कभी भी गंगा में विलीन हो सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी इस क्षेत्र में 6 से अधिक घर गंगा में समा चुके हैं। कटाव के खतरे को देखते हुए ग्रामीण अपने घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मौखिक रूप से फोन पर जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी है और कटाव का एक वीडियो भी सामने आया है।

कटाव से गंगा में समा जाएगा पूरा टोलाः ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले भी अपने गांव को बचाने के लिए जिला प्रशासन को आवेदन दिए थे, लेकिन बाढ़ के कारण कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका। अब वे प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि उनके गांव को कटाव से बचाया जाए, अन्यथा कुतलूपुर पंचायत का यह टोला पूरी तरह गंगा में समा जाएगा।

पूर्व के बकाए संपत्ति की वसूली को लेकर प्रशासन का माफी योजना

अररिया। फारबिसगंज नगर परिषद प्रशासन ने नगर परिषद क्षेत्र में बकाए संपत्ति कर की वसूली को लेकर अनोखी माफी योजना को शुरू किया है।ताकि राजस्व वसूली को साथ आम नागरिकों को भी राहत मिल सके। नगर परिषद की मुख्य पार्षद वीणा देवी ने बताया कि इस योजना के तहत संपत्ति कर पर लगाए गए सभी पूर्व के ब्याज एवं दंड माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने बकायेदारों से अपील की कि पूर्व का बकाया संपत्ति कर तथा चालू वर्ष का संपत्ति कर निर्धारित तिथि 30 मार्च 2026 तक अवश्य जमा करें।उन्होंने कहा कि यह अवसर प्राप्त कर सभी बकाया कर बिना किसी अतिरिक्त ब्याज या दंड के जमा किया जा सकता है। उन्होंने शहरी क्षेत्र में विकास एवं राजस्व वसूली को लेकर आमजनों से अपेक्षित सहयोग की आशा जताई।

कैनवस फ्री इंटरनेशनल स्कूल में मना बाल दिवस

भागलपुर| जीरोमाइल स्थित कैनवस फ्री इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस मनाया गया। स्कूल के सभी बच्चे रंग-बिरंगे पोशाक में स्कूल पहुंचे थे। सभी बच्चों ने हेलोवीन पार्टी का आयोजन किया था। इस अवसर पर बच्चे भूत, पिशाच व बैटमैन की पोशाक पहनकर कार्यक्रम में नजर आए। इसके बाद स्कूल के सभी बच्चों एवं अभिभावकों के द्वारा केक काटा गया। साथ ही साथ मिठाई एवं स्नैक्स का भी वितरण हुआ। मौके पर स्कूल की निदेशक श्रद्धा साबु ने इस अवसर पर सभी भाग लेने वाले बच्चे को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं।

निर्दलीय गोपाल और वीआईपी की जंग में जदयू को फायदा, बुलो मंडल जीते

भागलपुर। गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा, जहां मंडल बनाम मंडल की सीधी टक्कर ने पूरे जिले की राजनीतिक हवा को गर्म रखा। गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने वीआईपी उम्मीदवार प्रेम सागर उर्फ डब्ल्यू यादव को 58,135 वोटों के भारी अंतर से पराजित किया। शैलेश कुमार को कुल 1,08,630 मत मिले जबकि प्रेम सागर को 50,495 मत प्राप्त हुए। इस सीट से लगातार चार बार विधायक रहे और जदयू से टिकट कटने के बाद निर्दलीय में चुनाव लड़े उर्फ गोपाल मंडल को मात्र 12,686 वोट मिले। कुल 24 राउंड तक चले मतगणना में शैलेश कुमार शुरुआत से ही बढ़त बनाए रहे और अंतिम राउंड तक उनका दबदबा कायम रहा। बता दें कि गोपालपुर विधानसभा सीट से 10 प्रत्याशी मैदान में थे जिनमें से दो उम्मीदवारों को एक हजार वोट भी नहीं मिल सके। इस बार गोपालपुर से जदयू ने गोपाल मंडल की जगह बुलो मंडल पर विश्वास जताया और उम्मीदवार बनाया। गोपाल मंडल ने पार्टी के इस निर्णय से नाराज होकर बागी हो गए और निर्दलीय चुनाव लड़ा। इससे जदयू की सेहत पर फर्क नहीं पड़ा और बुलो मंडल ने जीत दर्ज कर वापसी की। 2020 में वे इस सीट पर गोपाल मंडल से हार गए थे। इस बार गोपाल मंडल तीसरे स्थान पर रहे। वीआईपी प्रत्याशी प्रेमसागर उर्फ डबलू यादव दूसरे स्थान पर रहे।

हैट्रिक हार के बाद 11 साल बाद भागलपुर में भाजपा की वापसी

भागलपुर| 11 साल बाद भाजपा भागलपुर में लौटी है। 2014 के उपचुनाव में हुई हार के बाद से लेकर अबतक तीन चुनाव भाजपा हार चुकी थी। इसे लेकर भाजपा के सांगठनिक स्तर पर लगातार कमियां उजागर होतीं रहीं। 1995 में अश्विनी चौबे की एंट्री भागलपुर विधानसभा में हुई थी। इसके बाद से लगातार यह सीट भाजपा जीतती रही और वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में चौबे को बक्सर से मौका मिला तो यह सीट खाली हो गयी। उपचुनाव से शुरू हुई हार लगातार तीन टर्म तक मिलती रही। वजह भी हर बार खुलकर सबके सामने आती रही, आपसी विवाद और गुटबाजी। इस बार भी गुटबाजी व विवाद सामने आया, लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने समय रहते डैमेज कंट्रोल कर लिया।

ट्रक ने बाइक सवार चिकित्सक को मारी टक्कर , चिकित्सक हुए जख्मी

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज जोगबनी मुख्य मार्ग में बथनाहा टोल प्लाजा के पास शनिवार को अचानक ट्रक ने घूमते हुए पीछे से आ रहे बाइक सवार चिकित्सक डॉ सौम्या सिद्धार्थ को ठोकर मार दी,जिससे चिकित्सक बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद ट्रक को लेकर चालक ने भागने की कोशिश की,लेकिन स्थानीय लोगों ने पीछा करते हुए ट्रक को पकड़ लिया।सड़क हादसे में बुरी तरह घायल चिकित्सक को स्थानीय लोगों ने उठते हुए फारबिसगंज रेफरल रोड स्थित ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ सुमित केशरी के क्लिनिक में भर्ती कराया।घायल चिकित्सक डॉ सौम्या सिद्धार्थ का पैर बुरी तरह जख्मी हो गया।जहां चिकित्सक के द्वारा कच्चा प्लास्टर किया गया है।वहीं सर और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई है। ट्रक वजन नापने के लिए वे ब्रिज की ओर अचानक मुड़ने के कारण हादसा हुआ।घायल चिकित्सक डॉ सौम्या सिद्धार्थ को संदीप कुमार ठाकुर,अभय कुमार, अशोक ठाकुर, रंजय सिंह,मृणाल शेखर,महावीर प्रसाद, मुन्ना कुमार, सुरेन्द्र बहरदार आदि ने निजी चिकित्सक के क्लिनिक में इलाज करवाया।

दिल्ली ब्लास्ट में बेगूसराय के व्यवसायी की मौतें

निज संवाददाता। बेगूसराय

♦ आर्टिफिशियल ज्वेलरी खरीदने गए थे, परिजन बोले- दो दिन बाद पता चला वो भी धमाके में घायल ह

दिल्ली के लालकिले के पास 10 नवंबर की शाम हुए ब्लास्ट में बेगूसराय के भी एक व्यक्ति की मौत हुई है। शुक्रवार की रात पोस्टमॉर्टम के बाद शव लाया जा रहा है। मृतक की पहचान बेगूसराय के पोखरिया मोहल्ला के रहने वाले मोहम्मद लुकमान के रूप में की गई है। लुकमान मूल रूप से खगड़िया के रहने वाले थे। यहां वे लंबे समय से किराए के मकान में पोखरिया में रहते थे और कचहरी रोड में आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान चलाते थे। ज्वेलरी लाने के लिए ही दिल्ली गए थे, जहां बम ब्लास्ट के शिकार हो गए।

7 नवंबर को सामान लाने दिल्ली गए थेः मृतक के रिश्तेदार मोहम्मद सोनू ने बताया कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी की खरीदारी करने 7 नवंबर को दिल्ली गए थे। 10 नवंबर को चांदनी चौक मार्केट के आसपास सामान खरीदा और सामान पैकिंग करके वहीं छोड़ दिया और खाना खाने के लिए निकल गए। इसी दौरान बम ब्लास्ट की चपेट में आ गए।

12 नवंबर को घटना की मिली जनकारीः सोनू ने बताया कि, 12 नवंबर को उनके नंबर पर कॉल किया तो दूसरे किसी व्यक्ति से बात हुई। उसने बताया कि जिनका यह मोबाइल है, वह हादसे का शिकार हो गए हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। फिर हम लोगों ने दिल्ली में रहने वाले रिश्तेदारों से संपर्क किया और खोजबीन शुरू की। 13 नवंबर को हॉस्पिटल से उनका शव मिला। पोस्टमॉर्टम और कागजी प्रक्रिया के बाद शुक्रवार की रात शव मिला। इसके बाद बेगूसराय के लिए रवाना हुए हैं।

समस्तीपुर के 22 साल के कैब ड्राइवर की भी ब्लास्ट में हुई थी मौतः दिल्ली ब्लास्ट में मारे गए 12 लोगों में बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले पंकज सहनी (22) भी शामिल थे। पंकज समस्तीपुर के खानपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर का निवासी था। उनके पिता रामबालक सहनी ने बताया कि, पंकज दिल्ली में कैब सर्विस में ड्राइवर था। जिस वक्त दिल्ली में ब्लास्ट हुआ पंकज किसी बुकिंग पर जा रहा था। कार में वो अकेले ही था। हालांकि, शुरुआत में खबर आई थी कि कार से वह रेलवे स्टेशन किसी रिश्तेदार को छोड़ने जा रहा था।

3 भाइयों में दूसरे नंबर पर था पंकजः पंकज 3 भाइयों में दूसरे नंबर पर था, तीन छोटी बहनें भी हैं पंकज की बम धमाके में मौत की सूचना के बाद मंगलवार सुबह उसके घर पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी थी। पंकज के चाचा और अन्य पुरुष सदस्य घटना की सूचना के बाद सुबह ही दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। घर पर पंकज की चाची और चचेरे दादा के अलावा अन्य लोग मिले। उन्होंने बताया कि पंकज के पिता रामबालक सहनी भी कैब ड्राइवर हैं। पंकज तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

रोड एक्सीडेंट में घायल की मौत

♦ सिलीगुड़ी में इलाज के समय गई जान, सुबह टहलने समय मिनी पिकअप ने मारी थी टक्कर

निज संवाददाता। बांका

बांका के बेलहर थाना क्षेत्र के मथुरा गांव निवासी रघुनंदन साह (30) की सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के 4 दिन बाद सिलीगुड़ी के श्रीराम हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही मृतक के घर में मातम छा गया। शनिवार को जैसे ही उनका शव मथुरा गांव पहुंचा, पत्नी नेहा कुमारी, पिता मटरू साह, मां मीना देवी, भाई सदानंद साह सहित पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। गांव की महिलाओं और परिजनों द्वारा उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की गई, लेकिन शोक का माहौल इतना गहरा था कि लगातार चीख-पुकार गूंजती रही। परिजनों के अनुसार, रघुनंदन साह 8 नवंबर की सुबह प्रतिदिन की तरह टहलने निकले थे और बदुआ नदी पुल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बेलहर की दिशा से साहबगंज की ओर जा रही एक मिनी पिकअप गाड़ी ने पुल के पश्चिमी छोर पर उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वे मौके पर ही गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घटना की सूचना परिजनों को दी।

सिलीगुड़ी के श्रीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया: परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलहर ले गए, जहां से स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल बांका रेफर कर दिया। बांका से भी बेहतर इलाज के लिए उन्हें भागलपुर भेजने की सलाह दी गई, लेकिन परिवार ने स्थिति गंभीर देख उन्हें सिलीगुड़ी के श्रीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया। कई दिनों तक चले इलाज के बावजूद शुक्रवार को रघुनंदन की मौत हो गई।

अब मेरा और इस बच्चे का सहारा कौन होगा? - पत्नी नेहा कुमारीः मृतक मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था और दो भाइयों में सबसे बड़ा था। उनके घर में 15 दिन का नवजात बेटा रुद्रांश है। मासूम को गोद में लेकर पत्नी नेहा कुमारी बार-बार यही कहकर फफक पड़ती थी "अब मेरा और इस बच्चे का सहारा कौन होगा?" परिजनों के अनुसार, दुर्घटना ने पूरे परिवार का सहारा छीन लिया है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मथुरा गांव पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमॉर्टम के लिए बांका भेज दिया। गांव में शोक की लहर है और लोग परिवार को सांत्वना देने में जुटे हैं।

मजदूरों से भरी नाव गंगा में पलटी

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ 7 महिलाओं को सुरक्षित निकाला बाहर, 2 की हालत गंभीर, धान की कटाई के लिए दियारा जा रहे थ

भागलपुर जिले में शनिवार को गंगा में नाव डूब गई। नाव पर 9 महिलाएं सवार थी। 7 महिलाएं सुरक्षित हैं, जबकि 2 की हालत गंभीर है। घटना अकबरनगर थाना क्षेत्र के कसमाबाद दियारा की है। जानकारी के मुताबिक नाव पर सवार होकर सभी महिलाएं धान काटने के लिए जा रही थीं। कुछ दूरी पर नाव पलट गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत गंगा में छलांग लगा दी। बचाव अभियान शुरू किया। 7 को सुरक्षित बाहर निकाला। जबकि 2 महिलाएं बेहोशी की हालत में मिली।

ग्रामीणों ने बचायाः हादसे के समय नाव पर सवार सबिता देवी ने बताया ने कि सभी महिला रोज की तरह सुबह दियारा इलाके में खेती करने के लिए जा रहे थे। नाव जैसे ही गंगा के बीच हिस्से में पहुंची, तेज हवा और असंतुलन के कारण अचानक पलट गई। हादसे के तुरंत बाद नाविक किसी तरह किनारे पहुंचा। इसके बाद फरार हो गया। ग्रामीणों की मदद से जान बची।

रोक लगाने की मांगः मामले की जानकारी मिलते ही अकबरनगर पुलिस गांव पहुंचे। ग्रामीणों से पूरी जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने नदी में संचालित अवैध और बिना सुरक्षा उपकरण वाली नावों पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि दियारा क्षेत्र में मजदूरी के लिए रोजाना दर्जनों लोग नाव से जाते हैं, लेकिन कोई सुरक्षा नहीं है।

नावकोठी में भूमि विवादों के निपटारे के लिए जनता दरबार

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय जिले के नावकोठी अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य अंचल क्षेत्र के विभिन्न राजस्व ग्रामों में उत्पन्न भूमि विवादों का निपटारा करना था। इस दौरान दो नए मामले सुनवाई के लिए दर्ज किए गए, जबकि पूर्व से लंबित दो मामलों का निष्पादन किया गया। दर्ज किए गए नए मामलों में हसनपुर बागर के रामदेव सहनी और हीरा लाल सहनी के बीच तथा समसा की लाल परी देवी और ब्रह्मदेव महतो के बीच जबरन जमीन जोतने से संबंधित विवाद शामिल हैं।

14 लंबित मामलों पर अगली तारीख को सुनवाईः जनता दरबार में अब कुल 14 मामले लंबित हैं। वृंदावन के अमरेश कुमार व राजा रामेश्वर सिंह, पहसारा के रमेश सहनी व नरेश सहनी, महेशवाड़ा के द्रोपदी ठाकुर व राजकुमार मिश्र, समसा के ज्योति देवी व अर्जुन साह, हसनपुर बागर के विपत महतो व सकल महतो आदि मामलों की सुनवाई की गई और अगली तारीख निर्धारित की गई।

एनडीए का क्लीन स्वीप, सभी 5 सीटों पर जीत

निज संवाददाता

बांका। बिहार विधानसभा चुनाव में बांका जिला इस बार एनडीए के नाम रहा।राजद के पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले बांका में NDA ने इतिहास रचते हुए पांचों विधानसभा सीट बांका, अमरपुर, धोरैया, बेलहर और कटोरिया पर शानदार जीत दर्ज की। जिले में राजद अपना कोई भी सीट बचाने में नाकाम रहा। NDA के जीते सभी प्रत्याशियों ने यह जीत जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बताया। महिलाओं की इस जीत में बड़ी भूमिका रही इस बार। जश्न का माहौल जीतने के बाद लगातार जारी है। सबसे चर्चित बांका विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री राम नारायण मंडल ने 95,588 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की।उन्होंने भाकपा प्रत्याशी संजय कुमार को 23,764 मतों से हराया। संजय कुमार को कुल 71,824 मत मिले। इसी तरह अमरपुर विधानसभा क्षेत्र में जदयू प्रत्याशी एवं भवन निर्माण मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने 1,03,797 मत पाकर कांग्रेस के जितेन्द्र सिंह को 33,208 मतों से पराजित किया। जितेन्द्र सिंह को 70,589 वोट मिले।

साहिबगंज एवं दानापुर के बीच स्पेशल ट्रेन और तीन रविवार को चलेगी

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, 03236/03235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर स्पेशल ट्रेन (साप्ताहिक) की आवाजाही 13236/13235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर एक्सप्रेस की समय-सूची, ठहराव एवं गठन के अनुसार नीचे उल्लेखित रविवार के दिनों जारी रहेगी। आवाजाही की विस्तारित तिथियां एवं दिन : 03236 दानापुर से दिनांक 16.11, 23.11 एवं 30.11.2025 (रविवार) = 3 ट्रिप एवं 03235 साहिबगंज से दिनांक 16.11, 23.11 एवं 30.11.2025 (रविवार) = 3 ट्रिप।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई. निविदा सूचना संख्या : पूमरे–मुप्रअ–आरजीडी–ई.टी.ई.एन.–03–25–26.

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. ई. निविदा सं. : पूमरे–मुप्रअ–आरजीडी–ई.टी.ई.एन.–03–25–26 (दो पैकेट प्रणाली) | 2. कार्य का नाम : सरसूऔर ओरो स्टेशन के बीच किमी 33.087 पर ढाढर नदी पर नए वृहत पुल संख्या 47 (18x18.3 मीटर कम्पोजिट गर्डर) का निर्माण एवं राजगीर–तिलैया खंड में मौजूदा ट्रैक को जोड़ने के लिए वृहत पुल के दोनों पहुंच मार्गों पर छोटे पुल, आरयूबी, रिटेनिंग वॉल का निर्माण एवं मिट्टी भराई, ब्लैकेटिंग और ट्रैक लिंकिंग कार्य | 3. अंकलित मूल्य (रू) : ₹78,18,39,188.46, 4. बेली प्रतिभूति (रू) : ₹4059200.00, 5. कार्य पूर्ण करने की अवधि : 15 माह | 6. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय 03.12.2025, 12:30 बजे |

ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो | ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा | उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित ही संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है | द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा | प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा की बोली प्रारंभ तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें |

उपमुख्य अभियंता/निर्माण/
पूमरे/राजगीर
पीआर/1290/आरजीडी/निर्माण/टी/25–26/48

संक्षिप्त समाचार

जदयू कार्यालय में मना विजयोत्सव

आरा। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर जनता दल यूनाइटेड कार्यालय महानगर आरा में विजय उत्सव मनाया गया। जिलाध्यक्ष महानगर जदयू, जयप्रकाश चौधरी के साथ महानगर जदयू की सभी प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रीमा देवी, ब्रजेश राय, रविन्द्र चौधरी, प्रवक्ता देवीदयाल राम, महासचिव श्रीमती राधा सिंह, सचिव श्रीमती प्रेमा देवी कुशवाहा, प्रभा देवी, सेक्टर अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ राय, राजेश कुमार बिन्द, संदीप पाण्डेय, सुधीर कुमार सिंह, विजय मिश्रा, श्याम कुमार सिंह, जीतेंद्र चन्द्रवंशी, सियाराम मिश्रा, अवध बिहारी शर्मा आदि लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाई और मिठाइयां बांटी गई।

एनडीए की प्रचंड जीत से सभी में खुशी :कुंवर सेना

आरा। कुंअर सेना के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक (बड़हरा) आशा देवी एवं ऋषभ राज ने एनडीए के सभी सीटों पर प्रचंड जीत पर शाहाबाद के सभी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों बधाई दिया है। अध्यक्ष ने कहा कुंअर सेना एनडीए के साथ है, यह जनादेश विकास के लिए है। कार्यकर्ताओं ने भी तन-मन से कार्य किया जिसका परिणाम सामने है।

अज्ञात वाहन के ठोकर से एक मजदूर घायल

आरा| बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता के पास गुरुवार की रात अज्ञात वाहन से ठोकर लगने के कारण एक मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी उमेश बिंद है। वह मूल रूप से धोबहा थाना क्षेत्र के अगरसंडा गांव के निवासी बृज बिंद का पुत्र है। उमेश बिंद वर्तमान में गांव छोड़कर बिहिया में रहता है और मजदूरी करता है। गुरुवार की रात उमेश बिंद मजदूरी का घर जा रहा था उसी क्रम में अज्ञात वाहन में ठोकर मार दिया। जिससे घायल उमेश के दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

अगिआंव में उठा पटक के बीच खिला कमल, 95 वोट से

गड़हनी| अगिआंव विधानसभा में उठा पटक के बीच भाजपा का कमल खिल गया है। भाजपा ने कोईलवर प्रखंड से नए प्रत्याशी महेश पासवान को चुनाव मैदान में उतारा कर बाजी खेला था और अंत में भाजपा ने 95 वोट से बाजी मार लिया। गड़हनी में भाजपा के महेश पासवान के जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाना शुरू कर दिया है। कार्यकर्ताओं ने जनता को मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दे रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगिआंव की जीत एनडीए की विलास की जीत है और भाकपा माले का घमंड की हार हुई है। साथ ही कहा कि भाकपा माले सिर्फ अगड़ा पिछड़ा का राजनीत करता है। विकास का नाम ही नहीं जानता है। बता दे कि अगिआंव में आजतक कोई प्रत्याशी दुबारा नहीं जीता।

महागठबंधन का सुपड़ा साफ

आरा। आरा बिहार विधानसभा- 2025 का चुनाव परिणाम भोजपुर जिले में अप्रत्याशित रहा। एनडीए की आंधी में सभी सात सीटों पर महागठबंधन का सुपड़ा साफ हो गया। जिले के सातों विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत हुई। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव में भाकपा माले से सांसद सुदामा प्रसाद के निर्वाचित होने के बाद तरारी में उपचुनाव और 2025 के चुनाव में भी तरारी व अगिआंव सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में पार्टी सीट नहीं बचा पाई। इस चुनाव में भाकपा माले अगिआंव विधानसभा की अपनी इकलौती सीट भी हार गई। राजद का किला संदेश क्षेत्र शाहपुर क्षेत्र और जगदीशपुर भी ढह गया। भोजपुर जिले की जनता ने इंडिया गठबंधन के सभी प्रत्याशियों को नकार दिया। चुनाव का यह परिणाम आरा के बाजार समिति में मतगणना के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय ने जारी किया। संदेश विधानसभा एवं अगिआंव विधानसभा का मुकाबला काफी टक्कर का रहा। दोनों विधानसभा की रि-काउंटिंग करानी पड़ी। संदेश विधानसभा से जदयू के प्रत्याशी राधाचरण साह केवल 27 वोट से चुनाव जीते। उन्होंने विधायक किरण देवी और पूर्व विधायक अरुण कुमार सिंह उर्फ अरुण यादव के पुत्र राजद प्रत्याशी दीपू सिंह को हरा दिया। राधाचरण साह को 80598 वोट मिले। दीपू सिंह यादव को 80571 वोट मिला। भाकपा माले की सबसे सुरक्षित सीट अगिआंव विधानसभा में भाजपा के प्रत्याशी महेश पासवान ने भगवा लहराया। इन्होंने ने भाकपा माले के प्रत्याशी शिव प्रकाश रंजन को 95 वोट से हराया। महेश पासवान को 69412 वोट मिले। शिव प्रकाश रंजन को 69317 वोट मिले। आरा सदर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी संजय सिंह 19581 मतों से विजयी हुए। उन्होंने भाकपा माले के प्रत्याशी कयामुद्दीन अंसारी को हराया। संजय सिंह टाइगर को 94201 वोट मिले। बड़हरा में भाजपा प्रत्याशी राघवेंद्र प्रताप सिंह 14403 वोट से विजयी हुए। उन्होंने राजद के प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह को हराया। राघवेंद्र प्रताप सिंह को 79593 वोट मिले। अशोक कुमार सिंह को 65190 वोट मिले।

चुनाव परिणाम से लोकतंत्र को मिला बलः जनसंघ

आरा। अखिल भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य डा. भारतभूषण पाण्डेय ने बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि मतदाताओं को प्रौढ़ और परिपक्व लोकतंत्र का प्रदर्शन किया है। कहा कि विपक्षी दल नकारात्मक और समाज-विरोधी अराजकता का वातावरण बना रहे थे जिसे जनता ने पूरी तरह नकार दिया। बिहार की पहचान बीच में बिगाड़ने की कुचेष्टा करनेवाले दलों को किनारे कर मतदाताओं ने स्पष्ट जनादेश की सरकार को चुना है जो राष्ट्रवाद, विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के लिए समर्पित रहे। जनसंघ अध्यक्ष ने कहा कि समस्त समीकरणों और आशंकाओं को धता बताते हुए मजबूत सरकार को चुनना लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाला कदम है।

तीन विस क्षेत्र में चौथे स्थान पर जनसुराज

बक्सर| बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ रहा है जनसुराज पार्टी को खाता नहीं खुल सका। बक्सर जिले के सभी चार विधानसभा सीटों पर जनसुराज का असर देखने को नहीं मिला। ऐसा लग रहा था कि कई उम्मीदवारों का खेल खराब कर सकते हैं, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। बताते चलें कि ब्रह्मपुर विधानसभा से पहले ही जनसुराज के उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। वहीं डुमरांव विधानसभा में जनसुराज के उम्मीदवार शिवांग विजय सिंह 5162 मत प्राप्त हुए। जो चौथे स्थान पर रहे। राजपुर से जनसुराज उम्मीदवार धनंजय पासवान 12351 मत लाकर चौथे स्थान पर रहे। बक्सर से जनसुराज उम्मीदवार तथागत हर्षवर्धन को 7920 मत प्राप्त कर चौथे स्थान पर रहे।

महुआर के मल्लाह टोला में बना आरोग्य दिवस

ब्रह्मपुर| स्वस्थ माता, स्वस्थ बालक कार्यक्रम डेनोन के सहयोग से ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत महुआर के मल्लाह टोला में आरोग्य दिवस मनाया गया। एएनएम विभा कुमारी सिन्हा ने गर्भवती महिलाओं के पेट, खून, शुगर, बीपी, ऊंचाई और वजन की जांच की। खानपान को लेकर जरूरी सलाह दी। बच्चों को टीके लगाए गए। डीएफवाई के अंजनी मिश्रा ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के माता-पिता को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी जानकारी दी। आरोग्य दिवस में शामिल स्वास्थ्यकर्मी एएनएम विभा कुमारी सिन्हा, आशा फैसिलिटेटर अंशु तिवारी, आशा निमा कुमारी और गांव के लोग मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होते है मनी होली

बक्सर। आंबेडकर चौक पर चुनाव का नतीजा जानने के लिए सुबह नौ बजे से ही विभिन्न दलों के कार्यकर्ता और समर्थकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। दिन चढ़ने के साथ चौक पर भीड़ बढ़ने लगी। हर राउंड के बाद किस प्रत्याशी को कितना वोट मिला, उसकी घोषणा लाउडस्पीकर से की जा रही थी। जैसे-जैसे मतों का रुझान आ रहा था, कार्यकर्ता और समर्थकों का उत्साह देखते बन रहा था। राजपुर के जेडीयू प्रत्याशी संतोष कुमार निराला, बक्सर के बीजेपी प्रत्याशी आनंद मिश्रा व डुमरांव के जेडीयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह की जीत की घोषणा होते ही खुशी से कार्यकर्ता और समर्थक झूम उठे। जय श्रीराम और भगवान के जयघोष और ढोल-ताशा की आवाज से आंबेडकर चौक गूंज उठा। समर्थकों ने पटाखा फोड़ कर जीत का जश्न मनाया।

मनपा पुल के पास नहर से अधेड़ का शव बरामद

निज संवाददाता। बक्सर

- बॉडी पर हल्की चोटों के निशान मिले, बेटे के लिए लड़की देखने गया था

बक्सर में मुरार थाना क्षेत्र के मनपा पुल के पास नहर से एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शनिवार सुबह खेतों की ओर जा रहे किसानों ने शव को पानी में तैरते देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान भोजपुर के अगियांव गांव निवासी एतवारु मुसहर के रूप में की। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि एतवारु मुसहर की मौत पुल से नहर में गिरने के कारण हुई होगी। शव पर हल्की चोटों के निशान मिले हैं, जो गिरने के दौरान लगने की संभावना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात के समय पुल के पास काफी अंधेरा रहता है, जिससे राहगीरों को सावधानी बरतनी पड़ती है।

2 दिन पहले बिहिया में एक लड़की देखने गया थाः मृतक के बेटे सुनील ने मौके पर पहुंचकर बताया कि उनके पिता 2 दिन पहले बिहिया में एक लड़की देखने गए थे। वहां से वे रात में ही निकल पड़े थे। सुनील ने आशंका जताई कि देर रात मुख्य सड़क पर वाहन न मिलने के कारण वे पैदल ही गांव की ओर लौट रहे होंगे। पुल के पास अंधेरा और खराब दृश्यता के कारण वे संभवतः नहर के पानी से भरे गड्ढे में गिर गए, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गयाः मुरार थाना प्रभारी नेहा कुमारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, जिससे मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुल के आसपास स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने मामले की गहन जांच का आश्वासन दिया है।

पंचकोसी परिक्रमा में लिट्टी-चोखा का लगा भोग

निज संवाददाता। बक्सर

पंचकोसी परिक्रमा यात्रा के अंतिम पड़ाव पर लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने के बाद सैकड़ों की संख्या में साधु-संत स्टेशन रोड स्थित बसांव मठ विश्राम कुंड पर रात्रि विश्राम किये। यहां रात्रि विश्राम के लिए आए साधु-संतों की टोली को बसांव पीठाधीश्वर श्री अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने सत्कार के बाद शुक्रवार को विधि पूर्वक विदाई की। उन्होंने संतों को कढ़ी, चावल आदि का भोजन कराने के बाद विदाई दी। बसांव मठ के पीठाधीश्वर श्री अच्युत प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कहा कि ऐसी मान्यता है कि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने महर्षि विश्वामित्र के साथ पंचकोसी यात्रा की थी। अंतिम पड़ाव बक्सर में लिट्टी-चोखा का भोग लगाने के बाद विश्राम कुंड पर रात्रि विश्राम कर सुबह में महर्षि विश्वामित्र के साथ प्रभु श्रीराम व अनुज लक्ष्मण जी जनकपुर के लिए प्रस्थान किये थे। तब से यह परंपरा चली आ रही है। पंचकोसी परिक्रमा समिति के सचिव डॉ. रामनाथ ओझा ने बताया कि इस अवसर पर हजारों की संख्या में देर रात को ही विश्राम स्थल पर साधु-संत पहुंच गए थे। जिन्हें उचित सम्मान देते हुए सबको विदाई दी गई। उन्होंने बताया कि इस बार पंचकोसी परिक्रमा यात्रा में प्रशासन का सराहनीय सहयोग मिला है। इसके चलते श्रद्धालुओं को पांचों पड़ाव पर किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। साधु-संतों के विदाई के मौके पर इस मौके पर सुदर्शनाचार्य जी महाराज उर्फ भोला बाबा के अलावा बसांव मठ के साधु-संत व शहर के अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

ट्रेनों के ठहराव व सुविधाओं के लिए होगा आंदोलन

निज संवाददाता। बक्सर

रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और यात्री सुविधाओं की कमी के मुद्दे पर रेल यात्री कल्याण समिति लोकतांत्रिक विरोध की तैयारी में है। समिति के सदस्यों ने बताया कि वे अपनी प्रमुख मांगों को लेकर वरीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे और यदि मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो चरणबद्ध धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। आंदोलन की तिथि समिति जल्द घोषित करेगी। समिति के सदस्यों में विक्रम सिंह सिसोदिया, नागेंद्र मोहन सिंह, चन्द्रशेखर पाठक, सोनू दुबे, मनीष भारद्वाज, मदन जायसवाल, संदीप राय, तारकेश्वर पाठक, मुर्तुजा अंसारी, इमरान अंसारी सहित अन्य ने बताया कि रघुनाथपुर स्टेशन पर लंबे समय से एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से हजारों यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। समिति का कहना है कि प्रशासन को बार-बार अवगत कराने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है, इसलिए अब उनके पास आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि इसके पहले भी 15 सितंबर को ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया था।

विधानसभा सीट से बीजेपी के आनंद मिश्रा की जीत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर की चारों विधानसभा सीटों ब्रह्मपुर, बक्सर, डुमरांव और राजपुर (अनुसूचित जाति) के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। बाजार समिति परिसर स्थित मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा, त्रिस्तरीय निगरानी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के बीच शांतिपूर्ण वातावरण में मतगणना संपन्न हुई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी श्री विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री शुभम आर्य की देखरेख में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित रही। किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

शंभूनाथ यादव तीसरी बार जीतेः 199–ब्रह्मपुर विधानसभा सीट से राजद के शंभूनाथ यादव ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने 95,828 मत हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी लोजपा (रामविलास) के हुलास पांडे को 92,608 वोट मिले। जीत का अंतर 3,220 मतों का रहा। लगातार तीसरी बार जनता का भरोसा मिलने के बाद शंभूनाथ यादव ने कहा कि यह जीत जनता की सेवा और विश्वास का परिणाम है।

बक्सर सीट पर आनंद मिश्रा की जीतः 200–बक्सर विधानसभा सीट से बीजेपी के आनंद मिश्रा ने जीत हासिल की है। उन्हें 84,901 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी को 56,548 वोट मिले। आनंद मिश्रा ने 28,353 मतों के बड़े अंतर से यह चुनाव जीता। यह उल्लेखनीय है कि आनंद मिश्रा ने 2024 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार मिली थी। इस बार उन्होंने बीजेपी में शामिल होकर टिकट प्राप्त किया और पहली बार में ही विधानसभा चुनाव जीतने में सफल रहे।

79,411 मतों के साथ जदयू की जीतः 201–डुमरांव विधानसभा सीट पर जदयू के राहुल कुमार सिंह ने 79,411 मतों के साथ जीत दर्ज की। उनके सामने CPI-ML के डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कड़ी टक्कर दी और 77,306 वोट हासिल किए। इस सीट पर जीत का अंतर मात्र 2,105 मतों का रहा। राहुल सिंह ने नामांकन से ठीक एक दिन पहले जदयू ज्वाइन किया था और पार्टी ने उन्हें तत्काल टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा था। जनता ने इस नए चेहरे को स्वीकारते हुए जीत का जनादेश दिया।

राजपुर में संतोष निराला की वापसीः 202–राजपुर (SC) विधानसभा सीट से जदयू के संतोष कुमार निराला ने 80,701 वोट के साथ जीत हासिल की। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के विश्वनाथ राम को 71,565 वोट मिले। निराला ने 9,136 वोटों से जीत दर्ज की।संतोष निराला 2010 और 2015 में भी विधायक चुने गए थे और बिहार सरकार में मंत्री रहे, लेकिन 2020 में नाराजगी के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। पांच साल बाद 2025 में जनता ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। अब सभी की निगाह इस बात पर है कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी होने के कारण उन्हें फिर से मंत्री पद मिलता है या नहीं।

जिले में जश्न से गुलजार हुआ माहौलः नतीजों की घोषणा के बाद समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई दी गई। कई जगहों पर रातभर ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और नृत्य का दौर चलता रहा। सोशल मीडिया से लेकर गांव की गलियों तक जीत का उत्सव छाया रहा।

दो पाटीदार आपस में भिड़े

निज संवाददाता। आरा

- लोहे के रॉड से सिर पर हमला, मारपीट में दोनों पक्ष से पति-पत्नी समेत 8 लोग घायल, सिर फूटा

भोजपुर में शुक्रवार देर शाम रास्ते में गंदा पानी गिराने को लेकर दो पाटीदार आपस में भिड़ गए। जमकर लाठी-डंडे चले। लोहे के रॉड से जानलेवा हमला कर एक दूसरे का सिर फोड़ दिया। मारपीट में दोनों पक्षों से तीन महिला समेत आठ लोग घायल हो गए। ग्रामीणों ने बीच बचाव के बाद मामले को शांत कराया। घायलों को आरा सदर अस्पताल लाया गया। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव की है। घायलों में एक पक्ष के जीउत यादव(70), पुत्र रामा कांत यादव(48), उनकी पत्नी मुन्नी देवी(45), बेटी छोटी कुमारी(17) और राजू यादव की पुत्री नेहा कुमारी(18) शामिल है। जबकि दूसरे पक्ष रामा शंकर यादव(60), उनके दो पुत्र संजय यादव(40) और अजय यादव(35) शामिल है।

रास्ते में पानी गिराने को लेकर विवाद हुआ थाः घायल रामाकांत यादव ने बताया कि घर के रास्ते में उनके पाटीदारों ने मवेशियों को खिलाने के लिए नाद बनाया था। उसका पानी रास्ते में गिरने से बदबू आ रही थी। इसी बात को लेकर हम उनके पास गए। इस बात पर भड़क गए। गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लोहे के रॉड से सिर पर वार कर दिया। बीच-बचाव मेरे घरवालों को भी पीटने लगे। वहीं, दूसरे पक्ष से घायल अजय यादव ने कहा कि उनके पाटीदार ने घर के बाहर ही भैंस रखा है। नाद से गंदगी रास्ते में गिर रहा है। इसी को लेकर हमने इसकी जानकारी भी दी थी। जब भी हमारे घर के बच्चे बाहर खेलने जाते है तो स्लिप कर गिर जाते है। उन्हें गंभीर चोट आ जाती है।

5 लोगों का सिर फूटाः मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्षों ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की है। इधर, ऑन ड्यूटी डॉक्टर ऋषि सिंह ने बताया कि पांच लोगों के सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

संदेश सीट पर 27 वोट से जदयू जीता

निज संवाददाता। आरा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भोजपुर जिले ने एक बार फिर राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दे दी है। जिले की सातों विधानसभा सीटों आरा, संदेश, बड़हरा, शाहपुर, जगदीशपुर, अगिआंव और तरारी पर एनडीए ने परचम लहराते हुए क्लीन स्वीप हासिल कर लिया। राजद और माले के पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी एनडीए उम्मीदवारों ने रिकॉर्ड बढ़त के साथ जीत दर्ज की। परिणाम आते ही समर्थक और कार्यकर्ता जश्न में डूब गए। बाजार समिति परिसर के बाहर देर शाम तक भारी भीड़ उमड़ी रही। कहीं ढोल-नगाड़े बज रहे थे तो कहीं समर्थकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और पटाखे जलाकर जीत का जश्न मनाया। कई जगहों पर कार्यकर्ता सड़क पर ही नाचते–गाते नजर आए। हालांकि सात सीटों में से दो सीटें संदेश व अगिआंव पर रोमांच चरम पर रहा। शुरुआती राउंड से लेकर अंतिम चरण तक कड़ा मुकाबला चलता रहा। दोनों सीटों पर मामूली अंतर के कारण रिकाउंटिंग कराई गई, जिसके बाद एनडीए उम्मीदवारों की जीत पक्की हुई। इन दोनों केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई थी और प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ देर शाम तक परिणाम केंद्र पर डटे रहे। सभी सात क्षेत्रों में मिली धमाकेदार जीत के बाद एनडीए समर्थक सरकार की नीतियों के प्रति अपना विश्वास जताते दिखे। जगह-जगह समर्थकों ने कहा कि यह नीतीश-मोदी की ऐतिहासिक जीत है। विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व पर जनता ने मुहर लगाई है। कई स्थानीय नेताओं ने भी कहा कि यह परिणाम जिले के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ साबित होंगे।

बाजार समिति में बनाए गए काउंटिंग सेंटर पर दिनभर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहीः बाजार समिति स्थित मतगणना केंद्रों पर दिनभर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। स्ट्रॉन्ग रूम खोलने से लेकर अंतिम मतगणना राउंड तक प्रशासन पूरी सतर्कता में रहा। डीएम–एसपी और निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों ने लगातार मतगणना प्रक्रिया की निगरानी की। एनडीए की सातों सीटों पर जीत ने यह साफ कर दिया है कि भोजपुर जिले ने इस बार किसी भी तरह की राजनीतिक अनिश्चितता की गुंजाइश नहीं छोड़ी। वर्षों से जिन इलाकों में वामपंथ और राजद की पकड़ मजबूत मानी जाती थी, वहां भी मतदाताओं ने अपना रुख बदलते हुए एनडीए को एकतरफा समर्थन दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह परिणाम आने वाले दिनों में जिले की राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भोजपुर जिले की सभी 7 सीटों के नतीजों पर एक नजरः
अगिआंव विधानसभाः महेश पासवान(बीजेपी) ने 95 वोट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी माले के प्रत्याशी शिव प्रकाश रंजन को हराया। महेश पासवान को कुल वोट–69412 मिले,जबकि शिव प्रकाश रंजन को 69317 वोट मिले। **आरा विधानसभाः** संजय सिंह टाइगर(बीजेपी) ने 19581 वोट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी माले के प्रत्याशी कयामुद्दीन अंसारी को हराया। संजय सिंह टाइगर को कुल वोट–94201 मिले,जबकि कयामुद्दीन अंसारी को 74620 वोट मिले है। **बड़हरा विधानसभाः** विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह (बीजेपी) ने 14403 वोट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह उर्फ राम बाबू सिंह को हराया। राघवेंद्र प्रताप को कुल वोट–79593 मिले,जबकि अशोक कुमार सिंह को 65190 वोट मिले।

काउंटिंग के बीच जन सुराज प्रत्याशी चंद्रशेखर सिंह का निधन

निज संवाददाता। आरा

- तरारी में चुनाव प्रचार के दौरान आया था हार्ट अटैक, पटना में एडमिट थे, बिना जनसंपर्क के मिले 2271 वोट

भोजपुर के तरारी विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज के प्रत्याशी चंद्रशेखर सिंह का निधन हो गया। हार्ट अटैक के बाद पटना के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इलाज के दौरान शुक्रवार काउंटिंग के बीच उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से जिले में शोक की लहर है। 31 अक्टूबर को चंद्रशेखर सिंह चुनाव प्रचार के लिए क्षेत्र में निकले थे। इसी दौरान उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द हुआ और जमीन पर गिर पड़े। परिजन और कार्यकर्ता तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। जहां हालत गंभीर बनी रही। करीब 2 सप्ताह का इलाज चला।

ब्रह्मर्षि समाज के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैंः चंद्रशेखर सिंह भोजपुर जिले के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के कुरमुरी गांव निवासी थे। उनके पिता स्व. राज महल सिंह स्थानीय स्तर पर प्रतिष्ठित किसान थे। निधन की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, समर्थक और शुभचिंतक उनके घर पहुंचने लगे। 70 वर्षीय चंद्रशेखर सिंह पेशे से शिक्षाविद् थे। उन्होंने एम.ए. (प्राकृत) तक उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। इसके बाद वे शिक्षा विभाग में शिक्षक बने और मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद से रिटायर्ड हुए थे। चंद्रशेखर सिंह की छवि एक जुझारू शिक्षक नेता की रही है। वे शिक्षक संघ के सक्रिय पदाधिकारी रहे, साथ ही ब्रह्मर्षि समाज के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने प्रदेश स्तर पर सामाजिक नेतृत्व किया। क्षेत्र में उनका प्रभाव और जनसंपर्क मजबूत माना जाता था। चंद्रशेखर सिंह जाति से भूमिहार थे। उनके परिवार में दो बेटे इंजीनियर अंजल किशोर सिंह, ज्ञानु कुमार सिंह, और एक बेटी अर्चना हैं। निधन की खबर मिलते ही परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इलाके में शोक की लहरः हार्ट अटैक आने के बाद चंद्रशेखर सिंह चुनाव प्रचार में सक्रिय नहीं हो पाए। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें पूर्ण विश्राम दिया गया था और उनकी जगह कार्यकर्ता जनसंपर्क करने की कोशिश करते रहे। प्रचार नहीं कर पाने का सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। परिणामस्वरूप उन्हें 2271 वोट ही मिल सके। उनके निधन के बाद जनसुराज पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता ने सोशल मीडिया पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त की। कई लोगों ने उन्हें सादगी और ईमानदारी का प्रतीक, शिक्षा जगत का मार्गदर्शक और समाजिक चेतना का पुरोधा बताया। चंद्रशेखर सिंह की सादगी, निष्पक्षता और सामाजिक सरोकारों के कारण वे पार्टी में सम्मान प्राप्त कर चुके थे। उनकी असमय मृत्यु को जनसुराज नेतृत्व ने बड़ी क्षति बताया है।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में सड़क हादसे में घायल उप सरपंच की मौत, 12 दिन पहले बिहटा-सरमेरा रोड पर हुआ था हादसा

नालंदा। नालंदा में 3 नवंबर की सुबह बिहटा- सरमेरा टू-लेन पर सड़क हादसे में 5 साल के मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। जबकि पिता-पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। मृतका रहुई थाना क्षेत्र के चंदुआरा गांव की रहने नीतीश कुमार की (05) साल की बेटी नित्या कुमारी थी। जबकि इस हादसे में शनिवार को (33) नीतीश कुमार की भी इलाज के क्रम में पटना में मौत हो गई। जबकि बेटे आयांश का इलाज निजी क्लिनिक में चल रहा है।दरअसल गांव से 3 नवंबर को नीतीश अपने दोनों बच्चों को लेकर बिहार शरीफ मोटरसाइकिल से स्कूल छोड़ने के लिए जा रहे थे। इसी बीच बिहटा- सरमेरा टू-लेन के भंडारी गांव के पास ट्रक ने अचानक टर्न ले लिया। जिसके कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और पीछे से ट्रक में जाकर टकरा गई। इस हादसे में घटनास्थल पर ही नीतीश कुमार की बेटी की मौत हो गई थी। जबकि इलाज के क्रम में 12 वें दिन नीतीश ने भी दम तोड़ दिया। सड़क हादसे में 12 दिनों के अंदर दो लोगों की मौत से परिवार में हाहाकार मच गया है। नीतीश सोसन्दी पंचायत के उपसरपंच थे। इसके अलावा वह बिहार शरीफ और गांव में ही ट्यूशन पढ़ने का काम करता थे। मौत की पुष्टि के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया है। घटनास्थल के दिन ग्रामीणों के द्वारा मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम भी की गई थी।

हिलसा में जदयू की जीत, राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव को 16,012 वोटों से हराया

नालंदा। नालंदा के हिलसा विधानसभा क्षेत्र ने एक बार फिर बिहार की राजनीति में अपनी खास पहचान बनाई है। 2020 में जहां यह सीट महज 12 वोटों के रोमांचक अंतर से चर्चा में आई थी, वहीं इस बार चुनाव परिणाम ने पूरी तस्वीर ही बदल दी। जदयू के कृष्ण मुरारी शरण ने राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव को 16,012 वोटों के विशाल अंतर से पराजित कर दिया। शुक्रवार को नालंदा कॉलेज में हुई 29 राउंड की मतगणना के बाद कृष्ण मुरारी शरण को कुल 96,009 वोट मिले, जबकि शक्ति सिंह यादव को 79,997 वोटों से संतोष करना पड़ा। यह जीत जदयू के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2020 के चुनाव परिणाम ने राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा बटोरी थी। 5 साल पहले के उस रोमांचक मुकाबले में जदयू के कृष्ण मुरारी शरण को 61,848 वोट मिले थे और राजद के शक्ति सिंह यादव को 61,836 वोट। महज 12 वोटों का यह अंतर राजद के लिए हमेशा विवाद का विषय बना रहा था। इस बार के भारी अंतर ने उस बहस को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। मतगणना की शुरुआत में तो ऐसा लग रहा था कि 2020 का इतिहास दोहराया जा सकता है। पहले राउंड में राजद के शक्ति सिंह यादव ने 4,244 वोट लेकर 1,269 वोटों की जबरदस्त बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में भी राजद 1,055 वोटों से आगे रही। तीसरे राउंड में जदयू ने 595 वोटों की मामूली बढ़त से वापसी की, लेकिन चौथे राउंड में शक्ति सिंह यादव ने 4,200 वोट हासिल कर 1,521 वोटों की मजबूत बढ़त फिर से हासिल कर ली। दसवें राउंड तक यह 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' का खेल जारी रहा। राजद ने 3,441 वोट लेकर जदयू (3,054) से मामूली बढ़त बनाए रखी थी। मतगणना में असली मोड़ 11वें राउंड में आया। इस राउंड में जदयू को 4,632 वोट मिले, जबकि राजद सिर्फ 1,933 वोटों तक सीमित रह गई। इस एक ही राउंड ने जदयू को 2,699 वोटों की एकमुश्त बढ़त दिला दी। इसके बाद हालांकि राजद ने 14वें, 17वें और 19वें राउंड में वापसी की कोशिश की, लेकिन जदयू की रफ्तार को रोक नहीं पाई। 22वें राउंड में जदयू ने 1,881 वोटों की, 24वें राउंड में 1,183 वोटों की और 27वें राउंड में 2,643 वोटों की भारी बढ़त हासिल की। आखिरी के सात-आठ राउंड में जदयू ने लगातार बड़ी बढ़त बनाते हुए अंतर को 16 हजार के पार पहुंचा दिया।

लापता बुजुर्ग का शव मिला, गोइठवा नदी में डूबने से हुई मौत, बुधवार शाम शौच के लिए घर से निकले थे

नालंदा। नालंदा में बुजुर्ग का शव गोइठवा नदी से मिला है। मृतक की पहचान समस्ती गांव के रहने वाले रविंद्र राउत(75) के तौर पर हुई है। तीन दिन से लापता थे। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र के गोइठवा नदी का है। मृतक के भतीजे दिलीप कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम शौच के लिए चाचा नदी किनारे गए थे। काफी देर तक नहीं लौटे। काफी खोजबीन की गई, कहीं कुछ पता नहीं चला। अगले दिन थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। इस दौरान खोजबीन लगातार की जा रही थी। शनिवार सुबह शौच के लिए गए एक ग्रामीण ने नदी में उपलाए शव को देखा। जिसके बाद गांव वालों को सूचना दी गई। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गए। शव को बाहर निकाला गया। डेड बॉडी मेरे चाचा रविंद्र राउत की थी। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। वहीं, इस संबंध में दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि बुजुर्ग के शव मिलने की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। पानी में डूबने से मौत होने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पराली जलाने की लापरवाही से 3 बीघा धान स्वाहा, किसान की मेहनत पर फिरा पानी

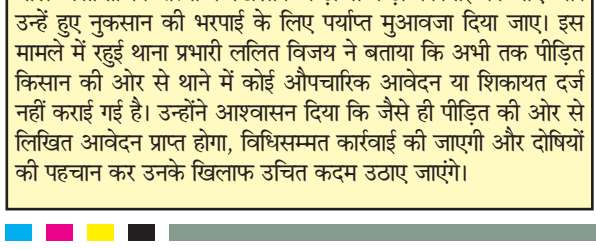

नालंदा। नालन्दा में पराली जलाने की लापरवाही ने एक बार फिर एक किसान की मेहनत पर पानी फेर दिया। रहुई थाना क्षेत्र के सोसंदी गांव के डगर पर स्थित तेलियाइन खंधा में शनिवार को भीषण आगजनी की घटना सामने आई, जिसमें तीन बीघा से अधिक क्षेत्र में खड़ी धान की लहलहाती फसल कुछ ही मिनटों में राख का ढेर बनकर रह गई। इस अगलगी ने पट्टाधारी किसान मिथिलेश प्रसाद को आर्थिक संकट के कगार पर ला खड़ा किया है। पीड़ित किसान मिथिलेश प्रसाद, जो पट्टे पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, उन्होंने घटना का आंखों देखा हाल सुनाते हुए बताया कि शनिवार की दोपहर में बगल के खेत में कुछ असामाजिक तत्व पराली जला रहे थे। उस समय हल्की तेज हवा चल रही थी। अचानक पराली से उड़ी चिंगारी हवा के झोंके के साथ उनके धान के खेत में जा गिरी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि तत्काल ग्रामीणों को आवाज लगाई और सभी ने मिलकर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पूरी फसल जलकर खाक हो गई। किसान ने बताया कि यह फसल उनके परिवार के लिए साल भर की आजीविका का एकमात्र सहारा थी। महीनों की मेहनत, बीज, खाद और सिंचाई पर किया गया खर्च सब कुछ पलभर में समाप्त हो गया। घटना से आहत मिथिलेश प्रसाद ने जिला प्रशासन और कृषि विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि पराली जलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें हुए नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। इस मामले में रहुई थाना प्रभारी ललित विजय ने बताया कि अभी तक पीड़ित किसान की ओर से थाने में कोई औपचारिक आवेदन या शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही पीड़ित की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त होगा, विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे।

गया में विजय जुलूस के दौरान दो समुदायों में पथराव 3 गिरफ्तार, एसआईटी गठित

निज संवाददाता। गयाजी

बेलागंज अनुमंडल क्षेत्र में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद शुक्रवार की देर शाम विजय जश्न तनाव में बदल गया। दादपुर गांव से युवाओं का समूह विजय जुलूस की शक्ल में ढोल–नगाड़े बजाते हुए और पटाखे छोड़ते हुए फरीदपुर गांव पहुंचा। जुलूस मस्जिद के पास अचानक रुक गया। उसी दौरान युवाओं ने अत्यधिक तेज आवाज में गीत–संगीत बजाया और जमकर आतिशबाजी की, जबकि उस वक्त मस्जिद में लोग नमाज अदा कर रहे थे।

स्थानीय लोगों ने शोर और पटाखेबाजी रोकने का अनुरोध किया, तभी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। स्थिति कुछ ही मिनटों में बिगड़ गई। ग्रामीणों के अनुसार, जश्न में शामिल कुछ युवकों ने कथित रूप से "इस गांव से राजद को वोट कैसे चला गया" जैसी टिप्पणी कर दी, जिसके बाद विवाद और भड़क गया। कुछ ही देर में दोनों ओर से पथराव और मारपीट शुरू हो गई। अचानक हुए हमले से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी–अपनी सुरक्षा के लिए घरों में बंद हो गए।

त्वरित प्रशासनिक हस्तक्षेप, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी: घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आया। देर रात जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार भारी पुलिस बल के साथ फरीदपुर गांव पहुंचे। पुलिस ने दोनों गांवों में कैंप कर स्थिति पर नियंत्रण पाया। रातभर गश्त जारी रही। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है और अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

विशेष जांच दल गठित — वीडियो से होगी पहचान: मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस ने पुलिस उपाधीक्षक (विधि–व्यवस्था) रवि प्रकाश सिंह के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। शनिवार सुबह से ही जांच दल

घटनास्थल पर मौजूद है तथा गांव में लगे कैमरों के चित्र और ग्रामीणों द्वारा बनाए गए मोबाइल वीडियो की जांच की जा रही है। बेलागंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कोई भी अप्रिय घटना दोबारा न हो।

नेताओं ने पीड़ितों से मिलने की घोषणा, शांति बनाए रखने की अपील: इधर, माकपा (मार्क्सवादी) नेता मोहम्मद तारिक ने कहा कि शनिवार दोपहर पार्टी का शिष्टमंडल फरीदपुर पहुंचकर पीड़ितों से मिलेगा और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेगा। वहीं पुलिस ने जनता से अफवाहों से दूर रहने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

स्थिति नियंत्रण में — दोषियों पर कठोर कार्रवाई की तैयारी: पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि गांव में माहौल शांत है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त बनी हुई है। अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है तथा जो भी व्यक्ति हिंसा में शामिल पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

दो शराब कारोबारी 30 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार

निज संवाददाता। कोंच

कोंच प्रखंड क्षेत्र के आंती थाना की पुलिस ने शनिवार की सुबह वाहन चेकिंग अभियान चलाकर दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से देसी महुआ शराब की आपूर्ति करने जा रहे थे। ग्राम भाम के पास संदेह के आधार पर रोके जाने पर तलाशी में उनके पास से 30 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सोनू कुमार (उम्र 25 वर्ष), पिता स्वर्गीय विगन यादव, तथा राजेश कुमार (उम्र 37 वर्ष), पिता रामस्वरूप ठाकुर, दोनों ग्राम डिहुरी थाना कोंच जिला गया निवासी के रूप में की गई है। पुलिस ने जांच के दौरान यह भी पाया कि जिस मोटरसाइकिल से दोनों यात्रा कर रहे थे, वह चोरी की है।

आंती थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित कांड संख्या दर्ज कर दी गई है और मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस की सख्त निगरानी जारी रहेगी।

गुरुआ में सघन वाहन चेकिंग अभियान वसूला गया 24 हजार रुपये का जुर्माना

निज संवाददाता। गुरुआ।

थाना क्षेत्र में शनिवार को पुलिस ने बड़े पैमाने पर वाहन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसी। अभियान के दौरान नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों से कुल 24,000 रुपये का चालान वसूला गया। चेकिंग अभियान गुरुआ–दरियापुर मुख्य मार्ग पर मोरहर नदी के पुल के समीप चलाया गया, जिसकी निगरानी स्वयं थाना प्रभारी मनेश कुमार कर रहे थे। पुलिस टीम ने सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की, जिससे क्षेत्र के बाइक चालकों में हड़कंप मच गया।

जांच के दौरान अधिकतर युवा बिना हेलमेट के बाइक चलाते पाए गए। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन कार्ड और बीमा जैसे आवश्यक कागजातों की भी गहन जांच की

गई। पुलिस ने वाहनों की डिग्गियों की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की भी जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर चालान काटा।

थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि विशेषकर युवाओं और छात्रों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और सुरक्षित गति से वाहन चलाने की सलाह दी गई है।

- **चेकिंग अभियान गुरुआ–दरियापुर मुख्य मार्ग पर मोरहर नदी के पुल के समीप चलाया गया, जिसकी निगरानी स्वयं थाना प्रभारी मनेश कुमार कर रहे थे**

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ऐसे अभियान और भी सख्ती के साथ जारी रहेंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद दिनभर मुख्य मार्ग पर वाहन चालकों में सतर्कता देखी गई और अधिकांश लोगों ने हेलमेट व कागजात के साथ यात्रा करना शुरू कर दिया।

मध निषेध विभाग की कार्रवाई, युवक को बियर के साथ किया गिरफ्तार गाड़ी भी जब्त

निज संवाददाता। गयाजी

डोभी प्रखंड के बहेरा थाना क्षेत्र में शनिवार को शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। मध निषेध विभाग की टीम ने धीरजापुल के पास एक वाहन की तलाशी लेकर उसमें छिपाकर ले जाए जा रहे 25 कार्टन बियर बरामद किए। मौके से झारखंड के चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के दुल्हा गांव निवासी 31 वर्षीय प्रदीप कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि एक वाहन के माध्यम से भारी मात्रा में मादक पेय पदार्थ बिहार की ओर भेजा जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद मध निषेध निरीक्षक उमेश चंद्र राय के नेतृत्व में छापेमारी की गई। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में बियर भरी हुई मिली। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि यह बियर रांची से पटना ले जाई जा रही थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार व्यक्ति द्वारा इसी वाहन का इस्तेमाल लंबे समय से शराब तस्करी के लिए किया जा रहा था। विभाग ने पकड़ी गई बियर और वाहन को उत्पाद थाना लाकर सील कर दिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लायरों का पता लगाया जा सके। मध निषेध विभाग ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन पर किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी और अवैध तस्करी में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नवनिर्वाचित विधायक महाबोधि मंदिर पहुंचे वोटर्स को धन्यवाद दिया

बोले- अब क्षेत्र का हर विकास काम होगा तेज

निज संवाददाता। गयाजी

बोधगया से नवनिर्वाचित विधायक कुमार सर्वजीत ने चुनाव परिणाम आने के अगले ही दिन महाबोधि मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। शनिवार की सुबह वे भगवान बुद्ध के दरबार में पहुंचे और क्षेत्र की शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। कुमार सर्वजीत ने अपने प्रतिद्वंद्वी श्यामदेव पासवान को 881 मतों से हराया है। यह किसी भी जिले में सबसे कम अंतर वाली जीत रही। सुबह पूजा के बाद उन्होंने कहा कि बोधगया की धरती ज्ञान, शांति और करुणा की भूमि है और वे खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं कि जनता ने उन्हें फिर मौका दिया है। उनका कहना था कि क्षेत्र में अब विकास के हर काम को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा और चुनाव में मिले सहयोग और विश्वास का सम्मान किया जाएगा। शुक्रवार को जीत की घोषणा के बाद उन्होंने

समर्थकों का आभार व्यक्त किया था। आज मंदिर में पूजा के दौरान पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा कराई और भगवान बुद्ध का प्रसाद चढ़ाया। लंबे राजनीतिक सफर का अनुभव साथ कुमार सर्वजीत के राजनीतिक जीवन की शुरुआत 2009 के उपचुनाव से हुई थी। वे अब तक छह चुनाव लड़ चुके हैं, जिनमें चार बार विधानसभा और एक बार लोकसभा चुनाव में उतरे। 2015 और 2020 के चुनाव में जीत दर्ज कर उन्होंने इस सीट पर 63 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। उनके पिता राजेश पासवान गयाजी से सांसद थे, जिनकी नक्सलियों ने 2005 में हत्या कर दी थी। पिता की मौत के बाद सर्वजीत ने राजनीति में कदम रखा और आज वे बोधगया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। अब जनता की उम्मीदें अधिक बढ़ी हैं और सर्वजीत ने कहा कि वे हर विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेंगे।

आमस प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में बाल दिवस का आयोजन

निज संवाददाता। आमस, गयाजी

आमस प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में शनिवार को बाल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों के बीच चित्रकला, भाषण, खेल और क्विज जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्साह का परिचय दिया। प्राथमिक विद्यालय कूड़ासीन की प्रधान शिक्षिका जोहरा जबीं ने बताया कि शुक्रवार को मतगणना के कारण विद्यालय बंद था, इसलिए बाल दिवस का कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में रचनात्मकता, खेल भावना और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देते हैं।

प्रतियोगिता के परिणामों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विजेताओं में सृष्टि कुमारी, शिवानी कुमारी, स्वीटी कुमारी, पीयूष कुमार, रौशनी कुमारी, कुणाल कुमार, सुरंजनी कुमारी, प्रियांशु कुमार और आर्यन कुमार शामिल हैं। इस अवसर पर शिक्षक सुमन कुमार सिंह, रामाशीष कुमार, नगमा प्रवीण और प्रधान शिक्षिका जोहरा जबीं मौजूद रहे और बच्चों को उनके उत्साह और प्रतिभा के लिए प्रोत्साहित किया।

नवनिर्वाचित विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद का जोरदार स्वागत, क्षेत्र में विकास की उम्मीदें बढ़ीं

निज संवाददाता। गुरुआ

गुरुआ विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद ने इस बार सबसे अधिक वोट से जीत हासिल कर एक अलग इतिहास रचा है। जीत के बाद एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया और क्षेत्र के बेहतर विकास की कामना की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर कुमार वर्मा उर्फ विनोद मरांडी, आयुष चिकित्सक डॉ. अनिल कुमार, सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकुमार प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रसाद सिंहा के पुत्र पंकज नारायण दीपक उर्फ पंकज दांगी और दांगी क्षत्रिय संघ के जिलाध्यक्ष शशिभूषण कुमार दांगी ने कहा कि डॉ. उपेंद्र प्रसाद का राजनीतिक अनुभव काफी पुराना और गहन है। वह इससे पहले दो बार बिहार विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं, जिससे उनके क्षेत्रीय विकास और जनसेवा में अनुभव की गारंटी है।

इस मौके पर बिहार विधान पार्षद डॉ. कुमुद वर्मा, पूर्व विधायक राजीव नंदन की पत्नी रुपम सिंहा दांगी, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रसाद सिंहा के पुत्र पंकज दांगी, भाजपा के पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रामजतन यादव, पूर्वी मंडल अध्यक्ष मंटू सिंह, पूर्व

अध्यक्ष नंदकिशोर प्रसाद, जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार दांगी, कुशल युवा कार्यक्रम के समन्वयक पंकज कुमार गुप्ता, भूतपूर्व सैनिक मंटू सिंह, मंडा पंचायत की मुखिया संध्या वर्मा और ड्रीम क्लासेस सह पब्लिक स्कूल के निदेशक चितरंजन कुमार शर्मा उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित विधायक को जीत की बधाई दी और क्षेत्र के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

समर्थकों का कहना है कि डॉ. उपेंद्र प्रसाद की जीत से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क व बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। उन्होंने जनता से वादा किया कि वे अपने अनुभव और राजनीतिक ज्ञान का उपयोग करके हर संभव प्रयास करेंगे ताकि गुरुआ विधानसभा का हर नागरिक लाभान्वित हो सके।

संक्षिप्त समाचार

बाल मेला में बच्चों ने की चित्रकारी

पूर्वी सिंहभूम। चतुर्थ बाल मेला में शहर के विभिन्न स्कूलों के विशेष बच्चों ने शनिवार को अपनी प्रतिभा और कल्पनाशीलता का लोहा मनवाया। स्कूल ऑफ होप, आशा किरण, पाथ, स्टार्ट, जीविका, चेशायर होम, स्कूल ऑफ जॉय, ज्ञानोदय और पीएएमएचजे के बच्चे मेले में शामिल हुए और चित्रकारी में व्यस्त रहे। मेला का माहौल खास था। बड़ी उम्र की एक विशेष बच्ची ने सभी को "गुड मार्निंग" कहा। शुरुआत में कोई जवाब नहीं मिला, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे और एक-दूसरे ने जवाब देना शुरू किया। तीसरी बार कहते ही उन्हें दो बच्चों का जवाब मिला और बच्ची खुशी-खुशी चित्र बनाने में जुट गई। मुख्य मंच पर बैठकर बच्चों ने चित्रकारी की। बच्चे आपस में संवाद कर रहे थे, कभी बहस कर रहे थे तो कभी सहयोग कर रहे थे। एक बच्चा कहता है कि कलर सिर्फ 10 हैं, तो दूसरा उसे 15 कलर दिखाता है और कहता है कि जरूरत हो तो ले लो। धीरे-धीरे बच्चे आपस में गिनती कर कलर साझा करते हुए अपने चित्र बनाए। बच्चों ने अपनी रचनाओं में जो सीखा या जाना, उसे चित्रों में उतारा। चित्र बनाने के बाद बच्चे स्टॉल घूमते हुए मेले का आनंद लेने लगे। इस दौरान उनका उत्साह, संवाद और हँसी-मजाक सभी को मंत्रमुग्ध कर गया। बाल मेला बच्चों की रचनात्मकता और आपसी संवाद का जीवंत उदाहरण साबित हुआ, जहां हर विशेष बच्चा अपनी कला और सोच के माध्यम से अपना रंगीन संसार पेश कर रहा था।

कराटे चैंपियनशिप में 225 खिलाड़ी ले रहे है हिस्सा

पश्चिमी सिंहभूम। स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन, पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में दो दिवसीय 5वीं जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप की शुरुआत शनिवार को संत जेवियर वेलफेयर सेंटर के कम्युनिटी हॉल में हुई। मुख्य अतिथि सदर अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोप्पो, विशिष्ट अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाहमन टूटी तथा जिला खेल पदाधिकारी मार्कस हेंब्रम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पश्चिमी सिंहभूम जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नितिन प्रकाश, जिला बार एसोसिएशन के सचिव फादर अगस्तीन कुल्लू, वेलफेयर सेंटर के डायरेक्टर एवं जेवियर बॉयज स्कूल के प्रधानाचार्य फादर यूजिन एक्का सहित कई लोग उपस्थित थे। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 225 बालक–बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता संचालन में सेंसई निरंजन कुमार दास, राजा घोष, रवि मछुवा, अंशु विश्वकर्मा, साहिल पासवान, स्नेहा सिंह सहित अन्य जजों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह प्रतियोगिता 16 नवंबर को दूसरे दिन भी जारी रहेगी।

झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने 25वें स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को दीं शुभकामनाएं

रांची। झारखंड आज अपना 25वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर राज्य भर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच, राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा," झारखंड आज अपने स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रहा है, यह विभिन्न क्षेत्रों में हमारी प्रेरणादायक प्रगति का प्रतीक है। मैं आप सभी की सुख-समृद्धि और राज्य की निरंतर उन्नति की कामना करता हूं।" मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर सभी राज्यवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आज का दिन हमारे पुरखों के संघर्ष, बलिदान और आत्मसम्मान को नमन करने का अवसर है। धरती आबा बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू और फुलो-झानो जैसे वीरों की विरासत से प्रेरित होकर हमारा झारखंड आज विकास, संस्कृति और पहचान की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अबुआ सरकार हर मईयां के सम्मान, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के रोजगार और परिवारों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है।" झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि नैसर्गिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अपार खनिज संपदा से भरपूर हमारा प्रिय झारखंड अद्भुत विविधताओं का संगम है। झारखंड की भूमि पर जनजातीय वीरों के त्याग, संघर्ष और स्वाभिमान की गाथाएं आज भी हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा देती है। हमारा झारखंड निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़े, नई ऊंचाइयों को छुए और प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली और समृद्धि आए, ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं।

राज्य स्थापना की वर्षगांठ पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने धरती आबा को किया नमन

खूंटी। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शनिवार उनकी जन्मस्थली उलिहातु में दिनभर उत्सव का उल्लास छाया रहा। पूरा इलाका 'धरती आबा' के जयकारों से गूंज उठा। इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न राज्यों से आए आगंतुकों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम,सांसद कालीचरण मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, विधायक विकास सिंह मुंडा, राज्य के मुख्य सचिव सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि दी। उलिहातु के बिरसा मुंडा कॉम्प्लेक्स में आयोजित राजकीय समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि जनजातियों का इतिहास हमेशा गौरवपूर्ण रहा है। इस समाज ने देश की आजादी में कई कुर्बानियां दी है। हमें उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली में स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी जैसी प्रतिमा भगवान बिरसा मुंडा की बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि उलिहातु को आदर्श ग्राम बनाया जाएगा। इससे यह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से सैलानी यहां आएंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमें अपनी मातृभूमि, मातृभाषा और संस्कृति से प्यार करना चाहिए। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। हमारे कई वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर झारखंड राज्य को जन्म दिया है। हमारे वीर शहीदों ने ही हम राज्यवासियों को राह दिखाया एवं मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा कि जिनके संघर्ष, अथक प्रयास और बलिदान से इस राज्य का निर्माण हुआ है उनके सपनों का झारखंड बनाना हम सभी कर्तव्य है। वर्तमान समय में हम सभी के कंधों में इस राज्य को सजाने और संवारने की एक बड़ी जिम्मेवारी है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के गांव-गांव पहुंचकर सभी वर्ग-समुदाय के लोगों के दुःख, तकलीफ को समझने का काम कर रही है।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर राज्यपाल का संबोधन, 25 वर्ष पूरे होने को बताया गौरव का क्षण

एजेंसी। रांची

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी मैदान में शनिवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने संबोधित किया और राज्य के प्रत्येक नागरिक से एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। झारखंड राज्य स्थापना समारोह के संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के 25 वर्ष पूरे होना सभी राज्यवासियों के लिए आत्मगौरव, आत्मचिंतन और आत्मसंकल्प का क्षण है। उन्होंने कहा कि राज्य की नींव जनता की आकांक्षाओं, संघर्षों और सपनों पर टिकी है। राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो सहित सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और कहा कि उनके त्याग व बलिदान ने इस धरती की गौरवगाथा को समृद्ध बनाया है। उन्होंने झारखंड गठन में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनकी दूरदृष्टि के कारण ही यह राज्य अस्तित्व में आ सका। उन्होंने यह भी कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को देशभर में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाया जाना गर्व का विषय है। राज्यपाल ने अपने संसदीय कार्यकाल और झारखंड गठन के दिनों को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2000 में राज्य निर्माण के पक्ष में मतदान कर उन्होंने भी अपना योगदान दिया था। उन्होंने झारखंड आंदोलन के नेता दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में झारखंड ने शिक्षा, कृषि, खनन, ऊर्जा, खेल और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने राज्य की प्राकृतिक-खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत और परिश्रमी नागरिकों को झारखंड की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों के योजनाबद्ध विकास की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इससे पर्यटन बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन जन-सहयोग, सुशासन और प्रभावी नीतियों के क्रियान्वयन से इन्हें दूर किया जा सकता है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' की परिकल्पना में झारखंड महत्वपूर्ण योगदान देगा। रजत जयंती वर्ष पर उन्होंने प्रत्येक नागरिक से एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने की अपील की। समारोह के दौरान राज्यपाल ने दिवंगत शिबू सोरेन के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन भी किया।

झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। रांची

झारखंड की आत्मा और आदिवासी नेता धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने शनिवार को रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। इस दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को आदिवासी समाज की उम्मीद और संघर्ष का प्रतीक बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तस्वीर भी शेयर की है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा," धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उन्हें शत–शत नमन। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें। अमर रहें। अमर रहें।" हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने संघर्ष और त्याग से जनजातीय समाज में सम्मान, स्वाभिमान और अधिकार की नई चेतना जगाई।अबुआ सरकार बिरसा मुंडा के सपनों को साकार करने के लिए महिलाओं के सम्मान, युवाओं के सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा और झारखंड की संस्कृति तथा भाषा के संरक्षण पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने राज्यवासियों से उनके आदर्शों पर चलने की अपील करते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें, जय झारखंड। वहीं दूसरी ओर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने रांची के बिरसा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही श्रद्धा-सुमन भी अर्पित किए।

झारखंडः धुर्वा डैम में जा गिरी अनियंत्रित गाड़ी

जज के 2 बॉडीगार्ड समेत 3 पुलिसकर्मियों की मौत, शव बरामद

एजेंसी। रांची

झारखंड के राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में शनिवार सुबह तीन पुलिसकर्मियों का शव बरामद हुआ है। मृतकों की पहचान प्रिंसिपल जिला जज जमशेदपुर के दो बॉडीगार्ड और सरकारी ड्राइवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दो बॉडीगार्ड और ड्राइवर शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम से होकर गुजर रहे थे, इसी दौरान उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और धुर्वा डैम में जा गिरा। हादसे में तीनों की मौत हो गई। मृतकों में उपेंद्र कुमार सिंह, रोबिन कुजूर और सतेंद्र सिंह शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम के पास से एक वाहन गुजर रहा था, अचानक वह वाहन तेजी के साथ धुर्वा डैम में जा गिरा। सूचना मिलने पर धुर्वा और नगड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों, गोताखोरों और पुलिस की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया जिसमें से तीन शव और दो पुलिस हथियार बरामद किए गए। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि वाहन अनियंत्रित होने की वजह से धुर्वा डैम में जा गिरा, जिसकी वजह से तीन पुलिसकर्मियों की मौत हुई है। राहत और बचाव कार्य के बाद बॉडीगार्ड के शव और उनके हथियार डैम से खोज कर निकाल लिए गए हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार तीनों पुलिसकर्मी स्विफ्ट कार से धुर्वा स्थित ज्यूडिशल एकेडमी से धुर्वा डैम की तरफ निकले थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। धुर्वा डैम से निकाले गए वाहन की भी जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को दी शुभकामनाएं

भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

एजेंसी। रांची

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी है और देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर याद करते हुए उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, " जनजातीय संस्कृति से समृद्ध, गौरवशाली प्रदेश झारखंड के सभी निवासियों को राज्य के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा जी की इस धरती का इतिहास साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की गाथाओं से भरा हुआ है। आज इस विशेष अवसर पर मैं राज्य के अपने सभी परिवारजनों के साथ ही यहां की प्रगति और समृद्धि की कामना करता हूं।" प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर याद किया। उन्हें नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, " जनजातीय गौरव दिवस के इस पावन अवसर पर पूरा देश मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। विदेशी हुकूमत के अन्याय के खिलाफ उनका संघर्ष और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।"

कांग्रेस भवन चाईबासा में धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

धरती आबा वीर बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर शनिवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण और नमन के साथ हुई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रेरणादायी जीवनगाथा को याद करते हुए कहा कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के खिलाफ बिरसा मुंडा के संघर्ष से आज भी समाज को दिशा मिलती है। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि जिस साहस और प्रतिबद्धता के साथ वीर बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था, वह पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपनी शक्ति और नेतृत्व से अंग्रेजों को चुनौती देकर यह साबित किया कि अत्याचार के खिलाफ संगठित संघर्ष हमेशा सफल होता है। सभा में मौजूद कांग्रेस नेताओं ने संकल्प लिया कि वे बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलते हुए आदिवासी, दलित और वंचित वर्गों के हितों के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय, जिला महासचिव लियोनार्ड बोदरा, शिक्षा विभाग जिला चेयरमैन पुरुषोत्तम दास पान, नगर अध्यक्ष मो. सलीम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, जदोराय मुंडरी, सीताराम गोप, सोनाराम कोड़ाह, सिकुर गोप, राहुल पुरती, संजय हेम्ब्रम, मंडल अध्यक्ष गोरा सिंह पुरती, वरीय कांग्रेसी राम सिंह सावैयां, डॉ. क्रांति प्रकाश, संतोष सिन्हा, विजय सिंह तुबिद, सुशील दास, जॉन तामसोय और साहू मारला सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस पर सीपीआर से जीवन बचाने का लिया गया सकल्प : डीसी

एजेंसी। रामगढ़

रामगढ़ जिला वासियों ने झारखंड राज्य स्थापना दिवस को अनोखे अंदाज में मनाया। जीवन बचाने का संकल्प लेकर एक दूसरे की सहायता करने की कसम खाई। आपातकालीन समय में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ के पहुंचने तक जरूरतमंद व्यक्ति को प्राथमिक उपचार उपलब्ध करा दिया जाए, तो उसके बचने की उम्मीद बढ़ जाती है।

झारखंड के लोगों आज ही मिली थी पहचानः ममता विधायक ममता देवी ने कहा कि आज गौरव का दिन है। आज ही के दिन हमें अलग पहचान मिली। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम झारखंड के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने डीसी द्वारा शुरू किए गए सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की। इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं आकस्मिक परिस्थितियों में किए जाने वाले कार्य की जानकारी लेने की अपील की। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड राज्य के निर्माण एवं इसके उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास है कि रामगढ़ जिले का हर दिशा में विकास हो इसके लिए वे निरंतर कार्य कर रहे हैं।

जानकारी हो तो आकस्मिक स्थिति में बचाई जा सकती है जानः डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने जिले के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी सभी को दी। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम जिले तथा राज्य के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने प्राथमिक उपचार सह सीपीआर प्रशिक्षण के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विगत 5 महीनों से सीपीआर प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। अब तक जिले में कुल 175000 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पूरे जिले में कम से कम 200000 लोगों को प्राथमिक उपचार सह सीपीआर प्रशिक्षण के तहत प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है । इस प्रशिक्षण को प्राप्त कर कोई भी व्यक्ति आकस्मिक स्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर हार्ट अटैक घरों में होते हैं। इसलिए अगर आप सभी प्राथमिक उपचार सह सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, तो अपने परिजनों की जान बचा सकते हैं।

राज्य सरकार झारखंड के लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में निरंतर कर रही है कार्य : मंत्री

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर शनिवार को चाईबासा शहर के बस स्टैंड चौक स्थित आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के राजस्व, भूमि सुधार एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा, उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अमित रेनू, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपायुक्त प्रवीण केरकेट्टा सहित कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही सदर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी, नगर परिषद प्रतिनिधि, स्थानीय थाना प्रभारी एवं सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भी "धरती आबा" की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होना सभी झारखंडवासियों के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष की अवस्था युवावस्था का प्रतीक है और उसी अनुरूप राज्य के विकास और प्रगति की जिम्मेदारी सभी पर है। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार झारखंड के लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। अंत में मंत्री, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों ने राज्यवासियों को झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएँ दीं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नहीं लौटाई मां से उधार ली करोड़ों की पेंटिंग, अब कोर्ट ने दी मुकदमा चलाने को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग वाली शिकायत को खारिज कर दिया था। इस आदेश को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि उनके (जितेंद्र सिंह) खिलाफ आपराधिक विश्वासघात के अपराध के लिए केस चलाने वास्ते प्रथम दृष्टया आधार मौजूद हैं। यह मामला रूम्म हुसैन की करोड़ों रुपए की पेंटिंग से जुड़ा है, जिसे जितेंद्र सिंह ने अपनी मां से उधार लिया था, लेकिन उसे वापस नहीं लौटाया। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने शिकायतकर्ता की मां द्वारा सिंह को भेजे गए एक मैसेज से यह अनुमान लगा लिया कि पेंटिंग उपहार में दी गई थी। जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं था। शिकायतकर्ता रोहित सिंह महियारिया के अनुसार, सिंह ने अप्रैल 2014 में अपनी मां से 1 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य की एमएफ हुसैन की एक पेंटिंग उधार ली थी, लेकिन उसे वापस नहीं किया। साल 2017 में, पूर्व मंत्री ने दावा किया कि वह पेंटिंग उनसे गुम हो गई है और वह उसे ढूंढ नहीं पा रहे हैं। दिल्ली की अदालत ने रद्द किया मजिस्ट्रेट कोर्ट का फैसला, कहा- पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला चलाने के पर्याप्त सबूत इस मामले में 11 नवंबर को दिए अपने आदेश में अदालत ने कहा, रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि संबंधित पेंटिंग अप्रैल 2014 में प्रतिवादी 2 (भंवर जितेंद्र सिंह) को केवल एक सीमित उद्देश्य के लिए दी गई थी। जिसके अनुसार उन्हें यह पेंटिंग सिर्फ अपनी पत्नी को दिखाने और इसे खरीदने के बारे में विचार करने के लिए दी गई थी। यह पूरी गतिविधि सद्भावनापूर्वक और स्वामित्व के किसी भी हस्तांतरण के बिना की गई थी।

राजस्थान में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन महंगा

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में आज से मकान, दुकान और अन्य कमर्शियल प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री पर अतिरिक्त खर्चा देना पड़ेगा। राज्य सरकार ने 6 साल बाद कंस्ट्रक्शन कॉस्ट (निर्माण लागत) में बड़ा इजाफा कर दिया है। हालांकि राहत की बात यह है कि स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन फीस और जमीन की डीएलसी दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। फिर भी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट बढ़ने से रजिस्ट्री के समय प्रॉपर्टी की न्यूनतम सरकारी वैल्यू अब पहले से अधिक मानी जाएगी। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, अब आरसीसी छत वाले भवनों की निर्माण लागत 1200 रुपए प्रति वर्गफुट से बढ़ाकर 1800 रुपए प्रति वर्गफुट कर दी गई है। यानी सीधे-सीधे 600 रुपए प्रति वर्गफुट का इजाफा, जिसका प्रभाव लाखों की प्रॉपर्टी पर हजारों से लेकर लाखों रुपए तक पड़ सकता है। विभाग की मानें तो इस बढ़ोतरी से आम खरीदार की जेब पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। शहरों और कस्बों में ज्यादातर फ्लैट, मकान और दुकानें बाजार मूल्य पर ही खरीदी जाती हैं, और ये मूल्य सरकार द्वारा तय न्यूनतम वैल्यू से अधिक होते हैं। ऐसे में खरीद-बिक्री प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। लेकिन जहां प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री सरकारी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट के आधार पर होती है, वहां नया रेट लागू होने से स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्री का खर्चा पहले से अधिक देना होगा। कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में यह बढ़ोतरी करीब 6 साल बाद की गई है। विभाग के अनुसार निर्माण सामग्री, श्रम लागत और बाजार भाव में तेजी से वृद्धि हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सीमेंट, स्टील, टाइल्स, इलेक्ट्रिकल—सबकी कीमतें काफी बढ़ी हैं, ऐसे में पुरानी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को बदलना आवश्यक माना गया। नई दरें लागू होने के साथ ही पूरे प्रदेश में आज से की जाने वाली रजिस्ट्री इसी नई कंस्ट्रक्शन कॉस्ट पर आधारित होगी। रियल एस्टेट सेक्टर के विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सरकार की राजस्व वृद्धि तो होगी, लेकिन डेवलपर्स और कमर्शियल प्रोजेक्ट निवेशकों पर बोझ बढ़ेगा। हालांकि, आम खरीदार को फिलहाल किसी भी प्रकार की अतिरिक्त स्टांप ड्यूटी या डीएलसी दरों का भार नहीं उठाना पड़ेगा, यह राहत की बात है।

नतीजे कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते, बिहार चुनाव को लेकर एमके स्टालिन भड़के

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार को उनकी जीत के लिए शनिवार को बधाई दी। स्टालिन ने साथ ही निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि इस चुनाव के नतीजे उसके कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के युवा नेता तेजस्वी यादव की उनके अथक प्रचार अभियान के लिए सराहना की। सीएम स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'बिहार चुनाव परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव नतीजे कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक व वैचारिक गठबंधन, राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दर्शाते हैं।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता अनुभवी हैं, जो संदेश को समझने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा, 'इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग के कुकृत्यों और लापरवाह कार्यों को नहीं छिपा सकते। निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा अपने सबसे निचले स्तर पर है।'

एमके स्टालिन ने कहा कि देश के नागरिक ऐसे मजबूत और अधिक निष्पक्ष निर्वाचन आयोग के हकदार हैं, जिसके चुनाव संचालन से उन लोगों में भी विश्वास पैदा हो जिनकी जीत नहीं हुई। 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 243 सीटों में से 202 सीटें जीत लीं, जो राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय रच गया। जदयू के नेतृत्व वाले नीतीश कुमार ने अपनी 20 साल पुरानी सरकार को मजबूत आधार दिया, जबकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। विपक्षी महागठबंधन को मात्र 35 सीटें मिलीं, जो उनकी उम्मीदों पर पानी फेर गई।

दीपांकर भट्टाचार्य ने चुनाव नतीजों को अस्वाभाविक और समझ से परे बताया

पटना , एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में लेफ्ट पार्टियों को तगड़ा झटका लगा है। लेफ्ट पार्टियों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया , सीपीआइ और सीपीआई शामिल हैं। इन सभी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। 2020 में इन्होंने कुल 16 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार कुल मिलाकर केवल 3 सीटें ही हासिल कीं। माले ने दीपांकर भट्टाचार्य की चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे अस्वाभाविक और समझ से परे बताया। उन्होंने कहा, 2010 जैसा फिर से हो गया है। यह वाकई समझना मुश्किल है। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि 20 साल से सत्ता में ऐसी सरकार बैठी थी, जो पांच साल पहले बाल-बाल बची थी। मोदी सरकार खुद एक साल पहले अपने दम पर बहुमत नहीं ला सकी। डबल इंजन कैसे 2025 में ऐसा चमत्कार कर सकता है। उन्होंने कहा, यह बिहार की जमीन की हकीकत से बिल्कुल मेल नहीं खाता। लेकिन ऐसा हुआ तो है। इसलिए हमें सभी कोणों से जांच करनी होगी, सही जांच करनी होगी। धन हस्तांतरण भी अभूतपूर्व स्तर पर हुआ। लगभग 30 हजार करोड़ रुपये 3 करोड़ लाभार्थियों को नकद दिए गए। वह भी अभूतपूर्व था। हमें यह देखना होगा कि इसके क्या कारण हैं।

लोकतंत्र का संकट बताया

माले नेता ने कहा कि यह विपक्ष का संकट नहीं है। यह लोकतंत्र का संकट है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि विपक्ष के बिना लोकतंत्र एक ऑक्सीमोरॉन है। इसलिए मैं इसे लोकतंत्र का संकट मानता हूं। हमें देखना होगा कि यह क्यों हुआ। केवल विपक्ष के लिए क्यों? यह पूरे देश के लिए संकट है। वहीं, सीपीआई के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि नतीजे काफी अप्रत्याशित हैं। विपक्षी गठबंधन को और अधिक एकजुट प्रयासों की जरूरत है। बेबी ने कहा, 'नतीजे काफी अप्रत्याशित हैं। हमारा आकलन था कि निर्वाचन आयोग के दुरुपयोग, बिहार में बेरोजगारी की स्थिति और लोकतांत्रिक शासन के अभाव पर हमने जो व्यापक अभियान चलाया था।

जलगांव की केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 12 लोगों को बचाया गया

जलगांव , एजेंसी। महाराष्ट्र के जलगांव में एक कैमिकल फैक्ट्री मं भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री आग की लपटों में घिर गई। जलगांव नगर निगम की दमकल टीम और शहर के आसपास की 5 से 10 अन्य दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर पहुंची। आग बुझाने का प्रयास जारी है।

जिला कलेक्टर रोहन घुगे ने कहा कि एक केमिकल कंपनी में आग लग गई। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हम सरकार और नगर निगम प्रशासन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस इलाके में हर समय कम से कम दो दमकल गाड़ियां मौजूद रहें।

जानकारी के अनुसार, दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। लेकिन भारी मात्रा में ज्वलनशील केमिकल होने की वजह से आग को कंट्रोल करना मुश्किल हो रहा है।

सभी लोग सुरक्षित: फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन आग से काफी नुकसान होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के आग में फंसे होने की जानकारी सामने नहीं आई है। आग लगने के दौरान इमारत के अंदर 12 लोग थे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

इजरा स्ट्रीट पर कई मकानों और दुकानों में भीषण आग, मौके पर दमकल की 25 गाड़ियां

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भीषण आग लग गई है। यह आग इतनी भयानक है कि इसे बुझाने के लिए 25 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं, लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। यह घटना कोलकता के इजरा स्ट्रीट की है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल कर्मी पिछले कई घंटों से आग बुझाने की कोशिश में लगे हैं। आग एक इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस में लगी है। हालांकि, आग लगने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। 26 इजरा स्ट्रीट में मौजूद कई दुकानें और घर इस आग की चपेट में आ चुके हैं। मध्य कोलकाता के इजरा स्ट्रीट में शनिवार तड़के एक बिजली के उपकरण की दुकान में भयावह आग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और इसकी लपटें आस-पास की दुकानों व इमारतों तक फैल गईं। आग ने कई मकानों व दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। सुबह से एक- एक कर दमकल की अब तक 25 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर भयावह आग को नियंत्रित करने की कोशिश में जुटी है। आग बुझाने में हाइड्रोलिक लैडर का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाली इमारतों, संकरी गलियों और बड़ी संख्या में बिजली उपकरणों व ज्वलनशील पदार्थों के ढेर के कारण दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

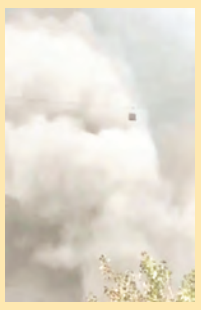

नाबालिग अपराधियों को भी मिल सकेगी अग्रिम जमानत...

कोलकाता हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

कोलकाता , एजेंसी। पुलिस ने अगर किसी को गिरफ्तार किया है और उसकी उम्र 18 साल से कम है, तो उसपर कितना भी संगीन आरोप क्यों न हो, वो व्यक्ति अग्रिम जमानत का हकदार होगा। यह फैसला हाल ही में कोलकाता हाईकोर्ट ने सुनाया है। कोलकाता हाईकोर्ट में 3 जजों की बेंच ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाते हुए कहा अभी तक सिर्फ वयस्कों को अग्रिम जमानत मिलती थी, लेकिन अब यह नियम नाबालिगों पर भी लागू होंगे।

कोलकाता हाईकोर्ट ने क्या कहा?: कोलकाता हाईकोर्ट में 3 जजों की बेंच जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थांकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराध में शामिल नाबालिग भी अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं। इसी के साथ कोलकाता हाईकोर्ट ऐसा फैसला सुनाने वाली देश की पहली अदालत बन गई है।

अब तक क्या था नियम?: कानून के जानकारों का मानना है कि यह फैसला सराहनीय है। अभी तक नाबालिग अपराधियों

को जूविनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया जाता था, जो यह तय करता था कि अरोपी को जमानत मिलेगी या नहीं। हालांकि, संगीन अपराध में शामिल आरोपी को अग्रिम जमानत देने का अधिकार बोर्ड के पास भी नहीं था।

2 जजों ने जताई सहमति: कोलकाता हाईकोर्ट में तीन में से 2 जजों ने इस फैसले का समर्थन किया है। जस्टिस सेनगुप्ता और जस्टिस घोष का कहना है कि नाबालिगों को अग्रिम जमानत देना सही है, लेकिन जस्टिस पटनायक ने इसका विरोध किया है। ऐसे में यह फैसला 2-1 से पास हुआ। अब कोई भी नाबालिग अपराधी अग्रिम जमानत के लिए अप्लाई कर सकता है।

दिल्ली में दर्दनाक मर्डर! मकान मालिक ने किराएदार को बंद कर 2 दिनों तक पीटा; मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक मकान मालिक ने अपने किराएदार की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मकान मालिक को शक था कि उसका किराएदार फोन हैक करने की कोशिश कर रहा है। यह घटना उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में सामने आई है। इस मामले के आरोपी इरशाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी उत्तर-पश्चिमी दिल्ली भीष्म सिंह ने कहा कि सुबह लगभग 5 बजे तमन्नी अपने रूममेट वीरेंद्र के साथ नाजिम से मिलने गया था। उसने दावा किया कि बुधवार और गुरुवार को उनके मकान मालिक इरशाद ने कमरे में बंद कर दिया और मुक्कों और बेल्ट से पिटाई की। इस दौरान इरशाद दो दिनों तक पिटाई करता रहा। तमन्नी और वीरेंद्र किसी तरह वहां से बच निकले और शुक्रवार को निजाम के घर पहुंचे। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि तमन्नी ने बुहत ज्यादा दर्ज होने के कारण स्थानीय क्लीनिक से दर्द निवारक दवाई ली थी।

मामले पर बाद करते हुए डीसीपी ने कहा कि उस रात उसकी हालत बहुत बिगड़ गई थी। हालत बिगड़ने के बाद उसे रात को करीब 10 एक डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टरों ने तमन्नी के पेट का अल्ट्रासाउंड करवाने की सला दी। शनिवार को अल्ट्रासाउंड हुआ तो पता चला कि उसके पेट में भारी मात्रा में खून जम गया है। इसके बाद तमन्नी को नाजिम और अन्य लोग शुभाष प्लेस पुलिस स्टेशन लेकर पहुंचे। तमन्नी के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। मामले की जांच करने के दौरान पुलिस ने इरशाद को रोहिणी से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान इरशाद ने बताया कि उसे शक था कि तमन्ने वजीरपुर की उसकी फैक्ट्री में हुई चोरी का वीडियो अपने फोन से डिलीट करने की कोशिश कर रहा था। डीसीपी ने बताया कि उसे शक था कि तमन्ने और वीरेंद्र ने उसके कुछ दुर्लभ सिक्के भी चुराए हैं, जिसे वो इकट्ठा किया करता था। इरशाद ने बताया कि उसके कुछ सिक्के गायब हो गए हैं।

बिहार चुनाव में बंट गए मुस्लिम वोटर; एआईएमआईएम ने दावा कर किन्हें ठहराया जिम्मेदार?

मुंबई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम में भाजपा की अगुवाई वाला एनडीए प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है। भाजपा 92 सीटों पर तो जदयू 83 पर आगे चल रहे हैं। राजद 26 तो कांग्रेस 4 पर सिमटती दिख रही है। एआईएमआईएम ने फिर चौंकाने वाला प्रदर्शन करते हुए 6 सीटों पर बढ़त बना ली है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने अपने बयान में कहा कि ऐसे नतीजे इसलिए देखने को मिले क्योंकि बिहार में मुस्लिम वोटर बंट गए।

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा कि राजद और कांग्रेस मुस्लिम वोटों को बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने भाजपा की बी टीम के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में कम से कम 7 सीटों पर जीत की उम्मीद जताई और कहा कि महागठबंधन की आरजेडी और कांग्रेस मुस्लिम वोटों को बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। हमारी पार्टी ने महागठबंधन में शामिल होने की पेशकश की थी। हमने तो महागठबंधन से केवल 6 सीटें ही मांगी थी। हमारे लिए बहुत बड़ी बात है कि हम इतनी सीटें जीत लेंगे। एआईएमआईएम नेता ने आगे कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोटर के बंट जाने के लिए राजद और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। हमने उनके साथ लड़ने का ऑफर दिया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

सिख जत्थे में पाकिस्तान गई पंजाब की महिला नहीं लौटी, सरबजीत ने नूर बनकर किया निकाह

चंडीगढ़, एजेंसी। बीते 4 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर 1932 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ अटारी बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान गई पंजाब की एक महिला गायब हो गई है। महिला की पहचान 52 वर्षीय सरबजीत कौर के तौर पर हुई है। वह अमैनीपुर, जिला कपूरथला की रहने वाली है। वह 1932 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ अटारी बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान गई थी। जत्था 10 दिनों तक विभिन्न गुरुधामों के दर्शन करने के बाद भारत लौट आया, लेकिन वापसी के समय सरबजीत कौर जत्थे में शामिल नहीं मिली। भारतीय एजेंसियों ने सरबजीत कौर की तलाश शुरू की तो सनसनीखेज खुलासा हुआ। पता चला है कि उसने अपना नाम बदल कर नूर हुसैन रख लिया और पाकिस्तानी युवक नासिर हुसैन से निकाह कर लिया है।

शुरू में सरबजीत के लापता होने की सूचना मिली थी, लेकिन जांच में पता चला कि वह पूरी योजना बनाकर पाकिस्तान गई थी। इस खुलासे से भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ गई है। सरबजीत का निकाहनामा एजेंसियों के हाथ लगा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह इसी मंशा से पाकिस्तान गई थी।

इमिग्रेशन पर भरा अधूरा फॉर्म : पाकिस्तानी इमिग्रेशन पर भरे गए फॉर्म में सरबजीत कौर ने अपनी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां खाली छोड़ दी थी।

राजस्थान को मिलेगा नया मुख्य सचिव, 1989 बैच के वी श्रीनिवास की ताजपोशी लगभग पक्की

केंद्र से मिली क्लियरेंस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में नए मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर तेज़ी से प्रोसेस आगे बढ़ चुका है। 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी श्रीनिवास का अगला मुख्य सचिव बनना लगभग निश्चित माना जा रहा है। उनके नाम पर राज्य सरकार ने एक दिन पहले ही औपचारिक मंजूरी देते हुए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। अब केंद्र सरकार ने उन्हें रिलीव करते हुए आदेश जारी कर दिए हैं। इसके बाद प्रदेश सरकार कभी भी औपचारिक आदेश जारी कर सकती है।

राजस्थान के वर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत 30 नवंबर को रिलीव हो रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक परंपरा के अनुसार नए मुख्य सचिव की नियुक्ति इससे पहले ही सुनिश्चित करनी होती है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने तेजी दिखाते हुए श्रीनिवास के नाम को केंद्र भेजा और उसी गति से केंद्र ने भी उनकी सेवाएं वापस राज्य को लौटा दीं।

राजस्थान में वर्तमान में 1988 बैच के एकमात्र आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल हैं, जो दिसंबर में रिटायर होने वाले हैं। इसके बाद 1989 बैच के वी श्रीनिवास प्रदेश के सबसे सीनियर अधिकारी बन जाएंगे।

अगर उन्हें मुख्य सचिव नियुक्त किया जाता है तो किसी वरिष्ठ अधिकारी को सचिवालय से बाहर भेजने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रशासनिक परंपरा के अनुसार मुख्य सचिव से ज्यादा सीनियर अफसर सचिवालय में नहीं रहते। वी श्रीनिवास ने गुरुवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इसी मुलाकात के बाद उन्हें केंद्र से रिलीव कराने के लिए राज्य सरकार ने औपचारिक प्रक्रिया तेज कर

दी थी। अब केंद्र की मंजूरी के बाद उनकी नियुक्ति का रास्ता लगभग साफ हो गया है। वी श्रीनिवास सितंबर 2026 में रिटायर होंगे। मुख्य सचिव बनने की स्थिति में वे लगभग 10 महीने ही इस पद पर रहेंगे। हालांकि, केंद्र सरकार चाहें तो उन्हें छह-छह महीने के दो एक्सटेंशन भी दे सकती है। इससे पहले भी राजस्थान में कई मुख्य सचिवों को विस्तार मिलता रहा है। श्रीनिवास का कैरियर विविध भूमिकाओं और महत्वपूर्ण पदों से भरा रहा है। वे पूर्व विदेश मंत्री और वित्त मंत्री जसवंत सिंह के निजी सचिव रह चुके हैं। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वॉशिंगटन में भारत के कार्यकारी निदेशक के तकनीकी सहायक भी रहे। केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं और राज्य सरकार की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। ऐसे में अब यह केवल समय की बात है कि कब मुख्यमंत्री कार्यालय उन्हें नया मुख्य सचिव नियुक्त करने का औपचारिक आदेश जारी करता है।

चौंकने की जरूरत नहीं... बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर संजय राउत ने बताया महाराष्ट्र मॉडल

मुंबई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। भाजपा और जेडीयू के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में आता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसे में विपक्षी नेताओं ने एक बार फिर से निर्वाचन आयोग और वोट चोरी के मुद्दे को उठाना शुरू कर दिया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने बिहार विधानसभा चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसकी तुलना महाराष्ट्र चुनाव से की। उन्होंने कहा कि बिहार के नेताओं को नतीजों से चौंकने की जरूरत नहीं है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर शिवसेना यूबीटी नेता ने बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों को लेकर चुनाव आयोग पर तंज कसा। उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग सत्ता में आने वाले होते हैं, वह इनकी मिलीभगत की वजह से 50 सीटों के भीतर ही सिमट जाते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

जलवायु संकट की भयावह तस्वीर

एक तरफ जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयासों की गति धीमी पड़ रही है। दुनिया भर में हो रहे नए-नए अध्ययन और वैज्ञानिक शोध चेतावनी देते रहे हैं कि अगर समय रहते इस दिशा में प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो निकट भविष्य में इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों से जलवायु परिवर्तन का भारत समेत पूरी दुनिया में प्रभाव साफ दिखने लगा है।ब्राजील के बेलेम में आयोजित काप 30 सम्मेलन में बुधवार को जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' की रपट में कहा गया है कि जलवायु आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत नौवें स्थान पर है। पिछले तीन दशकों में देश में जलवायु आपदाओं के कारण करीब अस्सी हजार लोगों की जान जा चुकी है। सरकार की ओर से इस संकट से निपटने को लेकर किए जा रहे दावों के बीच ये आंकड़े वास्तव में चिंताजनक है। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि सरकारी प्रयासों को अभी और व्यापक करने तथा उन्हें गति देने की जरूरत है।रपट के मुताबिक, जलवायु आपदाओं से वर्ष 1995 से 2024 तक लगभग 170 अरब अमेरिकी डालर का आर्थिक नुकसान हुआ है। जान-माल का सबसे ज्यादा नुकसान बाढ़, चक्रवात, सूखा और तेज गर्मी के कारण हुआ है। इसके पीछे बढ़ता वैश्विक ताप भी एक बड़ा कारक है, जो जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। भारत में यह स्थिति निरंतर खतरे का संकेत दे रही है, क्योंकि बार-बार होने वाली मौसमी आपदाओं से जहां विकास की गति कमजोर होती है, वहीं आम लोगों की आजीविका भी प्रभावित होती है।रपट में कहा गया है कि पिछले वर्ष भारत में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से अस्सी लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। हालांकि, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और वन आवरण बढ़ाने जैसे कई कदम उठाए हैं, लेकिन इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से अमल में लाने की जरूरत है।अगर वैश्विक स्तर पर बात करें, तो पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने आठ लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी लील ली है। यह बात छिपी नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर उन्हीं विकासशील देशों को झेलना पड़ रहा है, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भागीदारी सबसे कम है।विकासशील देश कमजोर सहन क्षमता और अनुकूलन के सीमित संसाधनों के कारण ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। भारत सहित कई विकासशील देशों में जलवायु आपदाएं सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं, जिसके लिए तत्काल और व्यापक वित्त पोषित अनुकूलन उपायों की जरूरत है।यह जगजाहिर है कि कार्बन उत्सर्जन के मामले में विकसित देशों का योगदान सबसे ज्यादा है, इसलिए अनुकूलन उपायों को लेकर उनकी जिम्मेदारी भी अधिक होनी चाहिए। उनकी भूमिका सिर्फ वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कार्बन उत्सर्जन में कमी और कमजोर देशों के अनुकूलन प्रयासों का समर्थन करना भी शामिल है।

जब बिहार की महिलाओं ने संभाली लोकतंत्र की कमान, समाज को दी नई दिशा

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार अब तक का सर्वाधिक मतदान हुआ है। इसके साथ ही जो सुखद तस्वीर सामने आई, वह है लोकतंत्र के इस पर्व में महिला मतदाताओं की बढ़-चढ़ कर भागीदारी। यह न केवल महिलाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है, बल्कि समाज में जागरूकता का संदेश भी देता है। राज्य की महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि वे अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने अधिकारों और कर्तव्य के प्रति सजग हैं। इसी का नतीजा है कि राज्य के अब तक के चुनावी इतिहास में इस बार महिलाएं मतदान में पुरुषों से कहीं आगे रहीं।चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले चरण में 61.56 फीसद पुरुषों के मुकाबले 69.04 फीसद महिलाओं ने मतदान किया। यह सिलसिला दूसरे चरण में भी जारी रहा और 64.01 फीसद पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का मतदान 74.03 फीसद रहा। यह परिदृश्य राजनीति और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सशक्त होती भूमिका को रेखांकित करता है।बिहार में महिलाएं कई स्तरों पर जागरूक हुई हैं। उनका दायरा अब घरों तक सीमित नहीं है। मतदान के प्रति महिलाओं का बढ़ता उत्साह इस बात का प्रमाण है कि वे देश और राज्य की समस्याओं से अवगत हैं और उन्हें दूर करने में वे अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहती हैं।

घृणा को प्रेम में बदलती है और संघर्ष को सहयोग में परिवर्तित करती है। यही संतुलित, शांत और सुंदर जीवन की दिशा है। इसलिए विश्व दयालुता दिवस कोरा आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक होना चाहिए, यह दिवस एक प्रेरणा है कि हम फिर से मनुष्य बनें, अपने भीतर की करुणा को जगाएं और दुनिया को प्रेम व सहानुभूति से भर दें। जब हम दूसरों के प्रति दयालु बनते हैं, तो हम न केवल समाज में शांति फैलाते हैं, बल्कि अपने भीतर भी दिव्यता का अनुभव करते हैं। यही दया का वास्तविक चमत्कार है-जो जीवन को संतुलित बनाता है और दुनिया को फिर से मानव बनाता है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

करुणा एवं संवेदनाओं से ही दुनिया में संतुलन संभव

(ललित गर्ग)

विश्व दयालुता दिवस मनाने की पहल सबसे पहले 1998 में 'वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट' नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने की थी, जिसका उद्देश्य था-मानवता में करुणा, सहानुभूति और प्रेम के बीजों को फिर से सींचना। इस दिन का मकसद यह स्मरण कराना है कि दया कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी संस्कार होना चाहिए। आज का मनुष्य जितनी तीव्रता से भौतिक प्रगति कर रहा है, उतनी ही तेजी से मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है। विज्ञान ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, परंतु उसने मनुष्य को आत्मकेंद्रित भी कर दिया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद, स्वार्थ और सत्ता की भूख ने मनुष्य के भीतर की दयालुता को जैसे कुंद कर दिया है। ऐसे समय में जब विश्व हिंसा, आतंक, युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और वैमनस्य के दौर से गुजर रहा है, तब विश्व दयालुता दिवस मनाने का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सभ्यता के विकास की असली पहचान तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की करुणा, सहानुभूति और प्रेम से होती है। दयालुता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मनुष्य को पशुता से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाती है। इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने दया, करुणा और प्रेम को अपनाया, वहीं शांति और समृद्धि का आधार बने। बुद्ध, महावीर, यीशु और गांधी जैसे महापुरुषों ने दया को जीवन की सबसे बड़ी साधना माना। महात्मा गांधी ने कहा था, अहिंसा कोई निष्क्रिय वस्तु नहीं, यह सबसे सक्रिय और जीवंत शक्ति है। दयालुता उसी अहिंसा की आत्मा है, जो मनुष्य को दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ती है। आज जब दुनिया में युद्ध की विभीषिका मंडरा रही है, जब समाज हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से आक्रांत है, तब दया और करुणा का महत्त्व केवल नैतिकता का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यूक्रेन-रूस युद्ध, गाजा और इस्राइल का संघर्ष, आतंकवाद की विभीषिका और भीतर तक उतर चुकी नफरत की राजनीति-ये सब इस बात के संकेत हैं कि हमने दयालुता को अपने जीवन से बाहर कर दिया है। मनुष्य ने मशीनों की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। संवेदना की जगह संदेह ने ले ली है, और करुणा की जगह क्रूरता ने। ऐसे में विश्व दयालुता दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम अब भी मनुष्य बचे हैं या केवल उपभोग की दौड़ में शामिल यांत्रिक प्राणी बन गए हैं। विश्व दयालुता दिवस मनाने की पहल सबसे पहले 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने की थी, जिसका उद्देश्य था-मानवता में करुणा, सहानुभूति और प्रेम के बीजों को फिर से सींचना। इस दिन का मकसद यह स्मरण कराना है कि दया कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी संस्कार होना चाहिए। दयालुता एक ऐसी भाषा है जो सभी सीमाओं, धर्मों, भाषाओं और विचारधाराओं से परे है। यह वह सूत्र है जो मनुष्यता को जोड़ता है, जो टूटे हुए रिश्तों में प्राण फूंकता है। आज की दुनिया में भौतिक विकास ने व्यक्ति को आराम तो दिया है, लेकिन आत्मिक शांति छीन ली है। हर कोई सफलता की होड़ में है, पर किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। परिवारों में संवाद घट गया है, समाज में सहयोग की भावना कम हुई है, और राजनीति में विरोध ने वैमनस्य का रूप ले लिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में हम जुड़ते तो बहुत हैं, पर वास्तव में अलग-थलग पड़ गए हैं। दया और करुणा की कमी के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, आत्महत्या और असंतोष जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एकमात्र उपाय है-दयालुता की भावना को जीवन का आधार बनाना। दयालुता केवल दूसरों के प्रति व्यवहार नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का माध्यम है। जब हम किसी की सहायता करते हैं, किसी के दुःख को समझते हैं, किसी की भूल को माफ करते हैं, तब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को भी दूर करते हैं। दयालु व्यक्ति न केवल समाज को सुंदर बनाता है, बल्कि स्वयं के भीतर भी शांति का अनुभव करता है। करुणा से मनुष्य का हृदय विस्तृत होता है, दृष्टि उदार होती है, और जीवन में संतुलन आता है। आज की जटिल दुनिया में संतुलन खोना बहुत आसान है। मनुष्य अपनी इच्छाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं में उलझकर आत्मविनाश की ओर बढ़ रहा है। पर्यावरण का संकट, सामाजिक विषमता, नैतिक पतन-ये सब उसी असंतुलन के परिणाम हैं, जहाँ दयालुता और करुणा का स्थान स्वार्थ और लोभ ने ले लिया है। यदि मनुष्य में करुणा का भाव जाग जाए, तो न युद्ध रहेगा, न आतंकवाद, न हिंसा। दुनिया में जितनी भी क्रूरताएं हुई हैं, वे दया के अभाव से हुई हैं। अतः दया केवल नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि विश्व शांति का आधार है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-जब तक एक भी जीव भूखा या दुखी है, तब तक तुम्हारी उपासना अधूरी है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म केवल पूजा या प्रार्थना नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव है। यदि दयालुता जीवन का हिस्सा बन जाए, तो धर्म अपने वास्तविक रूप में प्रकट होता है। चाहे वह जैन धर्म का अहिंसा परमो धर्मः का संदेश हो या बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, सभी ने दया को ही मानवता की सर्वोच्च साधना माना है। वास्तव में दया का अर्थ केवल किसी पर कृपा करना नहीं है, बल्कि दूसरों के दुख को अपना समझना है। दया एक ऐसी ऊर्जा है जो न केवल संबंधों को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में सह-अस्तित्व की भावना को भी जन्म देती है। आज जब मनुष्य अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहा है, तो दया ही वह सूत्र है जो जीवन में संतुलन और अर्थ दोनों ला सकती है। हम देख रहे हैं कि दुनिया में तकनीकी शक्ति बढ़ रही है, परंतु नैतिक और भावनात्मक शक्ति घट रही है। युद्ध और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। दया और करुणा से ही समाज टिकता है, सभ्यता बचती है, और मनुष्य अपने भीतर के अंधकार को पहचान पाता है। विश्व दयालुता दिवस इसलिए हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे जीवन में दयालुता का स्थान बचा है? क्या हम अपने व्यवहार में दूसरों के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशील हैं? दयालुता की शुरुआत बहुत छोटे-छोटे कार्यों से होती है-किसी की सहायता करना, किसी के प्रति मधुर बोल कहना, किसी की गलती को क्षमा करना, या किसी जरूरतमंद की मदद करना। इन छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं। यही छोटे कदम मिलकर समाज में बड़ी करुणा की लहर पैदा करते हैं। जैसे एक दीपक अंधकार को मिटा देता है, वैसे ही एक दयालु कर्म हजारों हृदयों में प्रकाश फैला सकता है। आज जब दुनिया को हथियारों से नहीं, दिलों से जीतने की जरूरत है, तब दयालुता को जीवन का आधार बनाना सबसे बड़ी मानव सेवा है।

हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुप्रीम टिप्पणी

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। देश भर में नेशनल हाईवे व शहर के अंदर व आउटर में संचालित होटलों, ढाबों के किनारे भारी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रोड पर जहां-तहां वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। सड़क किनारे खड़े ऐसे वाहन अन्य वाहन चालकों और यात्रियों के लिए यमदूत साबित हो रहे हैं। बीती 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फालौदी और तेलंगाना के श्रीकाकुलम के सड़क हादसों में 37 लोगों की मौत पर सुओ मोटो कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा की गंभीर खामियों पर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान हाईवे के किनारे अवैध ढाबों पर भी चिंता जताई। कहा कि इन ढाबों पर आने वालों की गाड़ियां हाईवे पर खड़ी रहती हैं, जिनसे हादसे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सड़क किनारे मौजूद ढाबों और सड़क मेंटेनेंस की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस जे.के. महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर एक सर्वे कराया जाए, जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे ऐसे क्षेत्रों में बनाए गए हैं जो इस तरह की सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं है यानी अवैध ढाबों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। यातायात के नियमों के मुताबिक, हाईवे के किनारे सड़क पर ट्रक व अन्य वाहन खड़े नहीं किए जा सकते हैं। शीर्ष न्यायालय की टिप्पणी के आलोक में बात की जाए तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। जिम्मेदार विभाग और सरकार की चतुराई यह होती है कि वह समस्या के मूल में जाने की बजाय जांच और फौरी कार्रवाई में लग जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। हर हादसे के बाद पुरानी तंत्र पुरानी स्क्रिप्ट को दोहराता है। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5914

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5913

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5914

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति का रिकॉर्ड अब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के नाम दर्ज हो गया है यह भारत के इस राज्य में स्थित है (4)
5. यह कुल्लु घाटी के उत्तरी छोर के निकट व्यास नदी की घाटी में स्थित एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)
8. लय करने वाला (4)
9. ब्रोकर, मध्यस्थ, बिचौलिया (3)
10. जंगल, अरण्य, वन (3)
12. स्तुति करने वाला, स्तुति वादक (3)
15. शास्त्रीय संगीत में एक राग (3)
17. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम (2)
18. स्वर्ण-चांदी का व्यवसाय करने वाला, एक प्रसिद्ध टीवी चैनल (2)
21. इस देश को ग्रीस भी कहते है (3)
22. तपस्वी, ध्यानी, वाकसंयमी, साधु (2)
23. खत, चिटठी (2)
24. बेटी का बेटा
25. बूंद-बूंद गिरना, ऊपर से सहसा गिरना (4)

ऊपर से नीचे
1. चुने हुए फूलों का गुच्छा (4)
2. महत्वपूर्ण विजय, सफलता, फिल्म शोले मे अमिताभ बच्चन का यह नाम था (2)
3. पूर्णिमा की रात को यह भी कहा जाता है (2)
4. ढंग, प्रकार, उपाय, युक्ति (3)
5. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार (6)
6. गंदा पानी बहने का एक कृत्रिम जल मार्ग (2)
7. निगलना, भोजन आदि का गले से पेट में उतारना (3)
11. मना करना, न मानना (4)
13. अपने देश का निवासी (3)
14. मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
16. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
19. सितारा, दक्षसुता, तारा, चंद्रगृह (3)
20. विचार करना, शोक करना, खेद होना (3)
21. इकाई, सैल, दस्ता (3)
23. कच्चे आम या इमली का बना पेय (2)

वर्ग पहेली 5913 का हल

आ	ग	रा			भा	र	त
शा	म	त	ज	दा		वि	
		औ	टा	ना		वा	र
अ	स	र		ई	थ	र	
	मं	दि	र				
	द	न	द	ना	ना		पा
छो	र		प	ह	ना	वा	
टा		स्टे	ट	र		रि	श्ता

आज का राशिफल

मेष
नया व्यवसाय आरम्भ कर सकते हैं। गले में इन्फेक्शन और जुकाम की समस्या हो सकती है। किसी दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आप योजना बना सकते हैं। किसी को बिना माँगे राय न दें। अपने व्यवहार को लेकर लोगों के बीच केन्द्र बने रहेंगे।

वृष
आप आज काफी ज्यादा व्यस्त रहेंगे। कारोबार में आपको अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त होगा। उलझे हुये मामलों को आप सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी की सलाह आपके काफी काम आने वाली है। अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपकी सेहत बहुत ही अच्छी रहेगी।

कर्क
मानसिक अशान्ति के कारण एकाग्रता में कमी रहेगी। एक साथ अनेक कार्य करने पड़ेंगे। बच्चों के ऊपर गर्व की अनुभूति होगी। दोस्तों पर आँख-मूँदकर विश्वास न करें। कुछ इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज खराब हो सकती हैं। नींद पर्याप्त मात्रा में अवश्य लें।

सिंह
दाम्पत्य जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा। आपको नयी जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। जोखिम भरे निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। साझेदारी वाले व्यवसाय में विशेष उन्नति की सम्भावना बन रही है। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन
आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। तनाव आपके ऊपर हावी हो सकता है। धन उधार देने से आपको बचना चाहिये। पेट खराब होने की सम्भावना है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या
आपको अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है। गलत कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। बच्चों की परवरिश पर ध्यान अवश्य दें। ऑनलाइन पेमेन्ट आदि के दौरान विशेष सावधानी रखें। धैर्य में कमी होने के कारण महत्वपूर्ण अवसरों को खो सकते हैं।

तुला
नया कारोबार शुरू करने के योग बन रहे हैं। नयी सम्पत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। आप सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पुराने मित्रों से अपेक्षित सहायता मिलेगी। पति-पत्नी के मध्य आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा। रक्तचाप की समस्या से निजात मिल सकती है।

वृश्चिक
व्यापार में कुछ कमी महसूस होगी। दाम्पत्य सम्बन्धों में निकटता बढ़ेगी। आपको सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है। आज बहुत सारा समय आत्ममन्थन में व्यतीत होगा। सोशल मीडिया पर आप महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं।

मकर
आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। तकनीकी विषयों के अध्ययन में आप रुचि ले सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के साथ हँसी-मजाक भरा समय बितायेंगे। मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा।

कुंभ
नयी वस्तुओं को खरीद सकते हैं। पुराने ऋणों को चुकाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। घर के अनुभवी सदस्यों से राय अवश्य लें। व्यापारियों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान दें। प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

धनु
आपको दूसरो पर अधिक निर्भर होने से बचना चाहिये। अपनी आवश्यकताओं से अधिक धन खर्च न करें। आपके भीतर नयी ऊर्जा का संचार होगा। कड़ी मेहनत के बाद ही सफलता मिलेगी। गृहकार्यों में पूरा ध्यान नहीं दे पायेंगे। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं।

मीन
समाज में आपको मान-सम्मान की चिन्ता रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों से बहसबाजी न करें। नयी व्यापारिक साझेदारी होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी पूर्वक बयानबाजी करनी चाहिये। उपकरणों में खराबी आ सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास

● टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बने

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इस मामले में पंत ने पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऋषभ पंत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 24 गेंदों का सामना करते हुए 27 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 छक्के और 2 चौके निकले। ऋषभ पंत ने टेस्ट करियर के 48 मुकाबलों में अब तक 92 छक्के लगाए हैं। वहीं, वीरेंद्र सहवाग 103 टेस्ट मुकाबलों में 90 छक्के लगा सके थे। इस लिस्ट में रोहित शर्मा तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 67 टेस्ट मुकाबलों में 88 छक्के लगाए। 88 टेस्ट में 80 छक्कों के साथ रवींद्र जडेजा चौथे पायदान पर मौजूद हैं। धोनी लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने 90 टेस्ट में 78 छक्के लगाए। ईडन गार्डन्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने मेहमान साउथ अफ्रीका के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली है।

कोलकाता टेस्ट: खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स हुआ:साउथ अफ्रीका 63 रन से आगे

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मैच का दूसरा दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है। साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 93 रन बना लिए हैं। टीम को 63 रन की लीड मिल गई है। टेम्बा बावुमा और कॉर्बिन बॉश क्रीज पर हैं। मार्को यानसन (13 रन) को कुलदीप यादव और काइल वेरिने (9 रन) को अक्षर पटेल ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स (5 रन) को रवींद्र जडेजा ने बोल्ड करके भारत में 250 विकेट पूरे कर लिए। इससे पहले भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन बनाए। उसे 30 रन की बढ़त मिली थी। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन की वजह से पहले सेशन में रिटायर हर्ट हो गए थे।

बाबर आजम ने शतक ठोककर मचाया कोहराम, वार्नर, रोहित, सचिन सबको एक साथ छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार को रावलपिंडी में खेला गया और इस मैच में पाकिस्तान की टीम को 8 विकेट से जीत मिली। पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा और उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीता था और फिर पहले खेलते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 288 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में 2 विकेट पर 289 रन बनाकर मैच जीत लिया। बाबर आजम 102 रन पर जबकि मोहम्मद रिजवान 51 रन पर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे। बाबर का वनडे में ये 20वां शतक रहा और उन्होंने इस शतकीय पारी के दम पर रोहित, तेंदुलकर, वार्नर जैसे दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना शतक 806 दिन के बाद लगाया। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने अपने वनडे करियर का 20वां शतक लगाया और इसके साथ ही वो इस प्रारूप में सबसे कम पारियों में 20 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। बाबर ने वनडे में अपना 20वां शतक 136वीं पारी में लगाया और डेविड वार्नर, क्विंटन डिकॉक, एबी डिविलियर्स, रोहित शर्मा, रॉस टेलर और सचिन तेंदुलकर को एक साथ पीछे छोड़ दिया।

● वनडे में सबसे कम पारियों में 20 शतक लगाने वाले बैटर्स

108 - हाशिम अमला
133 - विराट कोहली
136 - बाबर आजम
142 - डेविड वार्नर
150 - क्विंटन डिकॉक
175 - एबी डिविलियर्स
183 - रोहित शर्मा
195 - रॉस टेलर
197 - सचिन तेंदुलकर

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, 32 गेंदों में ठोका तूफ़ानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से क्रिकेट जगत को चौंका दिया। दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप राइजिंग स्टार्स के पहले ही मैच में सूर्यवंशी ने सिर्फ 32 गेंदों में शतक ठोक इतिहास रच दिया। उनकी यह पारी 10 चौकों और 9 लंबे छक्कों से सजी रही। यह भारत की ओर से संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ टी20 शतक है।

दूसरा सबसे तेज़ भारतीय टी20 शतक

सूर्यवंशी का 32 गेंदों का शतक भारतीय बल्लेबाज़ों में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सबसे तेज़ (28 गेंदों) टी20 शतक का रिकॉर्ड उर्विल पटेल और अभिषेक शर्मा के नाम है। इससे पहले 14 वर्षीय बिहार के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ ने आईपीएल2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में शतक जमाया था।

पारी की झलकियां: 17 गेंदों में पचासा, 15 गेंदों में अगला पचासा

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत, की खराब शुरुआत हुई जब उनके साथी प्रियांश आर्या जल्दी आउट हो गए। लेकिन सूर्यवंशी ने कोई दबाव नहीं दिखाया और शुरू से ही आक्रामक अंदाज़ अपनाया। सूर्यवंशी ने हर्षित कौशिक के एक ही ओवर में 30 रन (4 छक्के, 1 चौका) ठोक डाले। यह स्कोर भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में चौथा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है।

भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज़ टी20 शतक:

1. उर्विल पटेल - 28 गेंदें, गुजरात बनाम त्रिपुरा, इंदौर, 2024
2. अभिषेक शर्मा - 28 गेंदें, पंजाब बनाम मेघालय, सौराष्ट्र, 2024
3. ऋषभ पंत - 32 गेंदें - दिल्ली बनाम हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, 2018
4. वैभव सूर्यवंशी - 32 गेंदें - भारत ए बनाम यूएई, दोहा, 2025*

युवा सितारों से भरी टीम

भारत इस टूर्नामेंट में एक मज़बूत मिश्रण के साथ उतरा है जिसमें कई उभरते आईपीएल खिलाड़ी शामिल हैं। हालाँकि यह टूर्नामेंट -23 खिलाड़ियों के लिए होता है, लेकिन इस बार चयनकर्ताओं ने जितेश शर्मा जैसे कुछ अनुभवी नामों को भी टीम में जगह दी है।

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल:

भारतीय मुक्केबाजों के पास घरेलू दर्शकों के बीच ताकत दिखाने का मौका

नोएडा, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी बदलाव के दौर से गुजर रही है। खेल की नई अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था, विश्व मुक्केबाजी, ने नया प्रतियोगिता कैलेंडर, प्रारूप और रैंकिंग प्रणाली तैयार की है। भार वर्ग को घटाकर 13 से 10 कर दिया गया है। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए विश्व मुक्केबाजी कप की सीरीज शुरू की गई। ग्रेटर नोएडा में शनिवार से विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल शुरू हो रहा है।

कैलेंडर का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट, विश्व चैंपियनशिप, सितंबर में आयोजित किया गया था। ग्रेटर नोएडा में ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व पदक विजेताओं और विश्व कप चरण विजेताओं में अंतरराष्ट्रीय सितारों की अच्छी-खासी संख्या देखने को मिलेगी। उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और चीनी ताइपे जैसे शीर्ष

मुक्केबाजी देशों की मौजूदगी इस प्रतियोगिता को कठिन बना रही है। चीन इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है। पुरुषों में, विश्व कांस्य पदक विजेता इंग्लैंड के कामारा ओडेल पॉली और पोलैंड चरण के स्वर्ण पदक विजेता इटली के अत्रातिवो साल्वाटोर पर सबकी नजर रहेगी।

भारत के लिए टूर्नामेंट अहम है। हाल ही में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में चार महिला मुक्केबाजों मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा), विजेता नूपुर श्योराण (+80 किग्रा), और कांस्य पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) सभी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) भी हिस्सा ले रही हैं।

पेरिस ओलंपियन प्रीति पवार 54 किग्रा वर्ग में साक्षी चौधरी की जगह टीम में वापसी कर रही हैं। भारतीय पुरुष टीम में हितेश (70 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), जदुमणि मंदेंगबाम (50 किग्रा), और लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) से उम्मीदें होंगी। इन सभी ने विश्व कप के विभिन्न चरणों में प्रभावित किया है। इससे घरेलू मैदान में इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद बढ़ गई है।

डब्ल्यूएफआई का बड़ा फैसला, अमन सहरावत और नेहा सांगवान पर लगा निलंबन हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शुक्रवार को ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत और जूनियर पहलवान नेहा सांगवान पर लगा निलंबन हटा लिया। इन दोनों पहलवानों को इस साल की शुरुआत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में अधिक वजन का पाए जाने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस फैसले का मतलब है कि दोनों पहलवान प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के आगामी चरण की नीलामी में भाग ले सकेंगे।

क्या हुआ था निलंबन?

पेरिस खेलों के कांस्य पदक विजेता अमन को सितंबर में क्रोएशिया के जगरेब में विश्व चैंपियनशिप के दौरान अधिक वजन के कारण निलंबित कर दिया गया था जबकि नेहा को अगस्त में बुल्गारिया के समोकोव में जूनियर विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद निलंबन सामना करना पड़ा था। दोनों पहलवानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अमन को 22 सितंबर और नेहा को 25 अगस्त को भेजे गए नोटिस के जवाब क्रमशः 28 सितंबर और 18 सितंबर को प्राप्त हुए। जगरेब प्रतियोगिता के लिए नियुक्त कोचों को भी नोटिस जारी किए गए थे।

पहली गलती के मांगी माफी

डब्ल्यूएफआई के अनुसार पहलवानों ने अपने लिखित बयान में इस घटना को अपनी पहली गलती बताया और महासंघ को आश्वासन दिया कि इस तरह के उल्लंघन दोबारा नहीं होंगे। डब्ल्यूएफआई अनुशासन समिति की 13 नवंबर को हुई बैठक में इन दोनों के जवाबों की जांच की गई और पाया गया कि दोनों पहलवानों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए समिति ने उनकी पिछली उपलब्धियों को देखते हुए उनके प्रति नरम रुख अपनाने की सिफारिश की। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने सिफारिश को स्वीकार करते हुए उनके निलंबन को हटाने और उन्हें भविष्य की सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति देने का आदेश जारी किया।

जापान मास्टर्स:

सेमीफाइनल में केंटा निशिमोता से हारे लक्ष्य सेन, जापान मास्टर्स में सफर हुआ समाप्त

कुमामोतो, एजेंसी। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। भारत के स्टार एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। लक्ष्य को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोता से हार मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था, लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे।

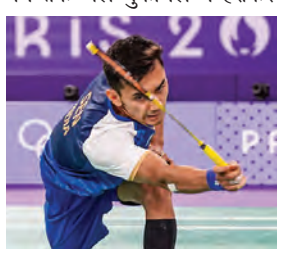

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक तीन साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्तिक कुमार ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में 10,000 मीटर में रजत पदक जीता था। कार्तिक का तीन साल का निलंबन 10 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार को यूएस एंटी-डोपिंग एजेंसी ने तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है। उन्होंने इस प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान लिए गए उनके दो आउट-ऑफ-कम्पटीशन नमूनों में प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स की मौजूदगी पाई गई थी। USADA को सूचना मिलने के बाद इसी साल 27 फरवरी को कार्तिक का परीक्षण किया गया। 19 मार्च 2025 को उनका दूसरा परीक्षण हुआ। दोनों नमूने पॉजिटिव पाए गए। USADA ने बयान में कहा, 'भारत के सहारनपुर के एथलीट कार्तिक कुमार ने कई प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव परीक्षण के बाद तीन साल के प्रतिबंध को स्वीकार किया है। हम ऐसे महत्वपूर्ण टिप्स के लिए आभारी हैं, जो हमें खेल की निष्पक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं।' 26 वर्षीय कार्तिक कुमार ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में 10,000 मीटर में रजत पदक जीता था। कार्तिक का तीन साल का निलंबन 10 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था।

एशियाई तीरंदाजी में अंकिता और धीरज ने स्वर्ण पदक जीता, दीपिका कांस्य जीतने का मौका चूकीं

ढाका, एजेंसी। भारत के अंकिता भकत ने दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को 7-3 से हराकर और भारतीय धीरज बोम्मादेवरा ने हमवतन राहुल को 6-2 से हराकर शुक्रवार को ढाका में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल शूट-ऑफ में पूर्व विश्व नंबर 1 दीपिका कुमारी को हराने वाली अंकिता भकत की जीत विशेष इसलिए भी है क्योंकि दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता रही हैं।

अंकिता ने नाम के खिलाफ पहला सेट 29-27 से जीता। दूसरा सेट 27-27 पर समाप्त हुआ। तीसरा सेट नाम ने 28-26 से जीता। चौथे सेट में भारतीय तीरंदाज ने शानदार वापसी की और 29-28 के शानदार प्रयास से दो 10 अंक लगाकर 5-3 की बढ़त बना ली। निर्णायक सेट में अंकिता ने भी संयम बनाए रखा और दो 10 अंक लगाए। इस प्रदर्शन के आधार पर उन्हें पहला एशियाई व्यक्तिगत स्वर्ण पदक मिला। संगीता ने अनुभवी दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में 6-5 से हराकर महिला रिकर्व स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। पुरुषों के फाइनल में, धीरज ने पहला और तीसरा सेट बराबर किया, जबकि दूसरा और चौथा सेट जीतकर राहुल पर आसान जीत हासिल की।

धीरज एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जंग चाएवान के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इससे पहले, यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की पुरुष रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया की दिग्गज टीम को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराकर 18 वर्षों में अपना पहला एशियाई चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता।

फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर क्रोएशिया ने विश्व कप में बनाई जगह

रिजेका (क्रोएशिया)एजेंसी। क्रोएशिया ने विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में फरो आइलैंड्स पर 3-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ क्रोएशिया ने विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। 16वें मिनट फरो आइलैंड्स ने मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली थी। गेजा डेविड तुरी ने मिडफील्ड में ब्रेक का फायदा उठाते हुए एक तेज शॉट लगाया, जो क्रोएशिया के गोलकीपर के पास से निकल गया। हालांकि, क्रोएशिया ने परिपक्वता और सटीकता के साथ कुछ ही देर में जवाब दिया। सात मिनट बाद, डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल ने कोने में शॉट मारकर बराबरी हासिल की। 23वें मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था।

यहां से क्रोएशिया ने मिडफील्ड में खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। मुकाबले के 57वें मिनट जोसिप स्टैनिसिक ने दाईं ओर से आगे बढ़कर पेटार मूसा को एक शानदार पास दिया। मूसा ने चतुराई से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और गोलकीपर के ऊपर से शॉट लगाया। इसी के साथ क्रोएशिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। यह साल 2023 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था।

दूसरे हाफ के बीच में ही उस वक्त मैच का निर्णायक मोड़ आ गया, जब इवान पेरिसिक ने बाईं ओर से एक कर्लिंग क्रॉस दिया, जिसे निकोला व्लासिक ने एक नियंत्रित साइड-फुट फिनिश के साथ गोलपोस्ट के अंदर पहुंचाया और 3-1 से जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ग्रुप एल में शीर्ष पर पहुंच गया है। टीम के पास एक मैच शेष है। फरो आइलैंड्स अपने सभी 8 मैच खेल चुका है। यह टीम दौड़ से बाहर है। ग्रुप एल के दूसरे मैच में, मोंटेनेग्रो ने जिब्राल्टर को 2-1 से शिकस्त दी। शुरुआत में पिछड़ने के बाद आखिरी पेनाल्टी को गोल में बदलकर टीम ने जीत दर्ज की। जर्मनी ने निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से लक्जमबर्ग को 2-0 से हराकर ग्रुप ए में सीधे क्वालीफिकेशन की ओर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

न्यूज बाइट्स

शैक्षणिक परिभ्रमण पर रवाना हुआ छात्रों का दल

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। कासमा रोड स्थित राजकीयकृत रानी ब्रजराज उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री बिहार दर्शन योजना के तहत गुरुवार को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक अरुण कुमार एवं विद्यालय के शिक्षकों की टीम ने परिभ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर राजगीर, नालंदा और पावापुरी के लिए रवाना किया। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने बताया कि भ्रमण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक धरोहरों से नजदीक से परिचित कराना है, ताकि वे पुस्तकों से इतर वास्तविक स्थल पर जाकर ज्ञान अर्जित कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक दौरे छात्रों के बौद्धिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा नई चीजों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करते हैं। परिभ्रमण में शामिल सभी छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। पूरे सफर के दौरान बच्चों की सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि वे सुरक्षित व अनुशासित तरीके से अध्ययनशील वातावरण के साथ इस यात्रा का अनुभव हासिल कर सकें।

जेजे बोर्ड ने दो किशोरों को दिया सामुदायिक सेवा का दंड

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने शनिवार को बारूण थाना कांड संख्या 302/25 में सुनवाई के दौरान दो विधि विरुद्ध किशोरों को दंड स्वरूप सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि दोनों किशोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बारूण में दस दिनों तक सामुदायिक सेवा करेंगे। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही के अनुसार बोर्ड ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बारूण के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को यह आदेश दिया है कि सामुदायिक सेवा की अवधि के दौरान दोनों किशोरों के व्यवहार और आचरण की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय पर प्रतिवेदन किशोर न्याय बोर्ड को भेजा जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि दोनों किशोरों का नाम, पता और सेवा अवधि सार्वजनिक नहीं की जाएगी, ताकि उनकी पहचान गोपनीय बनी रहे। किशोर न्याय बोर्ड द्वारा दिया गया यह निर्णय सुधारात्मक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बीज वितरण में अनियमितता पर किसानों का हंगामा

कुटुंबा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रबी सीजन की बुवाई शुरू होने के बीच कुटुंबा प्रखंड में बीज वितरण को लेकर अनियमितता, डीलरों की मनमानी और कृषि विभाग की उदासीनता के खिलाफ किसानों का गुस्सा शनिवार को फूट पड़ा। सुबह से बीज लेने के लिए लाइन में लगे विभिन्न गांवों के किसानों ने प्रखंड मुख्यालय परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि बार-बार आने के बावजूद बीज उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे बुवाई का समय तेजी से निकल रहा है और खेती पर गंभीर संकट पैदा हो गया है। किसानों ने कहा कि विभागीय लापरवाही और वितरण व्यवस्था की अव्यवस्था से उनका समय, श्रम और पैसा बर्बाद हो रहा है। भीड़ बढ़ने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बसौरा गांव की वृंदा देवी ने बताया कि कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत लगभग 20 पंचायतों के किसानों को एक ही दिन बीज लेने बुला लिया गया, जिससे प्रखंड कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। उनका कहना था कि सुबह से लाइन में खड़े रहने के बावजूद किसानों की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, "फॉर्म जमा ले लिया, लेकिन बीज वितरण नहीं हो रहा। घंटों इंतजार के बाद भी कोई अधिकारी सामने आकर जवाब देने को तैयार नहीं।" इसी तरह सिंहपुर गांव के माइकल कुमार ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को ही किसान सलाहकार के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरकर प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन अगले दिन बीज लेने पहुंचे तो डीलर ने "कल आएं" कहकर लौटा दिया। उन्होंने कहा कि अगर समय पर बीज नहीं मिला तो खेत कैसे तैयार होंगे।

भाजपा-जदयू विधि प्रकोष्ठ ने नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी को ऐतिहासिक क्षण बताया, कहा

यह सुशासन और जनविश्वास की जीत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणामों के बाद एनडीए गठबंधन के दोबारा भारी बहुमत के साथ सत्ता में लौटने और नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने की पुष्टि के बाद शनिवार को जिला विधिज्ञ संघ, औरंगाबाद का माहौल उत्साहपूर्ण रहा। जदयू और भाजपा दोनों विधि प्रकोष्ठों की ओर से संघ परिसर में अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए। दोनों दलों के विधि प्रकोष्ठ ने चुनावी परिणाम को राज्य के न्याय-व्यवस्था, विकास, सामाजिक स्थिरता और सुशासन की जीत करार देते हुए बिहार की जनता को धन्यवाद दिया और नीतीश कुमार तथा एनडीए नेतृत्व को बधाई दी। पहले सत्र में जदयू विधि प्रकोष्ठ की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता सरकारी अधिवक्ता बृजा प्रसाद ने की। बैठक में मौजूद अधिवक्ताओं ने कहा कि दो-तिहाई से अधिक बहुमत का जनादेश इस बात का प्रमाण है कि बिहार की जनता ने स्थिरता और विकास को प्राथमिकता दी है। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों ने मतदाताओं के बीच बड़ी भूमिका निभाई। बैठक में पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता एवं जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कुमार के नेतृत्व और सक्रियता की सराहना करते हुए कहा गया कि उनके प्रयासों से अधिवक्ता समुदाय से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान में प्रगति हुई है। अधिवक्ताओं ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद शेष लंबित मांगों के पूरा होने की प्रबल संभावना है।

पिछले कार्यकाल की विकास नीतियों ने जनता के बीच विश्वास किया कायम

अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की संयुक्त नेतृत्व क्षमता और पिछले कार्यकाल की विकास नीतियों ने जनता के बीच विश्वास कायम किया। बैठक में कहा गया कि इस बार के चुनाव में युवाओं, पहले बार मतदान करने वालों, महिलाओं और ग्रामीण मतदाताओं में एनडीए के प्रति उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

नई सरकार न्यायिक ढांचे को और मजबूत करेगी

अधिवक्ताओं ने यह भी अपेक्षा जताई कि नई सरकार न्यायिक ढांचे को और मजबूत करेगी तथा जिला-स्तर पर विधिक संसाधनों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम उठाएगी। कई वक्ताओं ने बार-काउंसिल और न्यायिक संरचना में सुधार को आने वाले कार्यकाल की प्राथमिकता बनाए जाने का सुझाव दिया। दूसरे सत्र में भाजपा विधि प्रकोष्ठ की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता वरीय अधिवक्ता अवध किशोर प्रसाद सिंह ने की और संचालन एपीपी प्रदीप सिंह ने किया। बैठक में एनडीए की निर्णायक जीत को सुशासन मॉडल की जीत बताते हुए कहा गया कि बिहार की जनता ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर स्थिर सरकार, मजबूत नेतृत्व और विकास को चुना है। इसके साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि औरंगाबाद जिले में छह सीटों में से पाँच पर एनडीए उम्मीदवारों की जीत स्थानीय स्तर पर जनता की अपेक्षाओं और प्रशासनिक व्यवस्था में विश्वास को दर्शाती है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के सदस्यों ने कहा कि अब जब गठबंधन सरकार को स्थिर जनादेश मिल गया है, तो राज्य में विधिक सुधार, न्यायिक संरचना और अपराध पर निर्णायक नियंत्रण की दिशा में और अधिक ठोस कदम उठाए जाने की उम्मीद है।

अधिवक्ताओं की बड़ी भागीदारी

बैठकों में भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने उपस्थिति दर्ज कराई और जिले में राजनीतिक परिवर्तन के प्रभाव तथा न्यायिक समुदाय की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। उपस्थित अधिवक्ताओं में विजय कुमार पांडेय, पुष्कर अग्रवाल, शिवलाल मेहता, इरशाद आलम, राजेश्वर मेहता, सतीश कुमार स्नेही, बिगु प्रसाद, हरेंद्र कुमार, अमित कुमार, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार सिंह, चंद्रशेखर पांडेय, सविता कुमारी, विनय द्विवेदी, श्यामनंदन तिवारी समेत अनेक अधिवक्ता शामिल रहे। बैठकों के अंत में एनडीए गठबंधन की सरकार से अपेक्षा व्यक्त की गई कि न्यायिक कार्य प्रणाली के डिजिटलीकरण, अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार, कोर्ट कैंपस के विकास और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे की दिशा में ठोस और सार्थक पहल की जाएगी।

बिहार में कांग्रेस की करारी हार पर पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार का बड़ा बयान, मैं अध्यक्ष होता तो दे देता इस्तीफा

- निखिल कुमार ने कहा — राहुल गांधी बिहार संगठन का हिस्सा नहीं हैं, बिहार का संगठन बिहार तक सीमित है।
- औरंगाबाद सीट पर भी लगातार दो बार जीत रहे आनंद शंकर सिंह इस बार हार गए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में कांग्रेस को मिली करारी हार पर पूर्व राज्यपाल, औरंगाबाद के पूर्व सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता निखिल कुमार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सीधे तौर पर भले नाम न लिया हो, लेकिन इशारों में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि मैं यह नहीं कहता कि राजेश ने अच्छा काम नहीं किया, लेकिन यदि मैं प्रदेश अध्यक्ष होता और ऐसे नतीजे आते तो हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देता।

निखिल कुमार ने कहा कि चुनाव संगठनात्मक व्यवस्था के तहत लड़े जाते हैं। हर व्यक्ति संगठन का हिस्सा होता है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व का पद संगठन के मुखिया का होता है। चुनाव को शालीन और कुशल तरीके से संपन्न कराने की जिम्मेदारी उसी पर होती है। ऐसे में यदि संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है तो किसी एक व्यक्ति पर पूरी जिम्मेदारी डाल देना ठीक नहीं है — संगठन का हर सदस्य दोषी होता है, और उसी हद तक हम सभी जिम्मेदार हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि "राहुल गांधी बिहार संगठन का हिस्सा नहीं हैं। बिहार का संगठन बिहार तक सीमित है। मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि राजेश राम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। अगर मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होता और इस तरह का नतीजा मेरे कार्यकाल में आता तो मैं बिना देरी के इस्तीफा दे देता।"

गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के बाद पार्टी को उम्मीद थी कि सीटों की संख्या दोगुनी से अधिक होगी। इसी भरोसे पर महागठबंधन में दबाव बनाकर कांग्रेस ने 61 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन परिणाम पूरी तरह उलट आया। पार्टी 61 में से कुल 6 सीटें ही जीत पाई। इतना ही नहीं, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार अपनी पारंपरिक सीट कुटुम्बा से भी चुनाव हार गए। वहीं पास की औरंगाबाद सीट से लगातार दो बार जीत रहे आनंद शंकर सिंह भी इस बार हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। यानी औरंगाबाद जिले की दोनों सीटों पर कांग्रेस का खाता तक नहीं खुल सका।

चुनावी हार के बाद कांग्रेस के भीतर खींचतान बढ़ने लगी : निखिल

चुनावी हार के बाद कांग्रेस के भीतर खींचतान बढ़ने लगी है। शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक हुई, जिसमें राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपालन, केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष अजय माकन सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। बैठक में हार के कारणों और बिहार संगठन को लेकर आगे की रणनीति पर व्यापक चर्चा की गई।

निखिल कुमार के बयान के बाद पार्टी की अंदरूनी राजनीति और अधिक गर्म हो गई है। माना जा रहा है कि एक-दो दिनों में बिहार कांग्रेस की बैठक बुलाई जा सकती है, जिसमें राजेश कुमार से इस्तीफा देने की मांग भी उठ सकती है। संभव है कि वह बैठक में या उससे पहले ही पद छोड़ने की घोषणा कर दें।

पंजाब नैशनल बैंक का मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम

जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होंगे अधिक ग्राहक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

केंद्र सरकार की बैंकिंग से जुड़ी विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और ग्राहकों को पंजाब नेशनल बैंक से जोड़ने के उद्देश्य से आज बैंक ने औरंगाबाद मंडल के छह स्थानों पर मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। औरंगाबाद ओल्ड जीटी रोड बैंक शाखा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं बैंक के सहायक महाप्रबंधक अंकुर सक्सेना ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से आवास ऋण, कार ऋण, माई प्रॉपर्टी ऋण और शिक्षा ऋण जैसी सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचाना बैंक की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक अन्य बैंकों की तुलना में कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है, जो ग्राहकों के लिए लाभकारी है।

अंकुर सक्सेना ने यह भी कहा कि औरंगाबाद मंडल में 50 करोड़ रुपये के ऋण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक 30 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत और वितरित किया जा चुका है। यह मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम केवल औरंगाबाद जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि रोहतास और अरवल जिलों में भी आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मंडल प्रमुख प्रवीण कुमार ने बैंकिंग से जुड़ी विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी से इसका लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद मंडल के नगर थाना के समीप पंजाब नेशनल बैंक, दाउदनगर एवं रफीगंज शाखा के अलावा रोहतास जिले के डिहरी ऑन-सोन और बिक्रमगंज शाखा एवं अरवल शाखा में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा बैंक की 69 अन्य शाखाओं में भी यह कार्यक्रम जारी रहेगा। कार्यक्रम में एलडीएम आनंद वर्धन, उप मंडल प्रमुख डीके ब्रह्मचारी, पीएलपी हेड आनंद कुमार, ग्राहक सुनील कुमार गुप्ता, नीरज कुमार उर्फ लप्पू गुप्ता समेत कई अन्य बैंक अधिकारी और ग्राहकों ने भाग लिया। बैंक अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आउटरीच कार्यक्रम न केवल ग्राहकों को वित्तीय योजनाओं का लाभ पहुंचाते हैं, बल्कि उन्हें सस्ती और सुविधाजनक बैंकिंग सेवा से जोड़कर वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा देते हैं।

रफीगंज में पीएनबी का मेगा आउटरीच शिविर हुआ आयोजित, प्राप्त हुए 121 आवेदन

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज शाखा में शनिवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने एक मेगा रिटेल आउटरीच शिविर आयोजित किया, जिसमें ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के ऋण योजनाओं का लाभ देने पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में कुल 121 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें व्यक्तिगत, वाहन, मकान निर्माण और संपत्ति से जुड़े ऋण शामिल थे।

कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक धीरज कुमार वर्मा ने बताया कि बैंक का उद्देश्य लोगों को उनके वित्तीय सपनों को पूरा करने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि ऋण लेने के इच्छुक ग्राहक अपने दस्तावेज जमा करें, जिनकी जांच के बाद तुरंत ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। कियाखाप प्रबंधक संजीव कुमार निराला ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर दस्तावेजों की जाँच के बाद सभी योग्य आवेदकों को ऋण प्रदान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को वित्तीय योजना और सुविधा का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्रबंधक अजीत कुमार, प्रबंधक संजीत कुमार, पीएलपी से प्रबंधक अविनाश कुमार शाही, मंडल कार्यालय से विनोद कुमार और रविंद्र कुमार तथा मार्केटिंग विभाग की सुरभि संज्ञा, सुब्रत सोरेन और सुभांगी लगुड़ी समेत अन्य बैंक कर्मियों ने सहयोग किया। बैंक अधिकारियों का कहना है कि ऐसे आउटरीच कार्यक्रमों से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ती है और लोगों को अपने वित्तीय विकल्प चुनने का अवसर मिलता है।

एनडीए नेता प्रमोद सिंह की जीत पर योगा ग्रुप ने बांटी मिठाई

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली बहुमतपूर्ण जीत तथा रफीगंज विधानसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार प्रमोद कुमार सिंह की विजय के बाद इलाके में जश्न का माहौल रहा। शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के ठकुरार पुल पर योगा ग्रुप के सदस्यों ने चुनाव परिणाम आने के बाद एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और जीत का जश्न मनाया। योगा ग्रुप के सदस्य एवं भाजपा नेता दीनानाथ विश्वकर्मा ने इस नतीजे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के सामूहिक नेतृत्व और रणनीति का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास और स्थिर सरकार की अपेक्षा के साथ एनडीए में विश्वास जाहिर किया है। जश्न के दौरान मौजूद सदस्यों में पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार, अरविंद सोनी, चंदन सोनार, उपेंद्र कुमार, राजू गुप्ता, राजेश पासवान, दीपेंद्र कुमार, पिंटू कुमार, संदीप कुमार, अभिषेक कुमार, आशीष कुमार, राहुल सिंह, शत्रुघन कुमार, अशोक सोनार, शंकर सोनार, परशुराम सोनार सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

नेहरू जयंती पर विद्या निकेतन में उत्सव, प्रतियोगिताओं और संदेशों के बीच गूंजा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का संकल्प

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती शुक्रवार को विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्या निकेतन (शुक्र बाजार) प्रांगण में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। समारोह की शुरुआत सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता द्वारा नेहरू जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद प्राचार्य सरयू प्रसाद तांती, प्रशासक संदीप कुमार और सभी शिक्षकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक कक्षा में पंडित नेहरू के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर केंद्रित लेखन प्रतियोगिता और परिचर्चा आयोजित की गई। वहीं शिक्षक मुकेश गिरी, अखिलेश कुमार सिंह और रमा रानी जैन के नेतृत्व में कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों के बीच समूह आधारित क्विज प्रतियोगिता कराई गई। तीन राउंड की प्रतिस्पर्धा के आधार पर कक्षा 9 के छात्र-छात्राएं — मुस्कान कुमारी, प्रीत साहनी, धीरज कुमार और छोटी — विजेता घोषित हुए, जबकि कक्षा 6 ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। विजेताओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र और लेखनी भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में संबोधित करते हुए सीईओ आनंद प्रकाश ने कहा कि भारत एक है और एक साथ मिलकर चलने में ही देश और राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का सपना पंडित नेहरू के त्याग और समर्पण की पहचान है। डिप्टी सीईओ इंजीनियर विद्यासागर ने कहा कि नेहरू जी ने सभी को जोड़कर आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया, जो आज भी प्रेरणादायक है।

टेक्निकल एडवाइजर विनय प्रकाश ने कहा कि नेहरू द्वारा दिए गए एकजुटता के संदेश और राष्ट्रहित में बलिदान की विचारधारा को आगे बढ़ाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

बाल दिवस पर औरंगाबाद में निःशुल्क बाल स्वास्थ्य शिविर, 200 बच्चों का इलाज और दवा वितरण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में बाल दिवस के अवसर पर पुरानी जीटी रोड स्थित शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. चंद्रशेखर प्रसाद के द्वारा निशुल्क बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ पहुंचे। शिविर में करीब 200 बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरत के अनुसार दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम की शुरुआत नगर परिषद अध्यक्ष उदय प्रसाद गुप्ता, अजय प्रकाश और डॉ. चंद्रशेखर प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की। शिविर के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण में डॉ. एस. के. शर्मा भी शामिल रहे। वहीं विभिन्न दवा कंपनियों के सहयोग से बच्चों को पेंसिल, कलर बुक, खिलौने और चॉकलेट वितरित किए गए, जिससे बच्चों में बाल दिवस के प्रति उत्साह देखा गया। शिविर के संचालन और सफलता में राजेश कुमार, सरोज प्रसाद, कमलेश पंडित, मनोज कुमार उर्फ गांधी, राजेश्वर सिंह, दिनेश प्रसाद, संजय प्रसाद और वीर प्रताप सिंह सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

यह आयोजन न केवल बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लाभदायक साबित हुआ बल्कि बाल दिवस पर उनके चेहरे पर खुशी लाने वाला भी रहा।

कुशल युवा कार्यक्रमः प्रशिक्षित विद्यार्थियों को मिला प्रमाण पत्र, भविष्य संवारने की तैयारी

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

कुशल युवा कार्यक्रम के तहत जून और जुलाई माह में प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं को उनके कोर्स पूर्ण होने के बाद औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समारोह में दर्शन इंस्टीट्यूट के निदेशक रौशन सिन्हा, अलोक तंडन और यश अकादमी के संचालक शंभू कुमार की उपस्थिति रही। अतिथियों ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षित युवाओं को प्रमाण पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कौशल आधारित शिक्षा के महत्व पर बल दिया। समारोह को संबोधित करते हुए रौशन सिन्हा ने कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम आज बिहार में कौशल विकास का सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसने युवाओं को तकनीकी ज्ञान, संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास के लिए एक व्यापक मंच उपलब्ध कराया है। उन्होंने बताया कि संस्थान का लक्ष्य युवाओं को ऐसी दक्षता प्रदान करना है जिससे वे रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त युवा आज विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहे हैं, जो कौशल विकास अभियान की बड़ी उपलब्धि है। आगे उन्होंने प्रशिक्षकों, अभिभावकों और सहयोगी संस्थानों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आने वाले बैचों के लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और मजबूत और व्यावहारिक बनाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक युवा लाभान्वित हों।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इस कार्यक्रम ने उनकी डिजिटल और कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारा है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और रोजगार की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। छात्रों ने कहा कि प्रशिक्षण से उन्हें न सिर्फ नई तकनीक से जुड़ने का अवसर मिला बल्कि रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार करने में भी मदद मिली। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। मौके पर एल.एफ. धीरज कुमार, प्रिया कुमारी, उमा कुमार, विशाल कुमार और कुंदन कुमार सहित कई प्रशिक्षु और संस्थान से जुड़े लोग उपस्थित रहे। समारोह के बाद विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों के बीच उत्साह और उपलब्धि की भावना देखने लायक रही।

तीसरी बार मैदान में उतरे कांग्रेस अध्यक्ष को करारी हार

नतीजों के बाद फफककर रो पड़े राजेश राम और समर्थक

निज संवाददाता | कुटुंगा (औरंगाबाद)

कुटुंबा विधानसभा से तीसरी बार चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम को इस बार करारी हार का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजे आते ही उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं में गहरा निराशा का माहौल दिखाई दिया। शनिवार को परिणाम के बाद जब कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे तो वे भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और फफक फफक कर रो पड़े। कार्यकर्ताओं की आंखों से छलकते आंसू देखकर चुनाव हार चुके प्रदेश अध्यक्ष भी खुद को रोक नहीं पाए और वे भी भावुक होकर रो पड़े। हार के बाद कुटुंबा का कांग्रेस कार्यालय शोक से भरे माहौल में बदल गया। कुटुंबा सीट पर हम के ललन राम ने राजेश राम को 21,525 वोटों के बड़े अंतर से पराजित किया। नतीजों की गिनती के शुरुआती दौर से ही ललन राम ने बढ़त बना ली थी, जो अंतिम राउंड तक कायम रही। लगातार दो बार विधायक रह चुके राजेश राम के लिए यह हार बेहद चौंकाने वाली और राजनीतिक रूप से बड़ी मानी जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव से पहले अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थे और महागठबंधन की सरकार बनने की स्थिति में उपमुख्यमंत्री पद तक का दावा कर रहे थे, लेकिन मतदाताओं ने उम्मीदों के विपरीत फैसला सुनाते हुए उन्हें सिरे से नकार दिया। परिणाम आने के बाद समर्थकों और नेताओं ने हार के कारणों को लेकर खुलकर कुछ नहीं कहा, लेकिन अंदरखाने यह चर्चा तेज है कि जनता में स्थानीय मुद्दों और असंतोष का असर प्रतिकूल रूप से पड़ा।

22 लीटर महुआ शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

उपहारा थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हमीदनगर बराज के पास से 22 लीटर महुआ शराब सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान महेश परासी गांव निवासी बैजू यादव और दीपक उर्फ छोटू यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष आकाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों युवक बड़ी मात्रा में शराब लेकर सप्लाई करने की तैयारी में खड़े हैं। इस पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 22 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुई, जिसे जब्त कर लिया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने शराब लाने और बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब किसे सप्लाई की जानी थी और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और अभियान आगे भी जारी रहेगा। दोनों आरोपितों के खिलाफ शराबबंदी कानून के तहत केस दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।